राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक रपट : 2021–22

सम्बद्ध–दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

डॉ. अभिषेक सिंह
श्री बृज भूषण लाल
डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

Website : www.mpm.edu.in ● E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

राष्ट्रीय सेवा–योजना मानव एवं समाज के विकास के लिए एक बहुद्देशीय सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम है। भारत की आत्मा गांवों में रहती है। भारत के अधिकांश गांव एवं ग्रामवासी आज अनेक प्रकार की समस्याओं व जटिलताओं से ग्रसित हैं जिसमें नशाखोरी, सामाजिक कुरीतियाँ, संक्रामक बीमारी, खुले में शौच करना, बच्चों का विद्यालय न जाना, शुद्व पेयजल का उपलब्ध न होना आदि उल्लेखनीय है। महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का खराब होना विशेष रूप सें गंभीर है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को इन समस्याओं को समझने, अनुभव करने के साथ–साथ अपने कर्त्तव्य की प्रति जागरूक होने का अवसर मिलता है। राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है जो विद्यार्थियों मे निःस्वार्थ भाव से, सेवा, सहयोग, प्रेम और सद्भाव की भावना को जागृत करने में सहयोग करता है। युवाओं को राष्ट्र से जोड़ते हुए राष्ट्रीय समस्याओं से प्रत्यक्ष साक्षात्कार कराता है। उनमें देशप्रेम एवं राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करता है। महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना अपने सामाजिक संस्थागत दायित्वान्तर्गत ग्राम हसनगंज को गोद लेकर उसके सतत विकास हेतु विगत सत्र से ही निरन्तर प्रयत्नशील है। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विगत सत्र में ग्राम हसनगंज में अनेक जनजागरूकता के कार्यक्रम एवं श्रमदान जैसे प्रकल्प रैलियों और समूहों के माध्यम से सम्पन्न कराए गए थे, किन्तु वर्तमान सत्र विगत सत्र से कहीं अधिक कठिन एवं चुनौतीपूर्ण था। वैश्विक महामारी कोविड–19 के प्रकोप के कारण इस वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना के समक्ष अनेक चुनौतियाँ आयी; किन्तु इन झंझावतों में भी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी एवं जवाबदेही को भली–भाँति समझते हुए स्वयंसेवक आगे आए। समाज को कोरोना के दुष्परिणाम से बचाने का बीड़ा उन्होंने स्वयं उठाया।

वैश्विक महामारी कोविड–19 जब अपने चरम पर थी, सम्पूर्ण विश्व के चिकित्सकीय संसाधन विफल थे, ऐसी परिस्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना ने केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार से प्राप्त बचाव के सुझाव यथा–दो गज दूरी, मास्क का प्रयोग, सेनेटाइजर से हाथों को बार–बार धोना तथा मानवीय मूल्यों को न छोड़ना इत्यादि का प्रसार अपने गोद लिए गाँव में करना प्रारम्भ किया। कुछ दिनों बाद समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्वता एवं समाज सेवा की भावना का परिचय देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महाविद्यालय में ही बड़ी संख्या में मास्क एवं महाविद्यालय के प्रयोगशाला में प्रचुर मात्रा में W.H.O के मानकानुरूप सेनेटाइजर का निर्माण कराया है। स्वयंसेवकों ने तत्परता के साथ मास्क एवं सेनेटाइजर की निःशुल्क आपूर्ति गांव के जरूरतमंदों में करनी प्रारम्भ की। सेनेटाइजर तथा मास्क बांटने पर स्वयंसेवकों ने शिक्षकों तथा अन्य लोगों के सहयोग से स्वास्थ शिविरों एवं निःशुल्क दवा वितरण कार्यक्रमों का भी आयोजन कराया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा इस गांव में निरन्तर पर्यावरण, एड्स, भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार आदि समस्याओं के प्रति जागरूकता रैली के साथ–साथ स्वयं सेवकों/सेविकाओं द्वारा इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य, श्रमदान एवं स्वच्छता से सम्बन्धित कार्यक्रम सम्पन्न किया जाता रहता है। युवा भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं। उन्हें एक जागरूक मतदाता बनने तथा देश के निर्माण मे अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। क्योंकि युवा ही राष्ट्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, कुरीतियों, कुप्रथाओं और अन्धविश्वासों को उन्मूलन करने में सक्षम है। युवाओं के अन्दर इसी प्रकार के आत्मविश्वास एवं दृढ़ इच्छा शक्ति को जागृत करने के लिए विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान चलाये जाते है। जैसे स्वैच्छिक श्रमदान, रक्तदान, स्वच्छता, दूसरों के प्रति प्रेम सौहार्द तथा सद्भावना का निर्माण करने के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये जाते है। राष्ट्रीय सेवा योजना अपने लक्ष्य और उद्देश्य के प्रति पूरी निष्ठा से अग्रसर है। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, परिवार को उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना के साथ सत्र 2021–22 की वार्षिक रपट प्रस्तुत है।

(डॉ. अभिषेक सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी

(श्री बृजभूषण लाल)
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना - कार्यक्रम अधिकारी

क्र.सं.	कार्यक्रम अधिकारी का नाम	नियुक्ति कब से कब तक	दूरभाषा नं.
1.	डॉ. अभिषेक सिंह	01.09.2020 अद्यतन	8874111130
2.	श्री बृजभूषण लाल	01.08.2021 अद्यतन	7652099637

(डॉ. प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

'पढ़े जनपद–बढ़े जनपद' कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित 'पढ़े जनपद–बढ़े जनपद' कार्यक्रम के अंतर्गत 06 अप्रैल, 2021 को प्रदेश भर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने पुस्तकों का वाचन कर विभिन्न महापुरूषों की जीवनी सम्बधी जानकारी को हासिल किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा की जब तक समाज के सभी लोग पढ़ेंगे, नही तब तक हम लोग न ही परिवार को, न ही समाज को और न ही जनपद को आगे बढ़ा सकते है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविका उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी साधना सिंह ने किया तथा अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की।

जन जागरण रैली

11 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में कोरोन टीकाकरण के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में जन–जागरूकता रैली निकाली गयी। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तथा स्वयसेविकाओं ने कोरोना काल की इस विषम परिस्थिति में भी आगे बढ़कर समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। कोरोना प्रोटोकाल का पूर्णतः पालन करते हुए स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को शारीरिक दूरी, मास्क का निरंतर प्रयोग, सेनेटाइजर का उपयोग एवं रोग – प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों पर जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि दिनांक 11 अप्रैल से आगामी 14 अप्रैल तक केन्द्र सरकार ने 'टीका उत्सव' कार्यक्रम मनाने का निर्णय लिया है। महात्मा ज्योतिबा फूले की जयन्ती से लेकर साहब भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती तक चलने वाले इस उत्सव के अन्तर्गत 45वर्ष की उम्र से अधिक आयु वाले लोग अपने नजदीकी टीका केन्द्र अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर अनिवार्य टीकाकरण कराएँ। इसके अतिरिक्त इसमें सबसे ज्यादा आवश्यक है कि लोग सतर्क रहें। दवाई के साथ–साथ कड़ाई भी जरूरी है। हम स्वयं भी कोरोना के समस्त नियमों को मानें और दूसरो से भी इस हेतु आग्रह करें, तभी कोरोना के विरूद्ध पूर्ण विजय सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर सभी स्वंयसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने 10–10 की संख्या वाली टोलियों के माध्यम से घर–घर जाकर ग्रामवासियों को कोविड बीमारी के कारण एवं उसके रोकथाम के उपाय तथा बचाव बताते हुए उन्हें सचेत एवं जागरूक किया।

एक दिवसीय कार्यशाला

13 अप्रैल, 2021 को महाविद्यालय में चौरी–चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं प्राचीन इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'जलियाँवाला बाग नरसंहार : एक ऐतिहासिक विशलेषण' विषय पर आनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में बोलते हुए सी.एम.पी. कॉलेज प्रयागराज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की आचार्य **डॉ. भावना चौहान** ने कहा कि इतिहास लेखन तथ्यपरक और निष्पक्ष तथा घटनाक्रम के सभी सम्बद्ध पक्षों और प्रश्नों पर समुचित प्रकाश डालनें वाला होना चाहिए। परन्तु भारतीय इतिहास लेखन के सन्दर्भ में पूर्णतः ऐसा नहीं हुआ। समय–समय पर राजनैतिक नेतृत्व एवं परिस्थितियाँ अनेकशः समग्र सत्य के कुछ पक्षों को उभारनें में और कुछ को दबाने में सहायक सिद्ध होते हैं। परिणामस्वरुप इतिहास और ऐतिहासिकता प्रभावित होती है। ब्रिटिश काल खण्ड में भारतीय इतिहास को न सिर्फ तोड़ा–मरोड़ा गया, अपितु उक्त काल में घटित होनें वाली घटनाओं को भी ब्रिटिशों द्वारा अपनी मानसिकता एवं सांस्कृतिक श्रेष्ठतावाद के नजरिए से वर्णित किया गया। इन्ही घटनाओं में से एक प्रसिद्ध घटना अमृतसर के जलियाँवाला बाग की है, जिसकी क्रूर वास्तविकता को छिपाने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश सत्ता ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। डॉ. भावना ने आगे कहा कि 13 अप्रैल 1919 ई0 को भारतीय इतिहास में घटित होनें वाली यह घटना अंग्रेजी काल की क्रूरता का बखान करने में सर्वतोभावेन समर्थ है। जलियाँवाला बाग में एकत्रित जनता ने किसी भी प्रकार की नारेबाजी या हिंसा प्रदर्शन नहीं किया था। बावजूद इसके तत्कालीन ब्रिटिश अधिकारी जनरल डायर नें मासूम जनता पर अंधाधुध फायरिंग कराना प्रारम्भ कर दिया। हजारों गोलियाँ चलीं, हजारों निर्दोष काल के गाल में समा गए। सम्भवतः प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ती के बाद यह पहली घटना थी जिसमें एक साथ इतने बड़े पैमाने पर नरसंहार को अंजाम दिया गया था। परन्तु तत्कालीन अंग्रेज अधिकारियों एवं स्वतंत्रता पश्चात् के कुछ वामपन्थी इतिहासकारों द्वारा बड़े पैमाने पर होने वाले इस नरसंहार की घटना को हत्याकांड कहकर

इतिहास में समाविष्ट किया गया। अपनी व्यापक क्रूरता को छिपाने के लिए अंग्रेजों द्वारा किया गया यह ओछा कृत्य था। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर सबसे अधिक प्रभाव यदि किसी एक घटना ने डाला था तो वह जलियाँवाला बाग नरसंहार की घटना थी। रोलैट एक्ट जैसे मानवता विरोध एवं दमनकारी नीतियों का शांतीपूर्ण विरोध कर रहे जनता पर अंग्रेजी शासन द्वारा निर्ममतापूर्वक गोलियाँ चलवायी गई। 1000 से अधिक लोग मारे गए किन्तु सरकारी आंकड़े मृतकों की संख्या मात्र 384 बताते हैं। जबकि सच्चाई तो यह है कि गोलियों से बचने के लिए बाग स्थित कूएँ में बहुत से लोग कूद गये थे। 127 लाशें तो सिर्फ उस कूएँ से निकाली गई थी। इस घटना ने धीरे–धीरे भारतीय जनमानस में स्वतंत्रता की प्रबल अलख जगाई। भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन तेज हुआ। क्रांतिकारी गतिविधियों में तेजी आयी और भगत सिंह जैसे सैकड़ों वीर क्रांतिकारी इसी घटना की उपज बनें। अंततः इसी घटना की प्रतिध्वनि ने 1947 ई. देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं संचालन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने प्रस्तुत की। महाविद्यालय के **फेसबुक पेज** तथा **यू–ट्यूब** चैनल पर बड़ी संख्या में स्रोताओं द्वारा यह आनलाइन व्याख्यान देखा और सुना गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम

05 जून, 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर **कोविड–19 प्रोटोकाल** का पूर्णतः पालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के उप–प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने आम के पौधे को रोप कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पौधरोपण के अंतर्गत अशोक, आम, अनार, नीम, पीपल, अर्जुन आदि के पौधे लगाये गये।

पौधरोपण करने के उपरान्त महाविद्यालय के उप–प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। धरती को यदि बचाना है तो हमें पर्यावरण पर ध्यान रखना होगा। पेड़ लगाने पड़ेंगे। पानी की एक–एक बूंद बचानी होगी। नदियों को स्वच्छ करना होगा और अपने आस–पास स्वच्छता रखनी होगी। प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। यह सम्पूर्ण मानव समाज सहित सभी जीवों एवं वनस्पतियों के लिए कल्याणकारी है। वर्तमान कोरोना काल के परिपेक्ष्य में आक्सीजन की कमी एवं उसके कारण होने वाली मौतों को हम सभी ने देखा है तथा मानव जीवन के लिए आक्सीजन के महत्व को समझा है। भविष्य में वृक्षों के कमी के कारण आक्सीजन की इस प्रकार की दिक्कत न हों, इस हेतु भी बड़ी संख्या में पेड़ लगाना चाहिए।

कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. रामसहाय, डॉ. अभय श्रीवास्तव, विनय कुमार सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रताप, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री बृजभूषण लाल आदि शिक्षकों सहित कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने भी वृक्षारोपण किया।

वृक्षारोपण
विश्व
पर्यावरण दिवस
05 जून 2021

विश्व
पर्यावरण दिवस
05 जून 2021

विश्व
05 जून 2021

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत योग कार्यक्रम

21 जून, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आनलाइन योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के जीवनव्रती कार्यकर्ता **श्री अश्वनी जी** ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि योग शरीर के साथ–साथ मन, बुद्धि, चित्त एवं आत्मा को साधने को प्रभावी साधन है। योग से कार्यक्षमता एवं कार्यदक्षता का परिष्करण होता है। योग इस सृष्टि में व्यष्टि को समष्टि से जोड़ने वाला सेतु है। कदाचित इसी महत्ता को ध्यान में रखते हुए भगवान कृष्ण ने श्रीमद्भगवत गीता में **'योगः कर्मसु कौशलम'** का उपदेश दिया था। योग एवं प्राणायाम के उल्लेखों से भारतीय साहित्य कोष भरे पड़े है। ऋग्वेद से लेकर महाभारत तक तथा पंतजलि से लेकर आदिगुरू गोरखनाथ ने योग की व्यायकता को समाज में स्थापित किया। योग का मूल सिद्धान्त ही जोड़ना है। योग मानव जीवन के अन्तिम लक्ष्य अर्थात् मोक्ष (ईश्वर प्राप्ति) की प्राप्ति का मार्ग है। उन्होंने आगे कहा कि यदि हम उत्तम स्वास्थ्य, निरोगी काया और दीर्घायु प्राप्त करना है तो हमे अपने दैनिक दिनचर्या को नियमित एवं संयमित करना ही होगा। यह योग के माध्यम से ही सम्भव है। योग मनुष्य ही बर्हिमुखी इन्द्रियों को अन्तर्मुखी बनाता है। योग से हमारा चिंतन सकारात्मक होता है। हम सभी को अपने जीवन में योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाना चाहिए। इस अवसर प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता **श्री विनय कुमार सिंह** ने कपालभांति, भ्रामरी, अनुलोम, विलोम, भ्रस्तिका, सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, शशकासन, मण्डुकासन, मकरासन, पवनमुक्तासन आदि का भी अभ्यास कराया। कार्यक्रम में जूम एप और कालेज के फेसबुक पेज पर जुड़कर सैकड़ो लोगो ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का संयोजन प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने आभार ज्ञापन किया।

योगाभ्यास कार्यक्रम

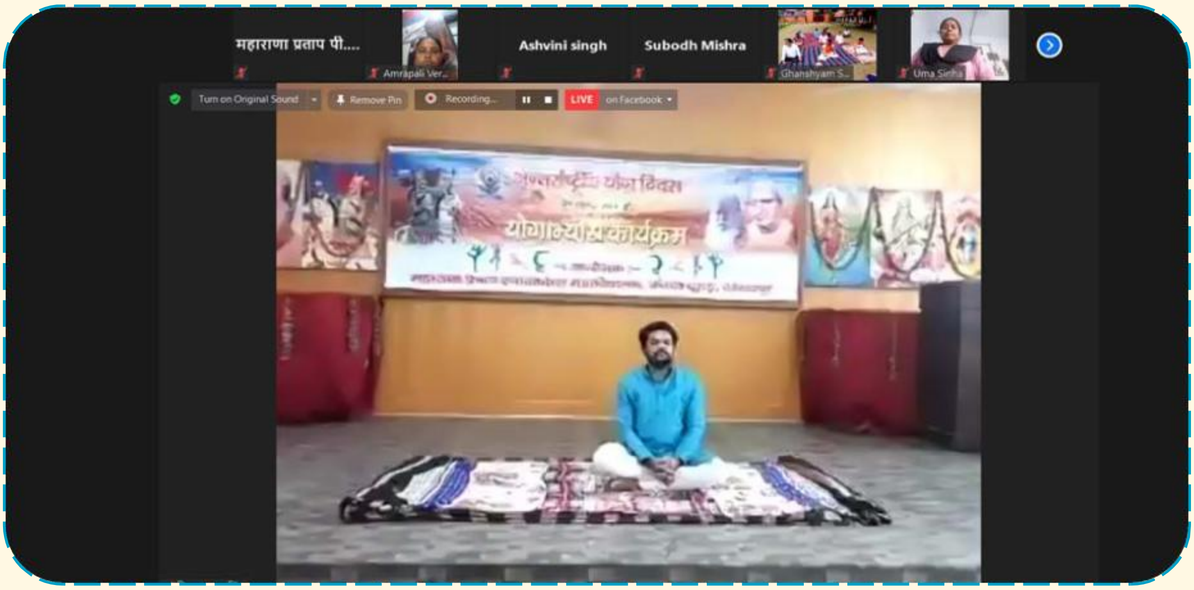
महाराणा प्रताप पी....
Ashvini singh
Subodh Mishra
Turn on Original Sound
Remove Pin
Recording...
LIVE
on Facebook
योगाभ्यास कार्यक्रम

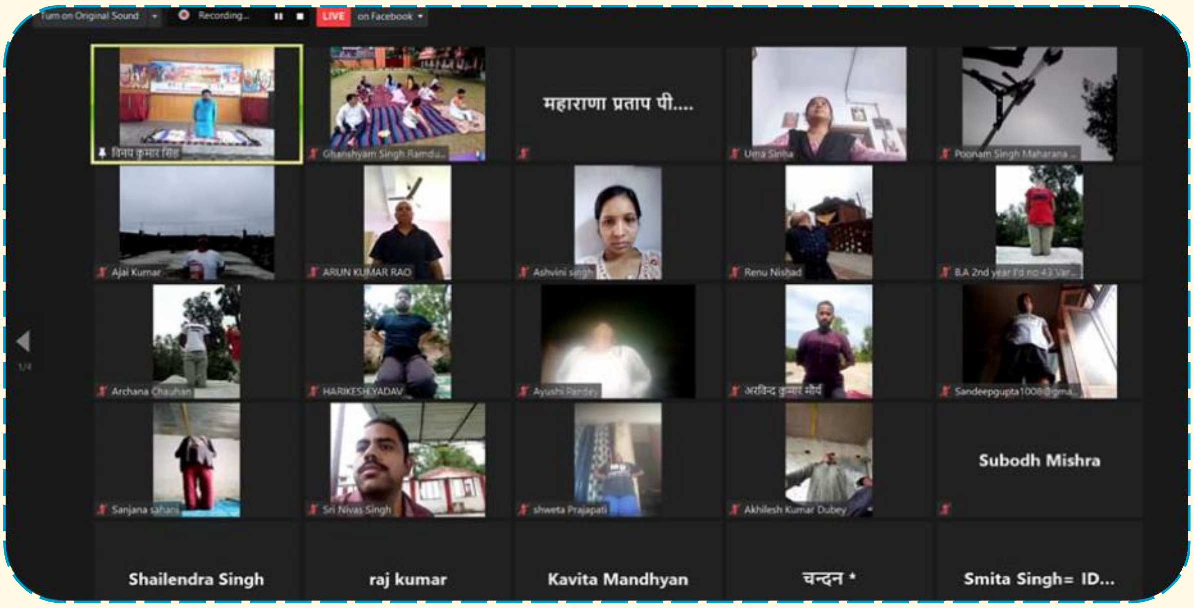
Turn on Original Sound
Recording...
LIVE
on Facebook
महाराणा प्रताप पी....
Ajai Kumar
ARUN KUMAR RAO
Renu Nishad
Archana Chauhan
HARIKESH YADAV
Sanjana sahani
Sri Nivas Singh
shweta Prajapati
Akhilesh Kumar Dubey
Subodh Mishra
Shailendra Singh
raj kumar
Kavita Mandhyan
चन्दन *
Smita Singh= ID...

वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम

04 जुलाई, 2021 को कोविड–19 प्रोटोकाल का पूर्णतः पालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत भारतीय संस्कृति को विश्व पटल पर आच्छादित करने वाले माँ भारती के सपूत **स्वामी विवेकानन्द जी** की पुण्यतिथि के अवसर पर पौध रोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना** के द्वारा आम, पीपल, कटहल, इमली, बरगद, नीम, आँवला, अशोक आदि के पौधों को रोपित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के फेफड़े हैं। ये हमसे न्यूनतम लेते हैं, जबकि पूरी दुनियाँ को अपना अधिकतम देते है। पृथ्वी पर

जीवन के अस्तित्व के आधार वृक्ष ही हैं। वृक्ष हमें प्राणवायु (आक्सीजन) देते हैं। कोरोना काल की त्रासद परिस्थितियों में हम सभी ने ऑक्सीजन की किल्लत से जनहानि को होते देखा है। यह हम सभी को एक संदेश है कि यदि हम वृक्षों का संरक्षण नहीं करेंगे, अधिकाधिक मात्रा में वृक्षारोपण नहीं करेंगे, तो आने वाले समयों में इस प्रकार की त्रासदियाँ बड़े पैमाने पर मानव जाति को हानि

पहुँचायेगी। कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने कहा कि हमें हर कीमत पर अपने पर्यावरण को शुद्ध एवं समृद्ध करना होगा। इस हेतु हम सभी को बड़ी संख्या में पेड़ लगाने ही होंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव** ने कहा कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पर्यावरण जागरूकता की यह पहल अत्यन्त सराहनीय होने के साथ–साथ हम सभी के लिए अनुकरणीय है। पर्यावरण संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। इस हेतु शासन के साथ–साथ समाज के हर वर्ग एवं संस्थानों को आगे आना ही होगा। कार्यक्रम में डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, श्री श्रीनिवास सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, श्री विनय कुमार सिंह, श्री अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण
1–7 जुलाई 2021
वन महोत्सव सप्ताह
04 जुलाई 2021
राष्ट्रीय सेवा योजना

विशिष्ट व्याख्यान

22 जुलाई, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में मानये जा रहे **'भू–जल संरक्षण सप्ताह'** के अवसर पर **'भू–जल संरक्षण'** विषय पर भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा विशेष जागरूकता व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान में **डॉ. अभिषेक सिंह** ने राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भू–जल संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साथ ही वर्तमान में जल संकट के कारण भू–जल प्रबंधन के अन्तर्गत वर्षा जल संरक्षण एवं भू–जल कृत्रिम पुनर्भरण, उसकी आवश्यकता एवं लाभ, पुरातन काल की वर्षा जल संचयन की विधियाँ एवं भारत के विभिन्न प्रदेशों में प्रचलित जल संरक्षण की प्रणालियों पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन रक्षा अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाईयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं सहित महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

12 अगस्त, 2021 को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य **श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल** ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद होने वाले बलिदानियों के श्रृंखला में बन्धू सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। 1857 के समर में गोरखपुर का नेतृत्व करते हुए उन्होने अंग्रेजो के सामने जो चुनौती पैदा की, उससे अंग्रेज अधिकारियों के दांत खट्टे हो गये। प्रथम स्वतंत्रता– संग्राम में बर्बर ब्रितानिया हुकूमत के खिलाफ मध्य व उत्तर भारत में भड़के सशक्त जनविद्रोही समर के नायक, अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला देने वाले प्रसिद्ध चौरी चौरा क्षेत्र के डुमरी रियासत के बाबू बन्धू सिंह संघर्ष की अनूठी गुरिल्ला शैली के कारण फिरंगियों में दहशत और भय का पर्याय बन गये थे। शहीद बन्धू सिंह के आक्रमण से अंग्रेजी सेना ने हताशा में पूरे डूमरी गाँव को नष्ट–भ्रष्ट करते हुए घोर ताण्डव किया। आज भी शहीद बन्धू सिंह पूर्वांचल के युवाओ के लिए राष्ट्रभक्ति और देश प्रेम के प्रेरणा स्रोत के रूप में विद्यमान है। इस अवसर पर हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों सहित डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. सुबोध मिश्र, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर विशेष व्याख्यान

13 अगस्त, 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी–चौरा शताब्दी वर्ष के अंतर्गत महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित **''भारत : विभाजन की वेदना से विकास के पथ पर''** विषयक आनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा के स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एण्ड गवर्नेन्स विभाग के आचार्य **डॉ. अक्षय कुमार सिंह** कहा कि भारत अपनी आजादी के पूर्व ही खंडित हो गया। 14 अगस्त, 1947 ई0 की स्याह रात भारत के इतिहास की सबसे अंधेरी रात थी। इस रात भारत को विभाजन के रूप में एक ऐसा दंश मिला, जिसकी वेदना आज भी हर भारतीय के हृदय में है। उस विभाजन के घाव आज भी रिसते है। भारत को उसकी आजादी बहुत बड़ी कीमत चुकाकर मिली। तत्कालीन भारत की राजनैतिक परिस्थितियों एवं गतिविधियों से आभासित होता है कि भारत का तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व अपने निजी स्वार्थो एवं हितों के वशीभूत भारत के विभाजन को स्वीकार कर लिया था। उन्होंने आगे कहा कि विभाजन यद्यपि कि भारतीय इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी है, तथापि विभाजन के बाद भारत उत्तरोत्तर विकास के पथ पर बढ़ता रहा है। विकास की यह गति स्वतंत्रता के लगभग 70 वर्षों तक बहुत धीमी रही है, तथापि पिछले कुछ वर्षों में यह तीव्र हुई है। इसका सबसे बड़ा कारण भारत का सशक्त शीर्ष नेतृत्व है। आज भारत राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से सबल हो रहा है। पिछले 7 वर्षों में भारत विश्व की प्रमुख महाशक्ति बनकर उभरा है। आज भारत पुनः विश्वसिरमौर बनने की ओर अग्रसर है। आज कई ऐसे वैश्विक मुद्दे है, जिनकी अगुआई भारत कर रहा है। अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को कश्मीर से हटाकर कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत को एकीकृत करना इसी विकास का बिम्ब है। वैश्विक महामारी कोरोना के इस दौर में भी भारत ने अपनी सबलता का परचम पूरे विश्व में फहराया है। खुद की वैक्सीन की इजाद से लेकर अपनी जरूरतों को पूरा करते हुए विश्व भर में उसका वितरण कर भारत ने अपने शाश्वत मूल्यों के सिद्धान्त का अनुपालन किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षत करते हुए **केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज** के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारत अपनी सभ्यता के उषाकाल से ही विश्व की समृद्धतम सभ्यता के रूप में प्रतिष्ठित

रहा है। भारत पर उसकी समृद्धता के कारण ही अनेक वाह्य आक्रमण हुए है। इन सबसे बावजूद भारत ने अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखा है। उन्होंने आगे कहा की भारत का विभाजन एक अप्राकृतिक घटना के साथ–साथ ऐतिहासिक कडवा सच भी है, जो यह स्पष्ट करता है कि हिन्दू–मुस्लिम जैसे पांथिकतत्व राष्ट्रीयता पर जब भी भारी पड़ेंगे, तब–तब राष्ट्र और राष्ट्रीयता खण्डित होगी ही। ऐसी घटनाएं दुर्भाग्यापूर्ण तो अवश्य है लेकिन हमें भविष्य के लिए सीख भी देती है। **भारत का विभाजन** सतही तौर पर यह माना जाता है कि जिन्ना की जिद्द और मुस्लिम लीग की साम्प्रदायिक सोच ही विभाजन की जिम्मेदार थी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस का नेतृत्व भी कम जिम्मेदार नहीं था। कार्यक्रम का संचालन एंव संयोजन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जूम एप के अतिरिक्त महाविद्यालय के यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और सामान्य श्रोतागणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

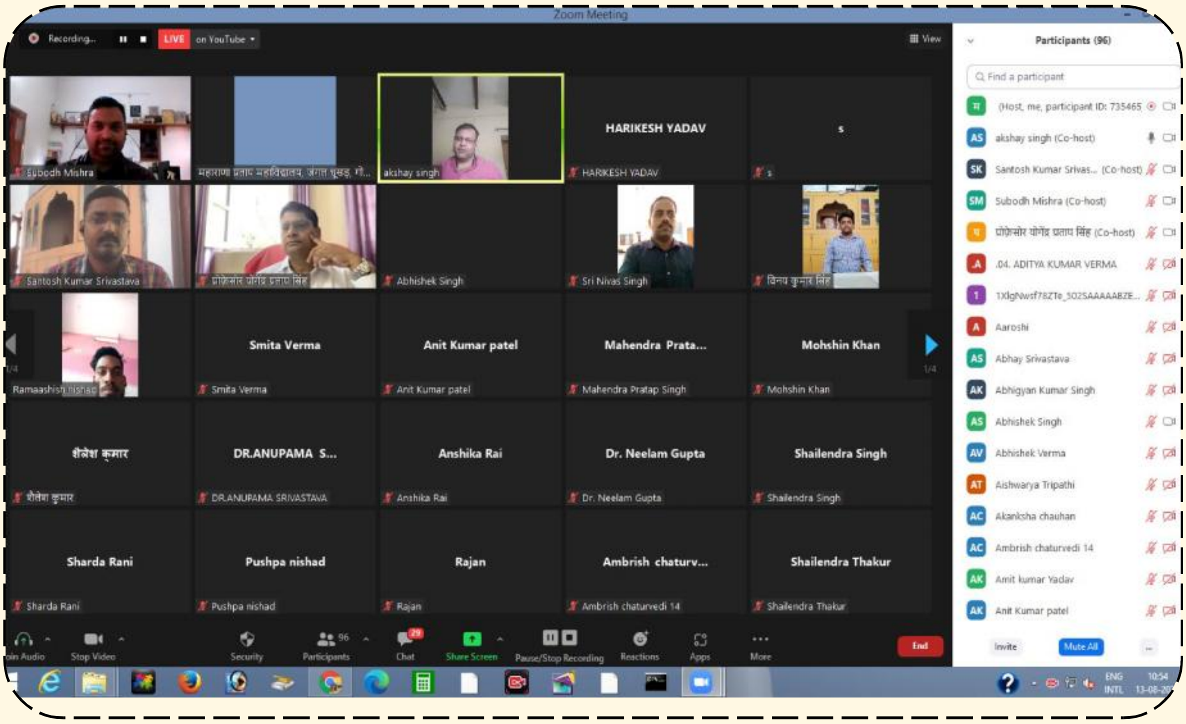

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

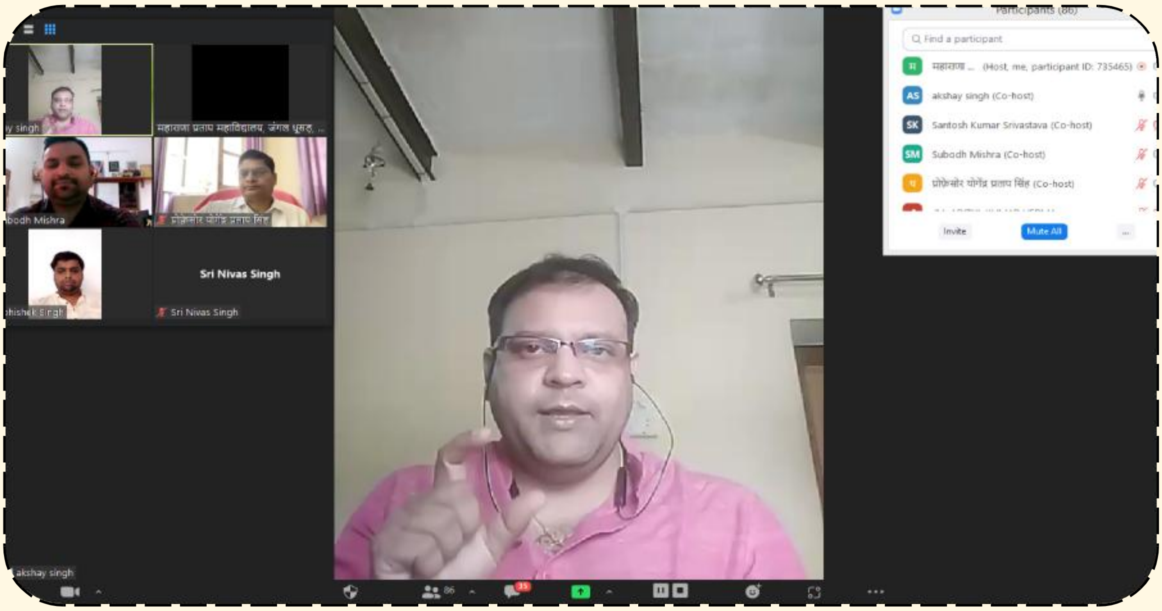

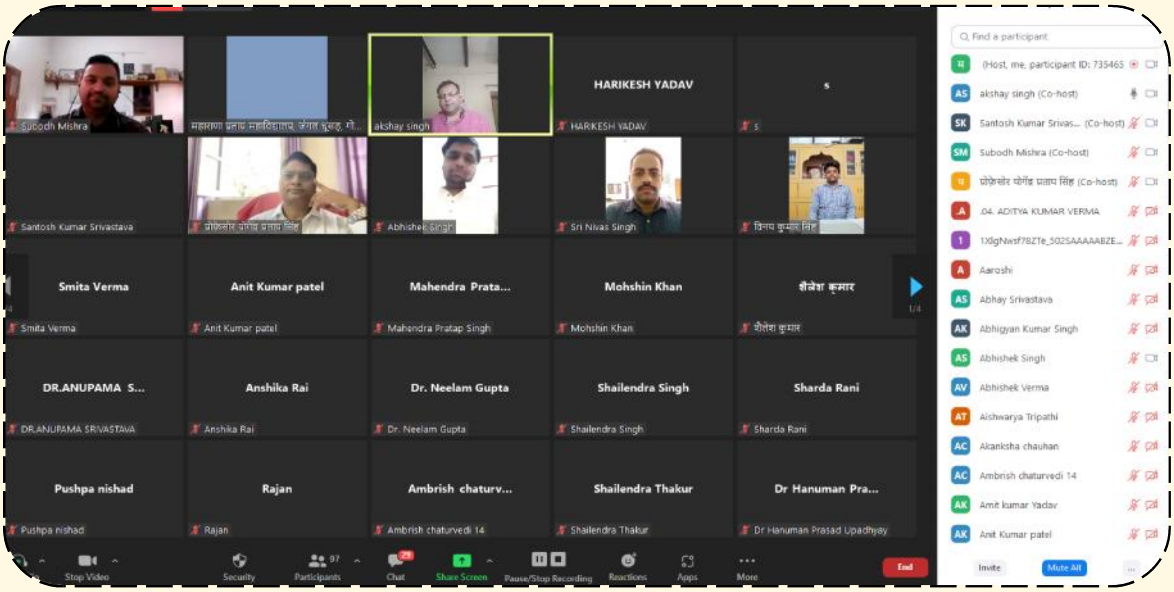

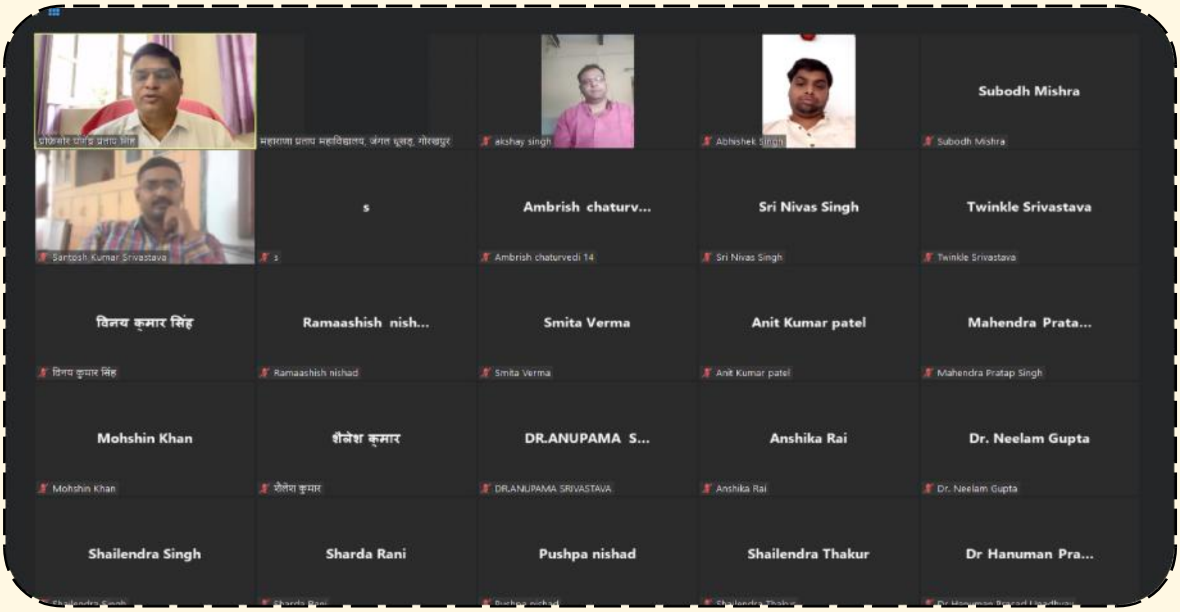

फिट इंडिया फ्रीडम रन

13 अगस्त, 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंर्तगत महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा फिट इण्डिया फ्रीडम रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित यह कार्यक्रम देश के युवाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की अनूठी पहल है जिसके द्वारा समाज का हर एक वर्ग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रह सकता है। जिससे वह समाज को विकास के रास्ते पर ले जा सकता है। उन्होने कहा कि जब तक युवा वर्ग पूरी तरीके से स्वस्थ्य नही होगा, तब तक वह कोई भी कार्य निपुणता के साथ नही कर सकता है। निश्चित रूप से देश का युवा इस कार्यक्रम से प्रेरित होकर सशक्त भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाईयों के स्वयंसेवक व शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना
2021

स्वतंत्रता दिवस

महाविद्यालय 15 अगस्त 2021 को अमृत महोत्सव (स्वतंत्रता के 75 वर्ष) के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम पूरे हर्षोल्लास के साथ कोविड–19 प्रोटोकाल का पूर्णतः पालन करते हुए उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दिग्विजयनाथ पी. जी. कालेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य **डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने कहा कि भारत भूमि हजारो वर्षो से बाह्य आक्रमणों के झझावतों से जूझती रही है, फिर भी भारतीय संस्कृति अपने जीजिविषा के चलते पराधीनता के लम्बे दौर के बावजूद आज भी मूल रूप में दृष्टिगत होती है। भारतभूमि को ब्रिटिश दासता से मुक्त कराने के लिए मां भारती के सपूतों ने लम्बी लड़ाई लड़ी। अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। अपने सतरंगी जीवन के स्वर्णिम बसन्तों को कालकोठरी एवं कालापानी के स्याह अंधियारों में खपा दिया। तब जाकर 15 अगस्त 1947 को भारत ने स्वतंत्रता का सूरज देखा। स्वतंत्रता का यह श्रेय उन सभी ज्ञात–अज्ञात व्यक्तियों को है, जिन्होंने स्वाधीनता के लिए हँसते–हँसते फाँसी का फन्दा चूम लिया। देश की स्वतंत्रता का श्रेय उन वीर सपूतों को है, जिन्होंने पराधीनता की गर्मी से झुलसे आजादी के पौधे को बचाने के लिए, उसे हरा–भरा रखने के लिए और उसे उत्तरोत्तर विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए अपने रगों में बहने वाले लहू के एक–एक कतरे से सींचा। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि देश के तत्कालीन नौजवानों ने इस सच्चाई को बहुत पहले ही समझ लिया था। निर्भीक और प्रसन्नचित्त होकर फाँसी के फन्दों को चूमते हुए नौजवानों के दिलों ने यह जरूर गाया होगा कि– **''सूख न जाए कहीं यह आजादी का पौधा, खून से अपने इसे इसलिए तर करते है''**। देश को आजाद कराने में इन नौजवानों की देन कम से कम उन नेताओं से कहीं ज्यादा

है जो सत्याग्रह कर जेल गए थे और पहले दरजे के कैदी की हैसियत से चार–छः महीने या एक–दो साल बिताकर वापस आ गए थे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि भारत ऋषि परम्परा का देश है। भारत को छोड़कर विश्व का ऐसा कोई भी समाज नही है जिसका सामाजिक सांस्कृतिक सातत्य उसके उद्‌भव से वर्तमान तक विद्यमान हो। भारत कभी भी पूर्णतः पराधीन नहीं रहा है। मंगल पाण्डेय, महारानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, कुँवर सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, चन्द्रशेखर आजाद, सुभाष चन्द्र बोस, मंगल सिंह, राजगुरू, सुखदेव, खुदीराम बोस, बाल गंगाधर तिलक महात्मा गांधी, सरदार बल्लभ भाई पटेल, वीर सावरकर आदि भारत माता के ऐसे वीर सपूत थे, जिन्होंने आजादी के लिए अपने जीवन का एक–एक क्षण तिल–तिल कर होम कर डाला। आज जब हम स्वतंत्रता दिवस का यह कार्यक्रम मना रहे हैं, तो यह हम सभी के लिए आत्म मूल्यांकन का भी दिन है। आज हमें पीछे की ओर मुड़कर यह अवश्य देखना होगा कि क्या हम भारत को स्वतंत्र कराने वाले ऐसे वीर सपूतों के सपनों के भारत का निर्माण कर पा रहे है? हमें अपने मन, वचन तथा कर्म से राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूति निश्चित करनी चाहिए, तभी आहिन्दुकुश समुद्रपर्यन्त भारत की अवधारणा वास्तविकता के धरातल पर संभव हो सकेंगी। कार्यक्रम में छात्र–संघ के प्रभारी **श्री नन्दन शर्मा** ने भी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए छात्र–संघ के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के कार्य में अपना योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें अर्पिता त्रिपाठी, पूजा यादव, ऋषभ सिंह, सत्यजीत कुमार शर्मा, तनु चौहान, काजल सिंह, शालिनी चौधरी, सुमित सिंह, अदिति सिंह, पूजा राय, अनिता निषाद, सोनी साहनी, सुधा आदि विद्यार्थियों ने सहभाग किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी श्री अमन सिंह एंव श्री शिवम सिंह ने किया।

महाविद्यालय,

आयोजित

आजादी के अमृत महोत्सव (स्वतंत्रता के 75 वर्ष) के अवसर पर
आयोजित

राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला उद्घाटन समारोह

23 अगस्त 2021 को **राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान–माला** के उद्घाटन अवसर पर आई.आई.टी.बी.एच.यू. के रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य **डॉ. वी. रामानाथन** नें कहा कि भारत के प्राचीन धर्मशास्त्रों एवं साहित्यों में ज्ञान विज्ञान, ज्योतिष–गणित, चिकित्सा–रसायन आदि के अथाह भण्डार संचित हैं। भारतीय मनीषियों ने अपने इन संचित ज्ञान भण्डारों का उपयोग समस्त मानव–जाति के लिए बिना किसी भेद–भाव के किया। इन्ही ऋषि महर्षियों के ज्ञान को आधार बना पश्चात्य जगत आज अपनी भौतिक उपलब्धियों पर इतराता है। उन उपलब्धियों को अपनी स्वयं की खोज बताता है। हमारा प्राचीन वैदिक ज्ञान चूँकि श्रुति आधारित था, इसलिए समय के साथ–साथ उसका अधिकांश हिस्सा समाज में विस्मृत कर दिया गया। यदि हमें आज विश्व सिर–मौर और विश्वगुरु बनना है, तो निश्चित रुप से हमें अपने प्राचीन ज्ञान की जड़ों को खोजना ही होगा। **'पास्कल से पूर्व पास्कल त्रिभुज'** विषय पर बोलते हुए उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान की जिस विधा में भारत ईसा की पूर्व शताब्दियों में ही सिद्ध–हस्त हो चुका था, उसी ज्ञान का उपयोग कर पाश्चात्य जगत ने 15वीं–16वीं शताब्दी में अपने को परिष्कृत कर अपनी श्रेष्ठवादिता का प्रवर्तन किया।**छन्दशास्त्र, ग्रन्थरत्नाकर, पिंगलछन्दशास्त्र, सुश्रुत संहिता, काशिकावृत्ति** इत्यादि ऐसे वैदिक साहित्य हैं, जिन्हे आधार बनाकर पाश्चात्य संस्कृतियों ने अपनी हनक स्थापित की। चूँकि भारत लम्बे समय तक विदेशी आधिपत्य में रहा, इसलिए भारतीय ज्ञान स्रोतों को बड़े पैमाने पर नष्ट किया गया।

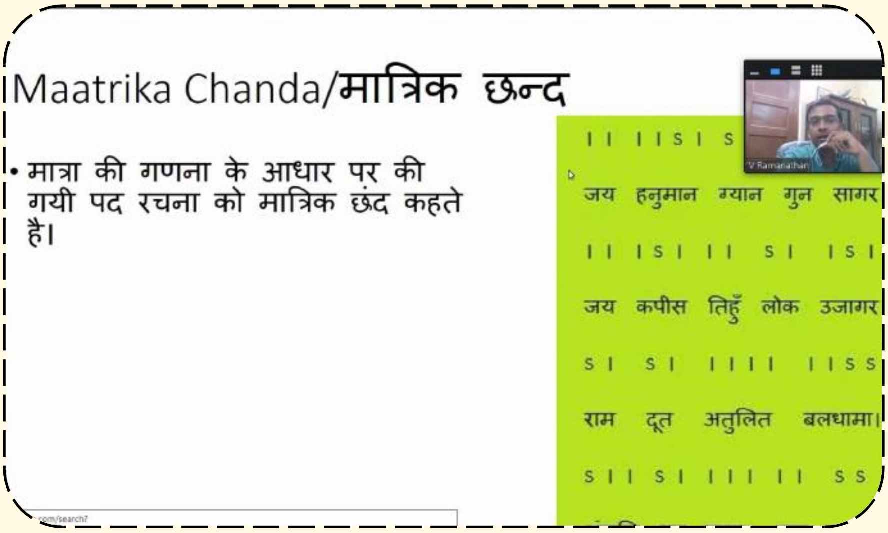

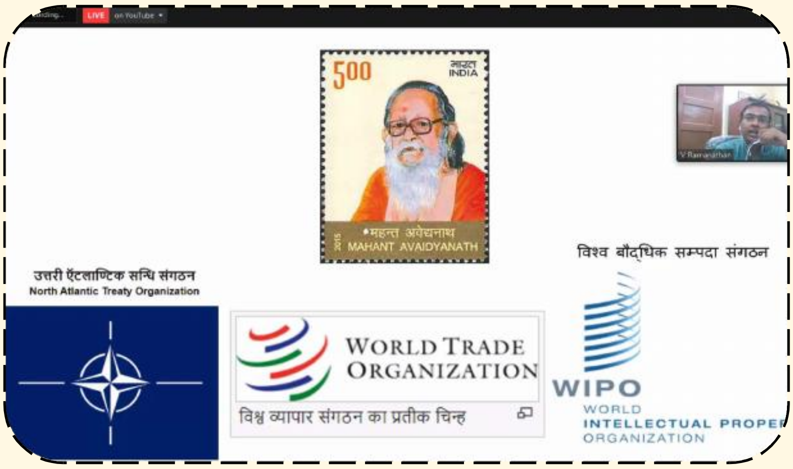

जिस ज्ञान का प्रतिपादन भारतीय विद्वानों ने किया। उसका श्रेय पाश्चात्य जगत के तथाकथित दार्शनिकों, विचारकों एवं विद्वानों ने लूट लिया। हम महर्षि पिंगल का ही उदाहरण लें, तो पायेंगे कि उनके द्वारा गणित, ज्योतिष, भाषा एवं व्याकरण के क्षेत्रों में जो सिद्धांत स्थापित किए गये आज की पीढ़ी उसके प्रतिपादक के रूप में पाश्चात्य विद्वान पास्कल को पढ़ती है। इससे बड़ा दुर्भाग्य इस देश का और क्या हो सकता है कि हमारी वर्तमान और आने वाली पीढ़ी अपनी पुरातनता, संस्कृति, परम्परा, पुरातन ज्ञान और दर्शन के विषय में अनभिज्ञ है। युवा पाश्चात्य संस्कृति की अंधी दौड़ में दौड़ रहा है और प्रौढ़ समाज जो अपने प्राचीन ज्ञान वैभव से वाकिफ है, वो आने वाली पीढ़ी में उन संस्कारों और ज्ञान के संवहन के प्रति उदासीन है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही **गुरुश्री गोरखनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग** की प्राचार्य **डॉ. अजीथा डी.एस.** ने कहा कि निःसन्देह हमारी पुरातन मेधा ज्ञान–प्रज्ञा युक्त थी। लोकमंगलकारिणी थी। मानवमात्र का कल्याण करने वाली थी, परन्तु आज का जो हमारा समाज है वह इन आदर्शों से विमुख हो चुका है। हमें भौतिक विकास की दौड़ में अपनी संस्कृति एवं परम्परा की डोर को पकड़कर दौड़ना होगा, तभी हम संस्कार युक्त विकसित सौर सभ्य भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने किया। जूम एप पर आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर गणित विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

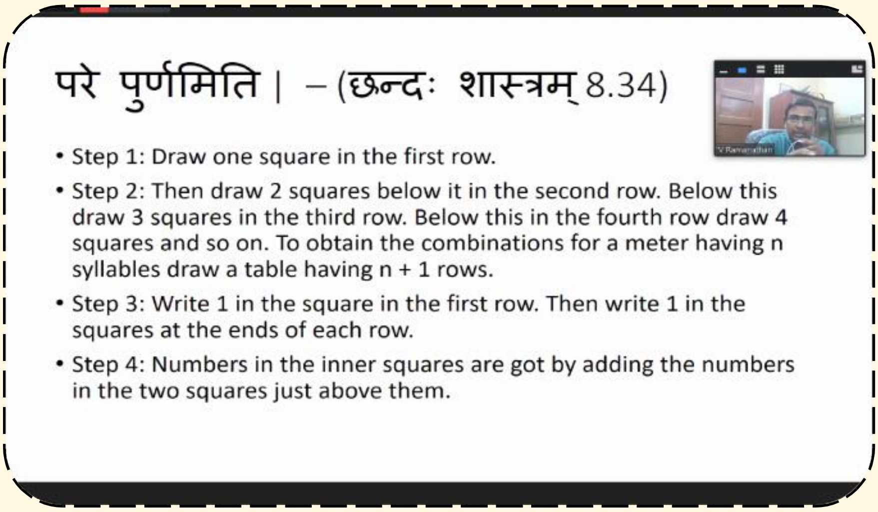

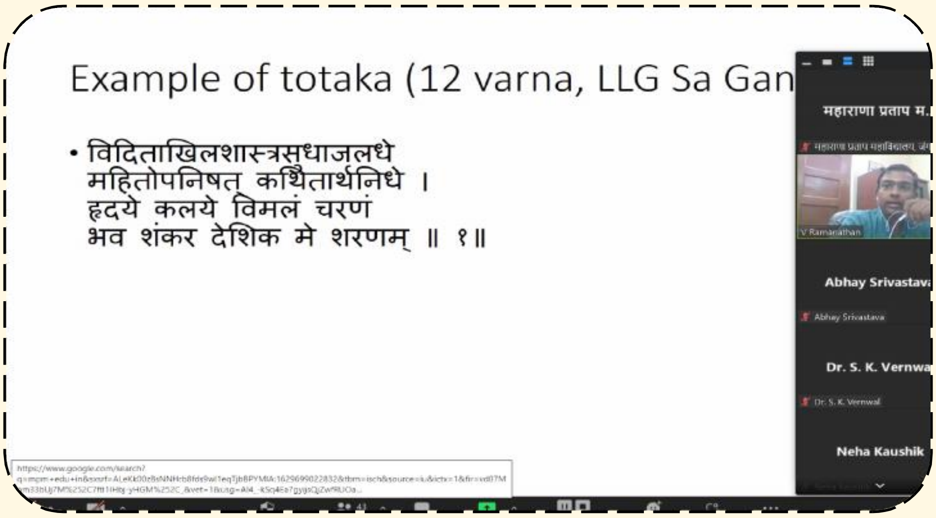

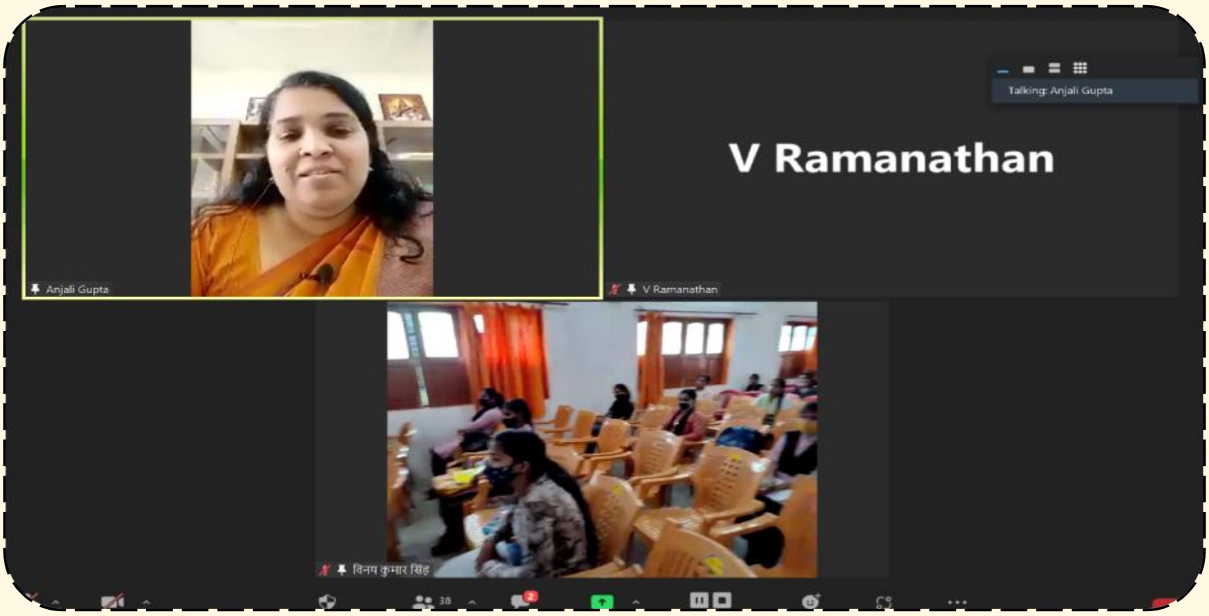
Talking: Anjali Gupta
V Ramanathan
Anjali Gupta
V Ramanathan
विनय कुमार सिंह

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का दूसरा दिन

24 अगस्त 2021 को **राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान माला** के **दूसरे दिन** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य **डॉ. गीता सिंह** ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि भारत अत्यन्त प्राचीन काल से ही एक कृषि प्रधान देश रहा है। वर्तमान समय में भी भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार स्तम्भ कृषि ही है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी यदि देखें तो हम पायेंगे कि विश्व में धान की कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य भारत (लहुरादेव) से ही मिला है। आज भारत में अत्यन्त ही वैज्ञानिक पद्धति से कृषि का विकास हो रहा है, किन्तु इसका एक स्याह पक्ष ये भी है कि कृषि में

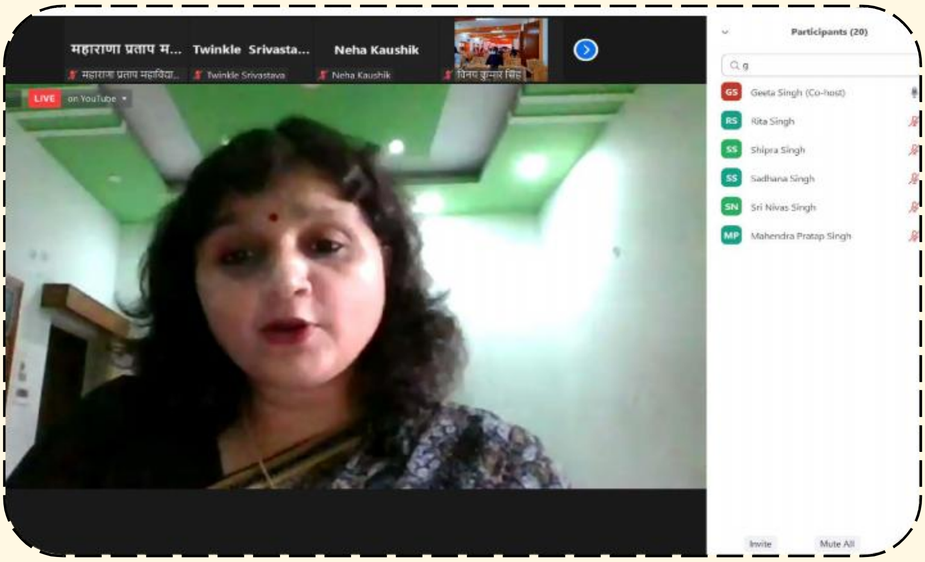

हानिकारक रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग भी लगातार बढ़ रहा है। ज्ञान एवं सही तकनीकी के अभाव में किसान असंतुलित मात्रा में कीटनाशकों का प्रयोग कर न सिर्फ अनाजों एवं खाद्य उत्पादों को दूषित कर रहे है, अपितु जैव विविधता एवं मृदा संतुलन को भी प्रभावित कर रहे हैं। अपने निर्धारित विषय **"पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में कृषि कीटनाशकों की भूमिका"** पर चर्चा करते हुए उन्होंने आगे कहा कि कृषि में कीटनाशकों के प्रयोग को नियंत्रित करने वाली संस्थाए अब पूरी सजगता के साथ इस बात की निगरानी कर रही हैं कि निर्धारित मात्रा से अधिक कीटनाशकों का प्रयोग कृषि कार्य में न होने पाए। कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से पर्यावरण एवं जैवविविधता की सुरक्षा की जाए। सरकार के साथ–साथ यह हम सभी का कर्त्तव्य

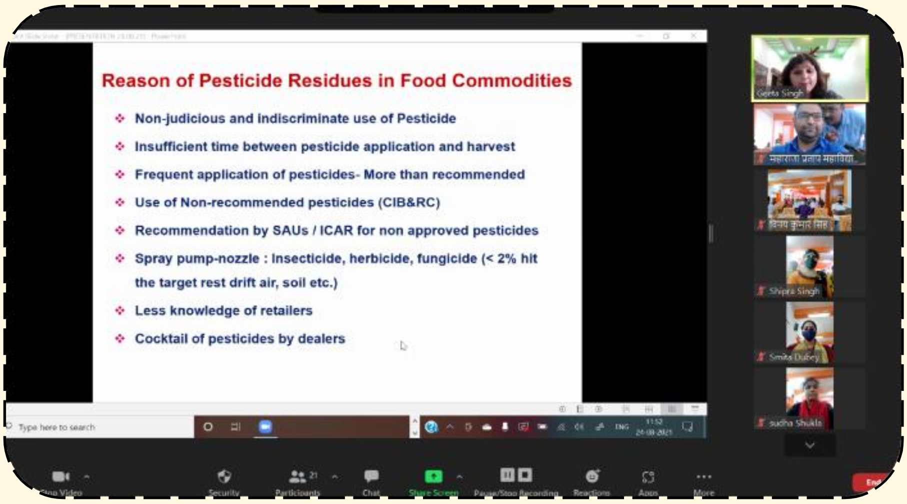

है कि अपने आस–पास के लोगों तथा छोटे–बड़े कृषकों को इस हेतु जागरूक करने के साथ–साथ आर्गेनिक कृषि हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के भूगोल विभाग के

अध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सर्वप्रथम हमें जन–जागरूकता के कार्यक्रमों को तीव्रता प्रदान करना होगा। किसानों को यह बात समझना ही होगा कि जैसे हमारी तबियत या सेहत खराब होती है तो हम विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श और उपचार कराते हैं, ठीक उसी प्रकार यदि हमारी खेती खराब होती है तो स्वयं चिकित्सक न बनकर उस हेतु भी हमें विशेषज्ञों से सलाह लेनी चाहिए। भारत सरकार की ओर से

जारी कृषि टोल फ्री नम्बरों पर विशेषज्ञ कृषि वैज्ञानिकों एवं सलाहकारों की सलाह लेकर अपनी कृषि पद्यति में प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने किया। जूम एप पर आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में

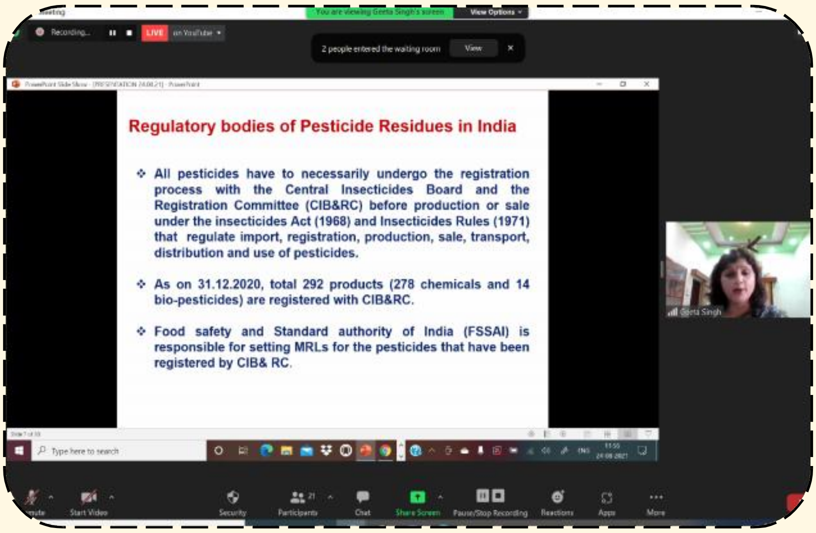

महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर रसायन विज्ञान, प्राचीन इतिहास और इतिहास विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

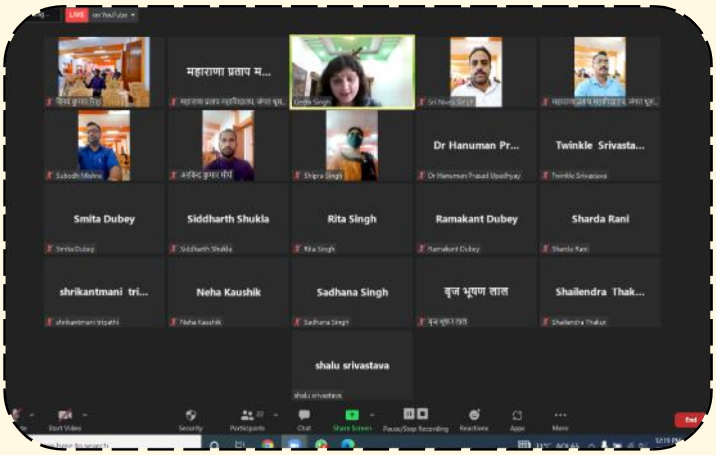

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का तीसरा दिन

25 अगस्त, 2021 राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान–माला के तीसरे दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के ललित एवं संगीत कला के पूर्व आचार्य भारत सरकार द्वारा **पद्मश्री विभूषित डॉ. राजेश्वर आचार्य** नें मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि संगीत सृष्टि के मूल से आबद्ध है। जब से सृष्टि है, तब से संगीत है। मानव जब नही था तब भी प्रकृति की गोद और पशु–पक्षियों के कलरव में संगीत प्रवाहमान था। संगीत मानव का ना सिर्फ मनोरंजन का अपितु आध्यात्मिक उत्कर्ष का भी साधन है। संगीत के बिना

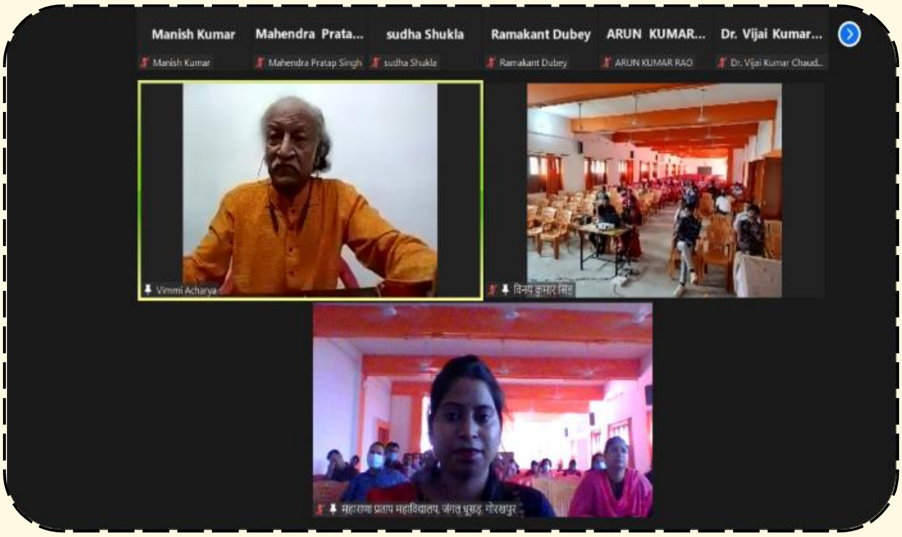

व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास सम्भव नहीं है। संगीत मनुष्य को शांती और प्रेरणा देता है। कर्णप्रिय संगीत शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। इतना ही नहीं जीवन की सफलता और सार्थकता में भी संगीत का योगदान महत्वपूर्ण है। अपनें निर्धारित विषय **"संगीत एवं आध्यात्म"** पर आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि संगीत एक साधना है। मानव जीवन का आध्यात्मिक उत्कर्ष काफी हद तक संगीत पर आश्रित है। संगीत से मनुष्य का झुकाव आध्यात्म की ओर सहजता से जाता है। वैदिक साहित्यों में भी आध्यात्मिक अनुष्ठानों के समय विविध प्रकार के संगीत गायन की परम्परा परिलक्षित होती है। पूरा का पूरा सामवेद जीवन के आध्यात्मिक

उत्थान में संगीत की भूमिका का प्रतिपादन करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** नें कहा कि मनुष्य को आज के तनाव भरे

परिवेश में मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा व चिंतन हेतु कर्णप्रिय व मधुर संगीत अवश्य सुनना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता **सुश्री दीप्ति गुप्ता** नें किया। इस अवसर पर **रसायन विज्ञान**, **प्राचीन इतिहास** और **इतिहास विभाग** के शिक्षकों और विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

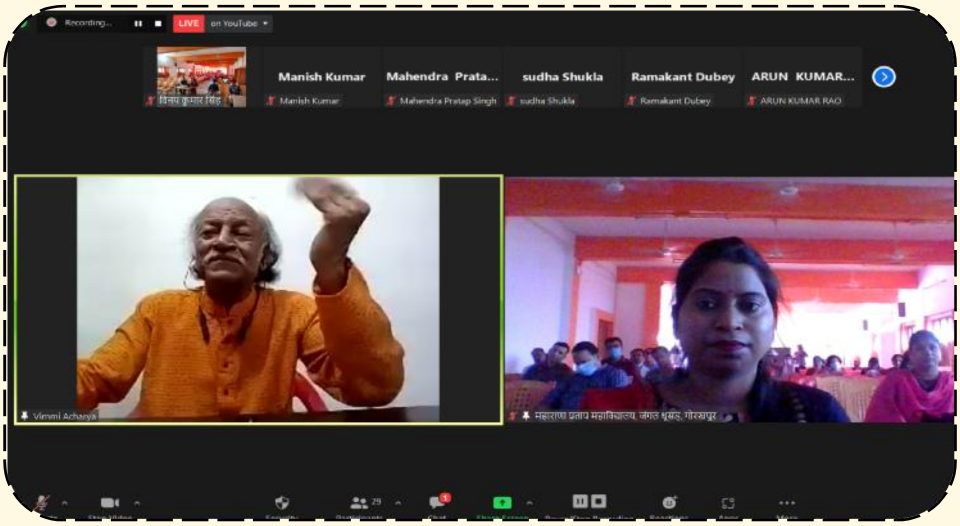

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का चौथा दिन

26 अगस्त, 2021 को **राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान–माला** के चौथे दिन **पुनरूत्थान विद्यापीठ गुजरात** की **कुलपति डॉ. इन्दूमति काटदरे** ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि किसी भी देश अथवा समाज की वास्तविक पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा पीढ़ी और देश के भविष्य में अन्योन्याश्रित सम्बन्ध होता है। यदि किसी देश अथवा समाज में युवाओं की आनुपातिक संख्या अधिक है, तो वह देश या समाज प्रगति एवं विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है। **युवा वायु के समान होता है। उसके अंदर असीमित ऊर्जा एवं रचनात्मकता का भंडार होता है।** युवा अगर चाहे तो वह स्वयं के विकास के साथ–साथ तद्‌युगीन समाज की धारा को परिवर्तित एवं नियंत्रित कर सकता है। इसके लिए यह आवश्यक है कि युवा स्वयं बुराइयों, दुर्गुणों, व्यसनों, अंधविश्वास एवं कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज को भी इन अवगुणों से निर्लिप्त रखनें का सतत प्रयास करे।

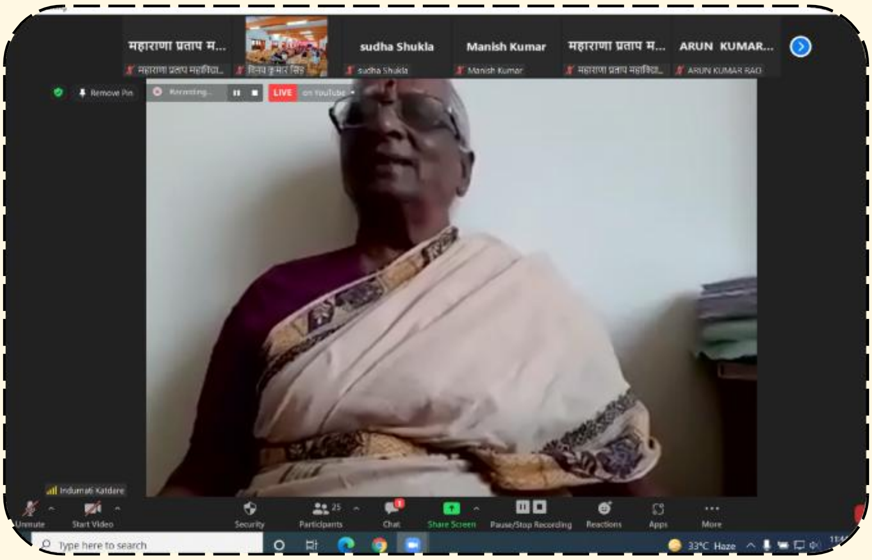

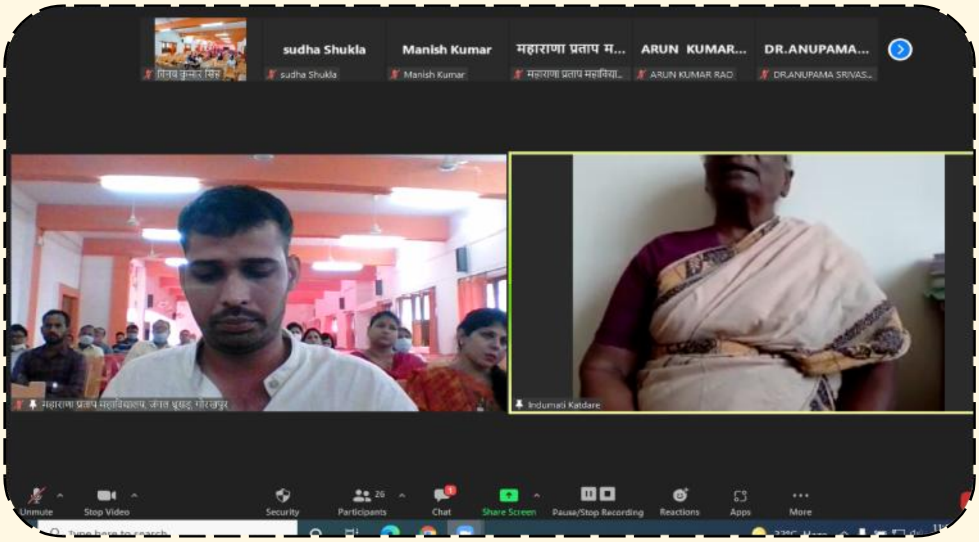

हर युवा को यह चाहिए कि वह यह माने की उसकी उम्र उसके जीवन का वह दौर है जिसमें वह अपने समाज और देश के लिए जो अच्छा चाहे, वह कर सकता है क्योंकि युवावस्था में ही व्यक्ति के पास वह जोश और जुनून होता है जिसका सकारात्मक पक्ष राष्ट्र निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करा सकता है। अपने निर्धारित विषय **'युवा अवस्था में जीवन विकास के सूत्र'** पर

आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि युवा अवस्था में व्यक्ति का सामाजिक परिवेश अत्यन्त विस्तृत एवं संवेदनशील हो जाता है। ऐसी स्थिति में अत्यन्त संयम एवं धीरज से युवाओं को अपने भावी जीवन के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए और समाज एवं राष्ट्र के उन्नयन में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती **शिप्रा सिंह** ने कहा कि युवाओं को अपनी प्राण शक्ति को जागृत कर उत्साह शक्ति के माध्यम से **स्व** के साथ **पर** की भी चिन्ता करनी चाहिए। युवावस्था में अपनी सृजनात्मक क्षमता के बल पर युवा कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद् के पूर्व अध्यक्ष **श्री मनीष त्रिपाठी** ने किया। जूम एप पर आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

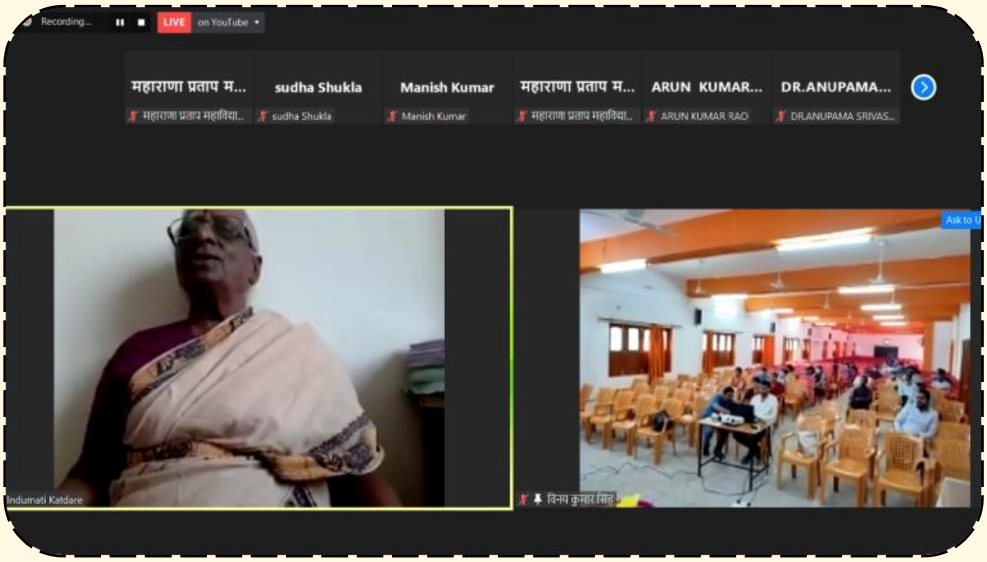

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का पांचवां दिन

27 अगस्त, 2021 को राष्ट्र **सन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान–माला** के पाँचवे दिन **केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सिक्किम** के **कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) डॉ. डी.वी. शेकटकर** नें मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र की सुरक्षा का समुच्चय ही राष्ट्रीय सुरक्षा कहलाता है। किसी भी देश का सामान्य नागरिक अगर सुरक्षित नही है, तो वह राष्ट्र भी सुरक्षित नहीं रह सकता। इसके ठीक विपरीत यदि राष्ट्र की सुरक्षा खतरे में हो तो, व्यक्ति की सुरक्षा भी सम्भव नही होती। अर्थात्

व्यक्ति एवं राष्ट्र की सुरक्षा के बीच अन्योन्यश्रित सम्बन्ध होता है। अपनें निर्धारित विषय, **''राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियॉं एवं सामाजिक दायित्व''** पर उद्‌बोधन देते हुए उन्होंने आगे कहा कि जो राष्ट्र या समाज अपने को जितना ही अधिक शक्तिशाली समझता है, उस राष्ट्र व समाज के समक्ष उतनी ही अधिक चुनौतियाँ भी होती हैं। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आज इसे हम अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के सन्दर्भ में भली प्रकार समझ सकते हैं। विश्व के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ बदलते वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ तेजी से बदल रही है। 19वीं शताब्दी सैन्य बल की शताब्दी थी तो 20वीं शताब्दी धन बल की शताब्दी थी। आज हम 21वीं सदी में रह रहे

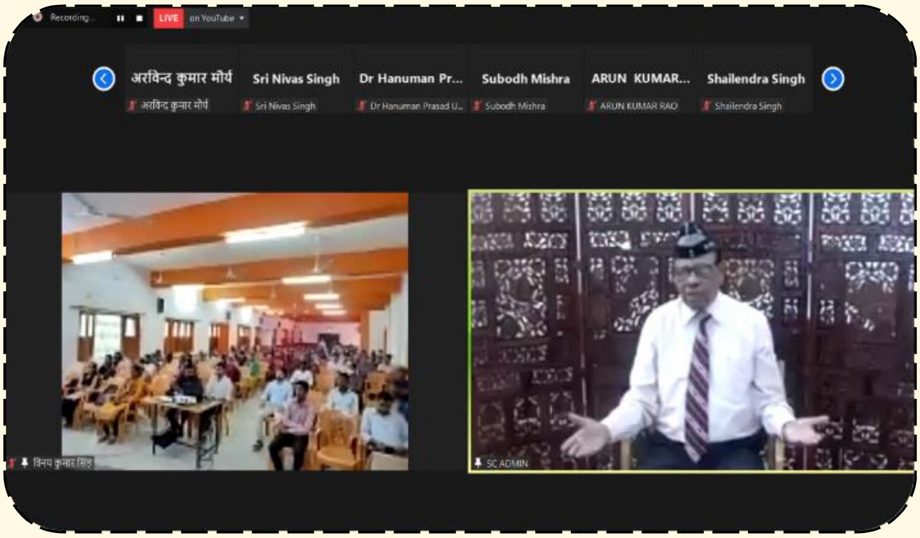

है और यह सदी ज्ञान–विज्ञान बल की सदी है। आज हम यदि अपने देश भारत के सन्दर्भ में देखें तो **आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, चीन एवं पाकिस्तान** जैसे आतंकवाद के पोषक पड़ोसी,

भ्रष्टाचार इत्यादि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष बड़ी चुनौतियों के रूप में हैं। आज वैश्विक स्तर पर बदलती भू–राजनैतिक स्थिति के मद्देनजर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियॉ भी बढ़ी रही हैं और जटिल भी हो रही हैं। सूचना सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से आज एक प्रमुख चुनौती है। इन चुनौतियों से लड़ना सिर्फ सेना और सरकार का कार्य नहीं है। देश का जिम्मेदार और जवाबदेह नागरिक होने के नाते यह हम सभी का प्रथम कर्तव्य है कि हम अपनें राष्ट्रीय सुरक्षा के निमित्त सेना और सरकार को अपना पूर्ण सहयोग दें। ऐसी परिस्थिति में शिक्षण संस्थानों की भी महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी बन जाती है कि वो राष्ट्रीय भावना एवं संस्कार से युक्त ऐसी नौजवानों की पीढ़ियों का निर्माण करें, जो राष्ट्रीय सुरक्षा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए **सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर** के राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. अविनाश प्रताप सिंह** ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए सामूहिक स्तर पर सम्पूर्ण समाज को आगे आना होगा। जब तक समाज जागरूकः शिक्षित, समर्थ एवं संतुष्ट नही होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष चुनौतियाँ बनी रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद् के पूर्व अध्यक्ष **श्री मनीष त्रिपाठी** ने किया। जूम एप पर आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर रक्षा अध्ययन एवं राजनीतिशास्त्र विषय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

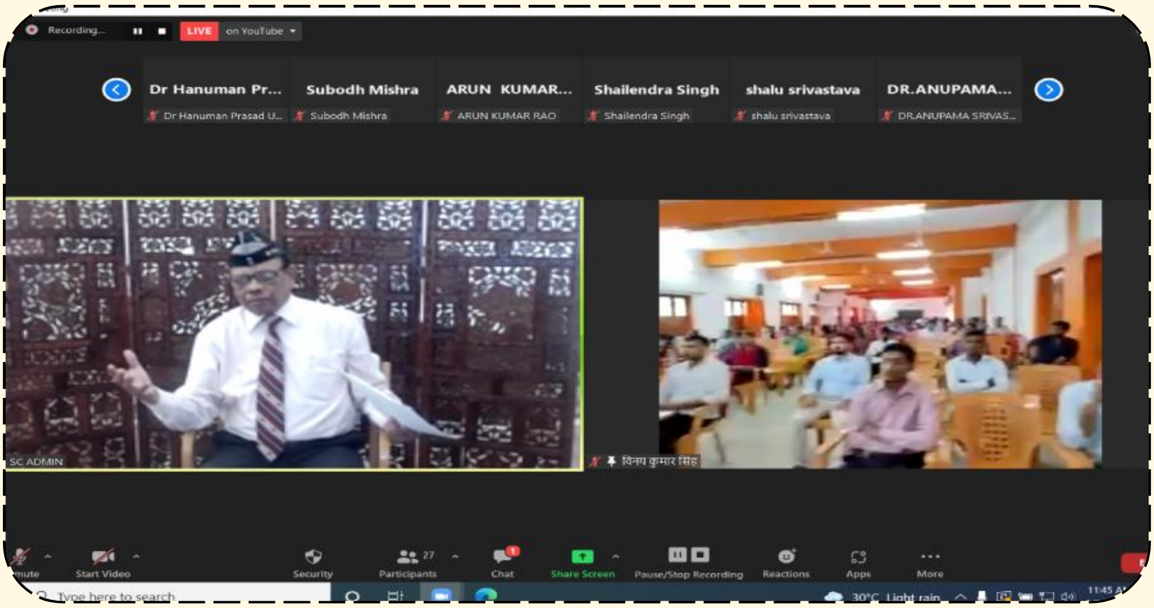
Recording...
LIVE on YouTube
Dr Hanuman Pr...
Subodh Mishra
ARUN KUMAR...
Shailendra Singh
shalu srivastava
DR.ANUPAMA...
SC ADMIN
विनय कुमार सिंह
Start Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
Apps
More

Remove Pin
Recording...
LIVE on YouTube
View

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का छठा दिन

28 अगस्त, 2021 **राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान माला** के छठवें दिन **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (D.R.D.O) के** वरिष्ठ वैज्ञानिक **डॉ. अनन्त नारायण भट्ट** ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि वर्तमान मानव सभ्यता के पिछले डेढ़ से दो वर्षो को कोरोना महामारी नें वैश्विक स्तर पर प्रभावित किया है। विश्व का शायद ही कोई ऐसा देश या भू–भाग बचा हो जो न्यूनाधिक रूप से इस महामारी से प्रभावित नहीं हुआ है। वैश्विक स्तर बड़ी संख्या में जनहानि एवं धनहानि हुई है, समस्त वैज्ञानिक प्रगति और चिकित्सकीय सुविधाऐं कोरोना के चरम अवस्था के समय बौनी पड़ गई थी। दुनियाँ भर के विकसित देश इस महामारी के आगे लाचार हो चुके थे। इसके बावजूद यदि हम वैश्विक आंकड़ों को देखें तो पाऐंगे कि प्रति दस लाख आबादी पर मृत्यु एवं संक्रमण दर भारत में सर्वाधिक कम रही है। **इसका कारण है, हम भारतीयों की मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता।** हमारी उच्च रोग प्रतिरोधक क्षमता प्राचीन काल से ही पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे समाज में स्थानान्तरित हुई है। **हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति विशुद्ध रूप से तर्क और विज्ञान पर आधारित थी।** प्राचीन काल में विविध प्रकार के महामारियों के प्रमाण मिलते है, जिनसे बचाव के उपायो से हमारे वैदिक वांग्मय भरे पड़े हैं। निर्धारित विषय **"कोविड–19 महामारी के लिए सुरक्षात्मक और चिकित्सकीय ज्ञान : प्राचीन वैदिक संस्कृति से आधुनिक विज्ञान तक"** पर उद्बोधन देते हुए उन्होंने आगे कहा कि भारत की प्राचीनतम सिन्धु घाटी सभ्यता के विनाश के कुछ कारणों में महामारी भी एक प्रमुख कारण थी। विश्व इतिहास का समग्र अध्ययन किया जाय तो हम पायेंगे कि कुछ निश्चित समयान्तरालों में वैश्विक स्तर पर महामारियाँ आती रहती है जिनसे समूचा विश्व प्रभावित होता है। **चेचक, कालाजार, हैजा,**

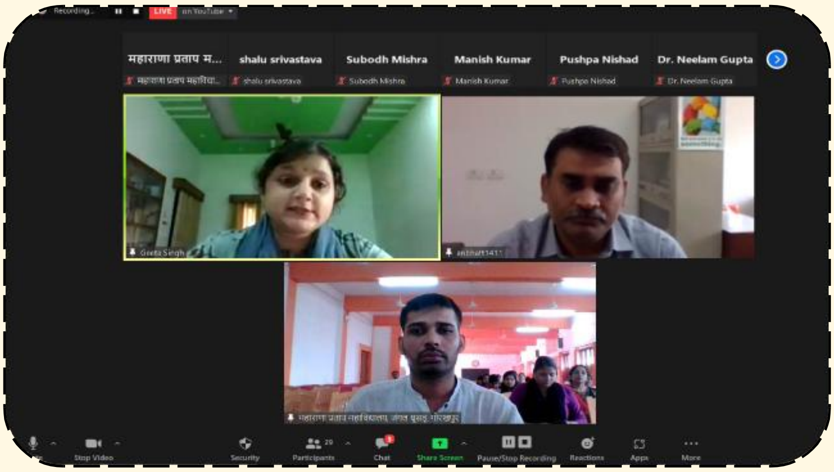

तपेदिक, पीतज्वार आदि अनेक ऐसी महामारियाँ है जिन्होंने समय–समय पर सम्पूर्ण विश्व पर अपना दुष्प्रभाव छोड़ा है। हमारे वैदिक साहित्यों में ऐसी महामारियों एवं उनसे बचाव के उपायों के प्रसंग भरे पड़े है। प्राचीन भारतीय मनीषीयों एवं चिकित्सकों ने प्रकृति प्रदत्त संसाधनो एवं अपने अनुभव जन्य ज्ञान के आधार पर उपरोक्त महामारियों से बचने के विशुद्ध तार्किक एवं वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धतियों की खोज की थी। इन्हीं प्राचीन ज्ञान एवं विधाओ के आधार पर नवीन चिकित्साशास्त्र ने विभिन्न बिमारियों से बचाव हेतु औषधियों एवं चिकित्सा प्रक्रियाओं की खोज की है। वर्तमान कोरोना वैश्विक महामारी के दौर में सम्पूर्ण विश्व आधुनिक औषधियों के साथ–साथ भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति का अपने दैनिक जीवन में समावेशन कर काफी हद तक अपने आपको कोरोना महामारी से सुरक्षित किया है। **नीम, गिलोय, आँवला, सर्पगंधा अश्वगंधा, शुन्ठी, ऐलोवेरा, तुलसी** आदि प्राकृतिक वनस्पतियों का सेवन आज पूरा विश्व कर रहा है। साथ ही **लौंग, काली मिर्च, अजवाईन, छोटी इलाइची, दालचीनी** जैसे भारतीय मसाले भी कोरोना के रोकथाम के लिए लाभदायक सिद्ध हुए हैं। **उन्होंने यह भी कहा कि खतरा अभी टला नहीं है।** जिस सतर्कता से हम सभी नें अभी तक कोरोना का मुकाबला किया है, वही सतर्कता हमें आगे भी दिखानी है। **सामाजिक दूरी, मास्क एवं सेनेटाइजर का प्रयोग यथावत करते रहना है। वैक्सीन अनिवार्यतः लेना है और दूसरों को भी इस हेतु प्रेरित करना है।** व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर** के **रसायनशास्त्र विभाग** की **सहायक आचार्य डॉ. गीता सिंह** ने कहा कि भारत ने महामारी के इस दौर में अपनी वास्तविक क्षमताओं का परिचय दिया है। **विश्व बन्धुत्व** एवं **वसुधैव कुटुम्बकम** की अपनी प्राचीन परम्परा का निर्वहन करते हुए कोरोना से बचाव के अपने वैक्सीन का निर्माण कर भारत ने न सिर्फ उसका उपयोग अपने नागरिकों के लिए किया है अपितु विश्व के अन्य देशों के सहायतार्थ उन्हें भी भेंट किया है। इस दौरान कार्यक्रम अध्यक्ष ने मुख्य वक्ता

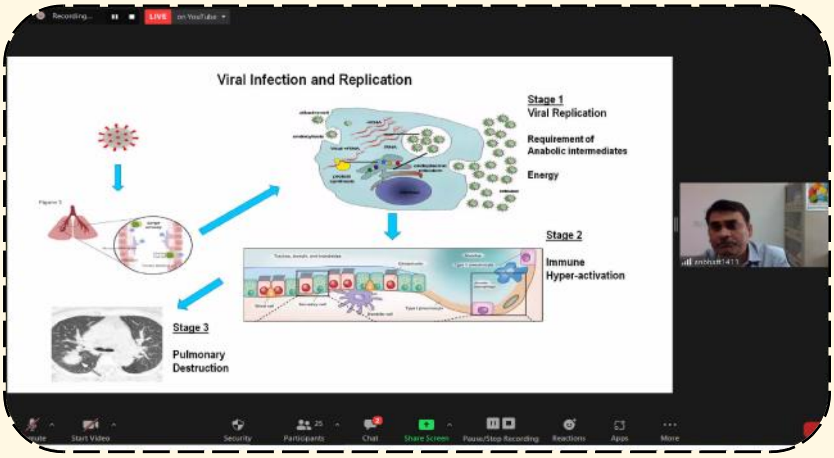

के रूप में उपस्थित **डॉ. अनन्त नारायण भट्ट को 2–डी.जी. दवा की खोज करने के लिए उन्हें एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।** कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद् के पूर्व अध्यक्ष **श्री मनीष त्रिपाठी** ने किया। जूम एप पर आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जीव विज्ञान विषय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

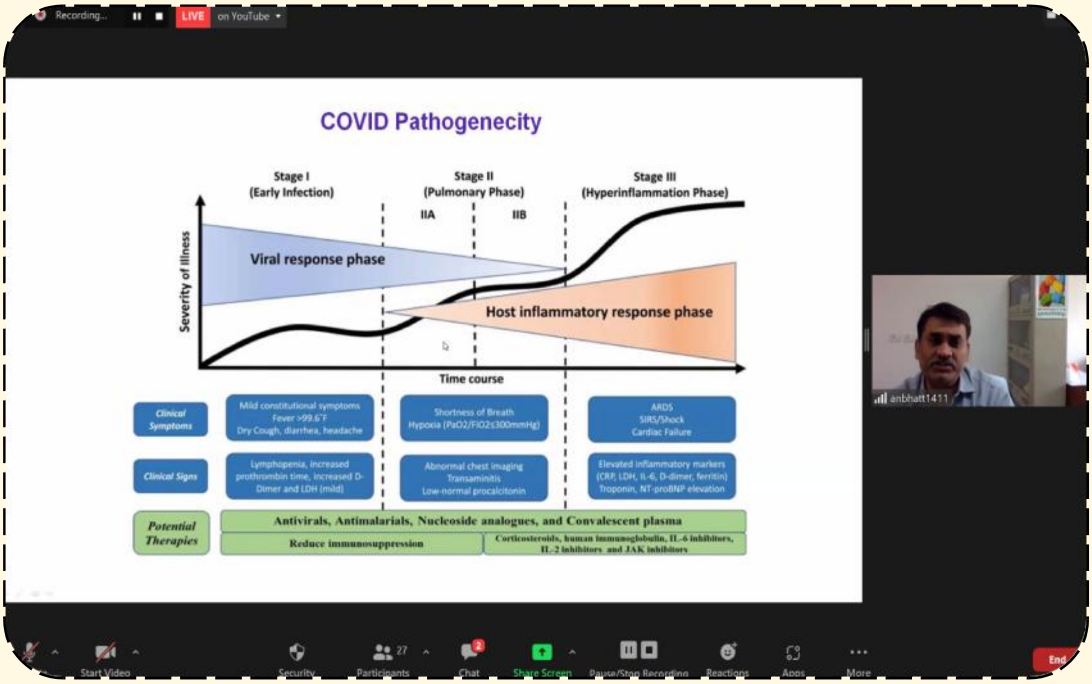

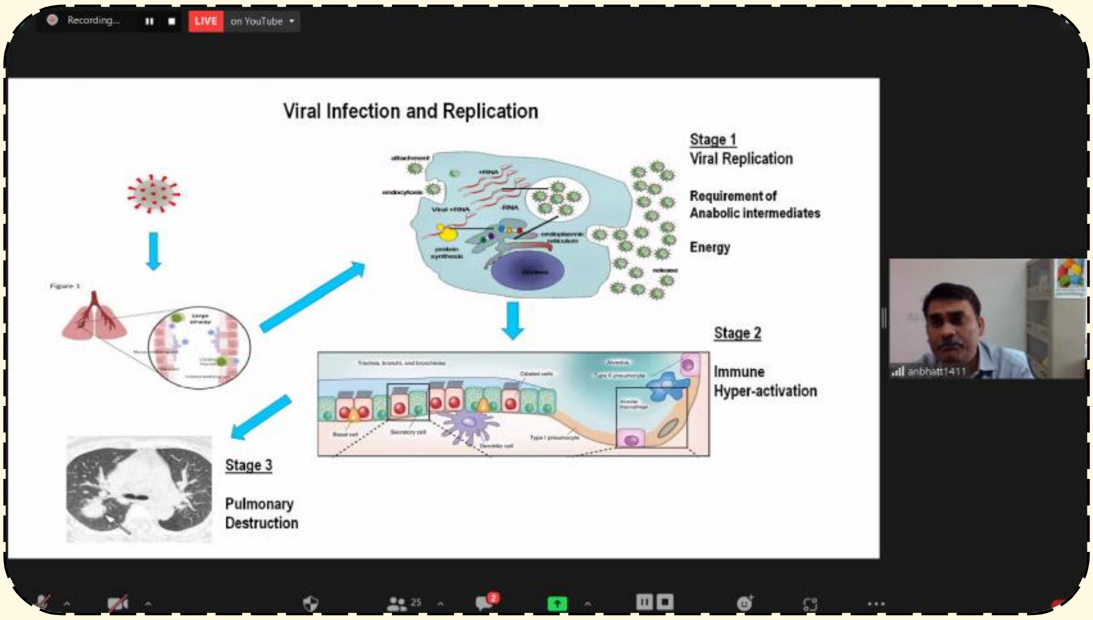
Recording...
LIVE on YouTube
Viral Infection and Replication
Stage 1
Viral Replication
Requirement of
Anabolic intermediates
Energy
Stage 2
Immune
Hyper-activation
Stage 3
Pulmonary
Destruction
anbhatt1411

Recording...
LIVE on YouTube
प्राचीन वैदिक सिद्धांत
दूषित
वायु
काल
जनपदोध्वंश
जल
देश
तृतीय अध्याय, विमानस्थान : चरक संहिता
anbhatt1411
Unmute
Start Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
Apps
More

Recording...
LIVE on YouTube
You are viewing anbhatt1411's screen
View Options
आयुर्वेदिक सिद्धान्त: बचाव एवं उपचार
तुलसी
गुडूची/ गिलोय
काली मिर्च
शुण्ठी
सर्पगंधा
आमला
महासुदर्शन काढ़ा/चूर्ण
जयमंगल रस
त्रिभुवन कीर्ति
श्वासारी
anbhatt1411

वैश्विक एवं भारतीय परिदृश्य
Deaths Reported Per 100 Confirmed Cases
Death per Million Population - Amongst the Lowest in the World

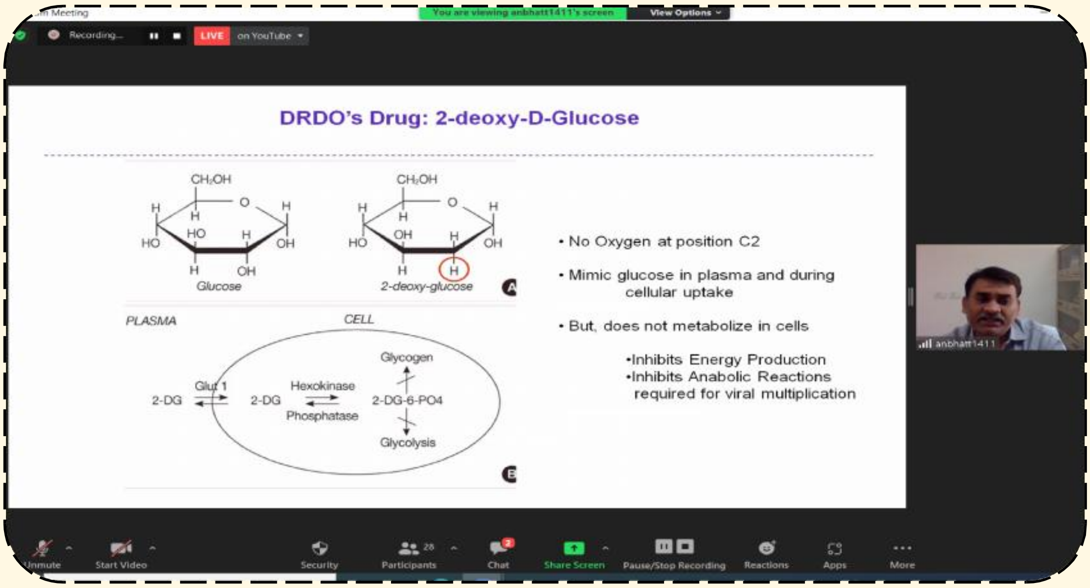
DRDO's Drug: 2-deoxy-D-Glucose
Glucose
2-deoxy-glucose
PLASMA
CELL
Glycogen
Hexokinase
Phosphatase
Glycolysis
• No Oxygen at position C2
• Mimic glucose in plasma and during cellular uptake
• But, does not metabolize in cells
•Inhibits Energy Production
•Inhibits Anabolic Reactions required for viral multiplication

वैदिक सिद्धान्त: स्वच्छता आधारित
नमस्ते=
नम:+ते

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का समापन समारोह

29 अगस्त, 2021 राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति दिवसीय व्याख्यान माला के समापन अवसर पर समर्थ शिक्षक–समर्थ भारत विषय पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के मौलिक विज्ञान विभाग के ख्यातिलब्ध आचार्य, पद्मश्री **प्रो. एच.सी.वर्मा** ने कहा कि समर्थ शिक्षक ही समर्थ राष्ट्र का निर्माता होता है। किसी भी देश का सर्वांगीण विकास बिना समर्थ शिक्षक एवं परिकृष्त शिक्षण व्यवस्था के बिना असंभव है। भारत अपनी सभ्यता के आरम्भिक काल से ही शिक्षा एवं शिक्षक को लेकर चिंतनशील रहा है। यही कारण है कि भारत अपनी संस्कृति के उषाकाल से ही ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में विश्व सिरमौर था।

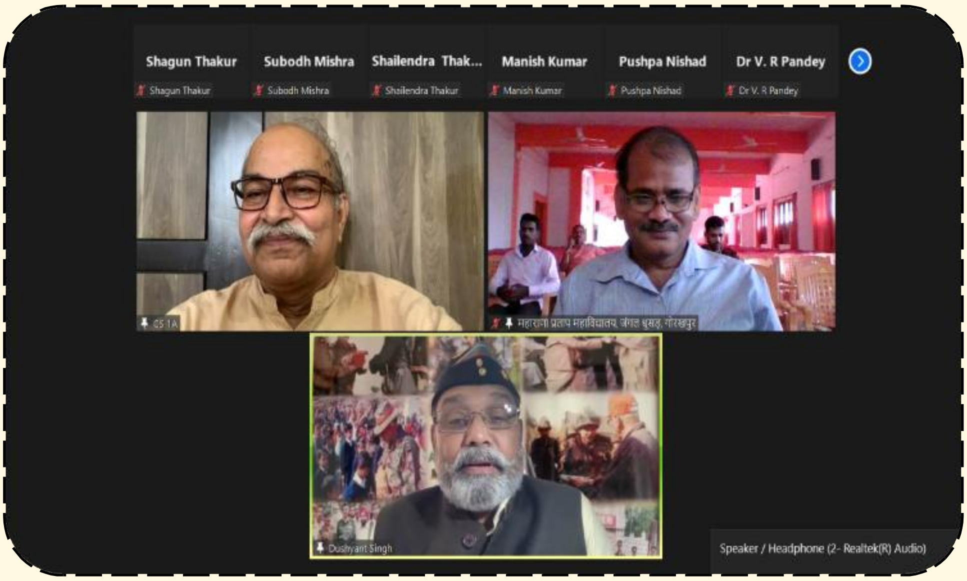

भारतीय मनीषियों नें इसी कारण से समाज के चतुर्दिक उत्थान एवं उन्नयन हेतु शिक्षा प्रणाली का विकास कियां इसी प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली नें भारतीय धरा – धाम पर ऐसे–ऐसे गुरु पैदा किए, जिन्होंने अपने गुरुतर ज्ञान से न सिर्फ भारत अपितु संपूर्ण विश्व को ज्ञान के प्रकाश से परिचित कराया। भारत को विज्ञान और तकनीक की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक भविष्य का निर्माता होता है। शिक्षक को पुरातन ज्ञान एवं परम्पराओं का सूत्र पकड़ते हुए अधुनातन ज्ञान–विज्ञान का संवाहक होना चाहिए। शिक्षक इतना सामर्थ्यशाली हो कि वह अपनें विद्यार्थियों में चुनौतियों को स्वीकार करने का आत्मविश्वास और साहस पैदा कर सके। यदि शिक्षक सामर्थ्यशाली नही होगा तो शिक्षण संस्थाओं और उसके साथ संपूर्ण देश का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। यदि

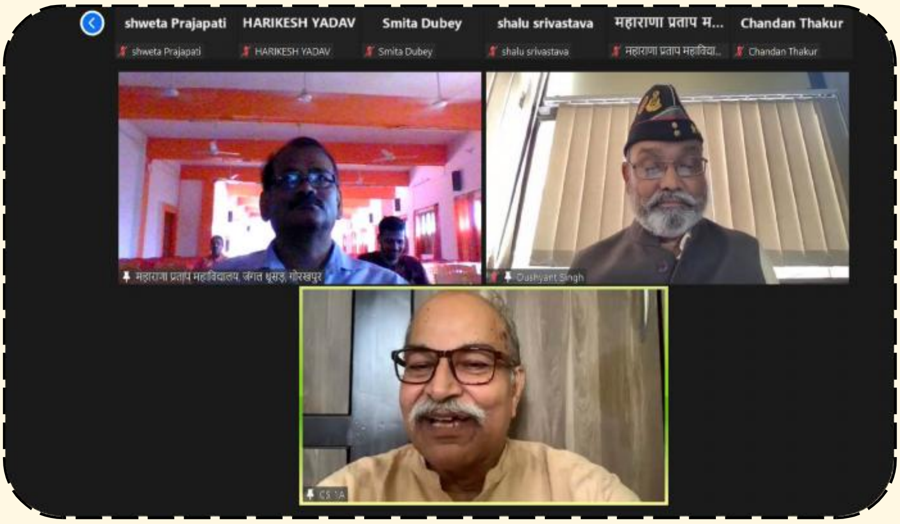

हमें चन्द्रगुप्त मौर्य, छत्रपति शिवाजी और विवेकानन्द जैसी पीढ़ियां पुनः पैदा करनी हैं, तो निःसन्देह चाणक्य, समर्थ गुरु रामदास और रामकृष्ण परमहंस जैसे गुरुओं को तैयार करना ही होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारतीय सेना से सेवानिवृत्त **लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह** ने कहा कि भारत को यदि समर्थ बनाना है तो निश्चित रूप से हमें युवाओं को सामर्थ्यशाली बनना होगा और युवाओं को सामर्थ्यशाली बनाने के लिए शिक्षक को सामर्थ्यवान होना पड़ेगा। दुनिया ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र मे तेजी से समृद्ध हो रही है ज्ञान–विज्ञान, कला–कौशल एवं शिक्षण–प्रशिक्षण की नई–नई विधाएं विकसित हो रही हैं, इसके बावजूद दुनिया कितनी भी विकसित क्यों न हो जाए, पठन–पाठन की सामाग्रियों एवं माध्यमों का कितना भी डिजिटलाइजेशन क्यों न हो जाए वह कक्षा एवं शिक्षक का विकल्प कभी नहीं बन सकता। शिक्षक को भी इस बात का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि उसके पास सदैव ज्ञान का कुछ ऐसा अंश उपलब्ध रहे जिसका विकल्प कुछ और न हो। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के भौतिकी विभाग के आचार्य **डॉ. शैलेन्द्र कुमार** ठाकुर ने किया। सप्ताह भर चलने वाली इस व्याख्यान माला में सहभाग करने वाले सभी अतिथियों एवं श्रोताओं का महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने आभार ज्ञापित किया। जूम एप पर आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मनोविज्ञान, भूगोल एवं प्राचीन इतिहास विषय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

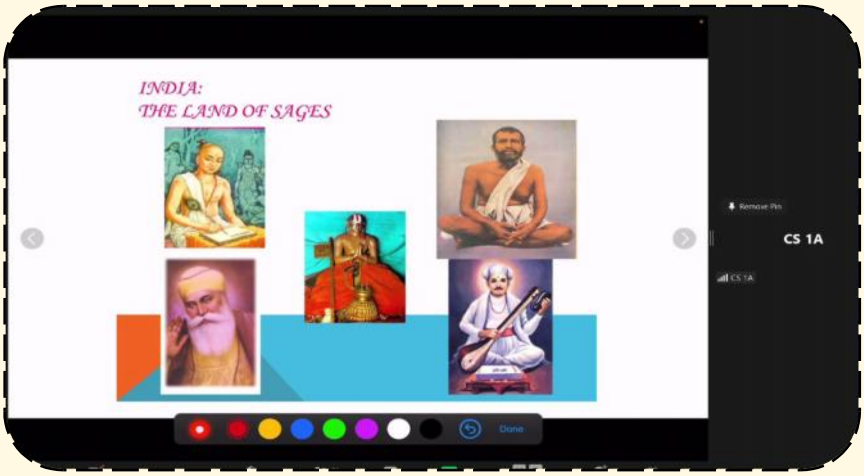

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** का **उद्घाटन कार्यक्रम** सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर छात्राओं को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के विषय में जानकारी देते हुए गृह–विज्ञान विभाग की प्रवक्ता **सुश्री स्मिता दूबे** ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के इतिहास के बारे में बताते हुए इस अभियान के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा छात्राओं को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के दौरान होन वाले साप्ताहिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने छात्राओं को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक किया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का उपयोग उन लोगों को जागरूक करने के लिए किया जाता है, जो पोषण सम्बन्धी तथ्यों से अवगत नही हैं और ज्ञान के अभाव में कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की सभी प्राध्यापिकाएँ एवं छात्राएँ व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर **सुश्री शारदा रानी** ने किया तथा कार्यक्रम के संयोजक के रूप में **सुश्री रितिका त्रिपाठी** ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।

01-07 सितम्बर 2021
THEME - FEEDING SMART START FROM RIGHT

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
01-07 सितम्बर 2021
THEME - FEEDING SMART START FROM RIGHT

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक मनाए जानें वाले **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत आयोजित **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के दूसरे दिन फोर्टिफाइड फ़ूड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न प्रकार के फोर्टिफाइड व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई और उन

व्यंजनों को बनाने की विधियों और उनके पोषक मूल्यों से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक तथा भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसी स्वच्छ एवं स्वस्थ प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राएं उचित पोषण के प्रति जागरूक होकर स्वयं अपने परिवार तथा समाज के स्वास्थ्य हित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं द्वारा छात्राओं का प्रायोगिक एवं व्यवहारिक ज्ञान बढ़ता है तथा उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है जिससे वो स्वस्थ्य समाज के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करेंगी। कार्यक्रम में निर्णायक मण्डल के रूप में भूगोल विभाग के अध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** एवं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में विभाग की सभी छात्राएं एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए. द्वितीय वर्ष की **दिव्या गुप्ता,** द्वितीय स्थान बी.ए. द्वितीय वर्ष की **शान्ति मौर्या** एवं तृतीय स्थान बी.ए. द्वितीय वर्ष की **अंजली तिवारी** ने प्राप्त किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष की **खूशबू निषाद** एवं एम.ए. अंतिम वर्ष की

शालू सिंह को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता **सुश्री शारदा रानी** ने सभी शिक्षकों का आभार ज्ञापन करते हुए समस्त प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया। कार्यक्रम का संचालन गृहविज्ञान विभाग सहायक आचार्य **डॉ. नेहा कौशिक** तथा संयोजन **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने किया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
01–07 सितम्बर 2021
FORTIFIED
FOOD
COMPETITION

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का तीसरा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक मनाए जानें वाले **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत आयोजित **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के तीसरे दिन **"कुपोषण मुक्त भारत"** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गंगोत्री देवी महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष **डॉ. अर्चना तिवारी** ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत में **01 से 06 वर्ष** के लगभग 60 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं, जिनको सुपोषित करना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने भारत में कुपोषण की वर्तमान स्थिति को बताते हुए कुपोषण के लक्षणों, इससे बचने के उपायों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने आगे कहा कि कुपोषण से बचाव के लिए प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों के लिए अलग–अलग आहारों की व्यवस्था है। व्यक्ति के शारीरिक विकास के दौर में अलग–अलग आयु वर्ग के दौरान अलग–अलग पोषण आहारो की आवश्यकता होती है। व्याख्यान के अन्त में छात्राओं के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर देते हुए मुख्य वक्ता नें शरीर में रक्त की महत्ता एवं कार्य के बारे में भी बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने कहा कि कुपोषण जैसी गम्भीर समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए बालिकाओं को शिक्षित और सुपोषित होना जरूरी है, तभी वह आगे चलकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करने में सक्षम हो सकेंगी। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री शारदा रानी ने** तथा संयोजन **सुश्री रीतिका त्रिपाठी** ने किया। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की सभी छात्राएं व राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी स्वयंसेविकाएं एवं महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का चौथा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना व गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के **चौथे दिन 'एनीमिया मुक्त भारत'** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मन्दिर महिला महाविद्यालय के गृह–विज्ञान विभाग की अध्यक्ष **डॉ. कनक मिश्रा** ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि एनीमिया अत्यन्त ही व्यापक रूप से प्रचलित भारतीय रोगों में से एक है। इस बीमारी में व्यक्ति की लाल रक्त कणिकाएँ सामान्य से कम हो जाती है, जिसके कारण खून के द्वारा शरीर के विभिन्न अंगो तक ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता कम हो जाती है, परिणामस्वरूप कई स्वास्थ्य समास्याएँ पैदा होती है। उन्होंने छात्राओं को बताया कि यह रोग सभी आयु के व्यक्तियो को होता है, परन्तु गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माता, शिशु तथा बच्चे इस रोग के शिकार बड़ी शीघ्रता से हो जाते है। उन्होंने एनीमिया के रोकथाम और उपचार के बारे में बताया तथा विशेष रूप से भोजन में प्रोटीन, लौह तत्व, विटामिन B12, फोलिक एसिड आदि को सम्मिलित करने के लिए कहा। कार्यक्रम के समापन पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उपस्थित **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन करते हुए समस्त उपस्थित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री रीतिका त्रिपाठी** ने तथा संयोजन **सुश्री स्मिता दूबे** ने किया। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की सभी छात्राएँ व राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी स्वयंसेविकाएं महाविद्यालय के सहायक आचार्य **डॉ. नेहा कौशिक, डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** एवं **सुश्री शारदा रानी** कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल उपस्थित रहे।

गृह विज्ञान विभाग
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
दिनांक 01 से 07 सितम्बर 2021
मुक्त भारत

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का पांचवां दिन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना व गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान के सप्तदिवसीय कार्यशाला के पांचवें दिन स्वास्थ्य सम्बधित विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री शारदा रानी** ने कहा कि अगर हमें स्वस्थ्य समाज का निर्माण करना है तो हमें बच्चों को सही खान–पान की व्यवस्था करनी होगी। अगर हम ऐसा नही कर सके तो हम विभिन्न प्रकार के बीमारियों से ग्रसित हो जायेंगे जिसके बाद हम स्वस्थ्य समाज का निर्माण नही कर सकेंगे। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग के सभी छात्राएं व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का छठा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के **छठे दिन 'राष्ट्रीय औषधीय उद्यान कार्यक्रम'** के तहत महाविद्यालय परिसर में औषधीय पौधों का रोपण करवाया गया जिसके अन्तर्गत छात्राओं ने तुलसी, नीम, पुदीना, अदरक, एलोवेरा, गिलोय, करीपत्ता, आंवला, ब्राह्मी, भृंगराज, लेमनग्रास आदि के पौधे एवं बीजों का रोपण किया। इस अवसर पर **भाषण प्रतियोगिता** का भी आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधो के आयुर्वेदिक गुणों से सभी को परिचित कराया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गृह–विज्ञान विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने कहा कि कोरोना काल में औषधीय पौधों का महत्व बढ़ गया है जो कि मानव शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदतगार साबित हुआ है। भाषण प्रतियोगिता में गृह विज्ञान व राष्ट्रीय सेवा योजना की 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान **अंकिता दूबे** (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान **दिव्या गुप्ता** (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान **कृति गौड़** (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री स्मिता दूबे, सुश्री रीतिका त्रिपाठी** एवं **सुश्री शारदा रानी** ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान की **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने तथा संयोजन **डॉ. नेहा कौशिक** ने किया।

दिनांक 01 से 07 सितम्बर 2021
राष्ट्रीय औषधीय उद्यान पौधरोपण कार्यक्रम एवं भाषण
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंग

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
दिनांक 01 से 07 सितम्बर 2021
राष्ट्रीय औषधीय उद्यान पौधरोपण कार्यक्रम एवं भाषण प्रतियोगिता
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का समापन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के **समापन** अवसर पर **'सही पोषण–देश रोशन'** विषय पर **कविता–पाठ प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया, जिसके तहत छात्राओं द्वारा पोषण एवं स्वास्थ्य पर कविताएं सुनायी गई। कविता–पाठ प्रतियोगिता में गृह विज्ञान की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान **निशा विश्वकर्मा** (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान **अम्बिका सिंह** (एम.ए. द्वितीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान **कृति गौंड** (बी.ए. तृतीय वर्ष) और सांत्वना पुरस्कार **पिंकी सिंह** (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल के रूप में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष **डॉ. आरती सिंह**, भूगोल विभाग की सहायक आचार्य **डॉ. नीलम गुप्ता** एवं गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **डॉ. नेहा कौशिक** ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सप्त दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने निर्णायक मण्डल के सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापन करते हुए छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन **सुश्री शारदा रानी** तथा संयोजन **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने किया। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की सेविकाएं उपस्थित रही।

गृह विज्ञान विभाग
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
दिनांक 01 से 07 सितम्बर 2021
सही पोषण देश रोशन कविता प्रतियोगिता
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान

04 सितम्बर, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **शिक्षक दिवस** की पूर्व संध्या पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की शिक्षाओं एवं विचारों को स्मरण करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए बी.एड्. विभाग की प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन समूचे विश्व को एक विद्यालय मानते थे। उनका मानना था कि शिक्षा के द्वारा ही मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जा सकता है। डॉ. राधाकृष्णन उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में उतारने की प्रेरणा अपने छात्रों को भी देते थे। वह जिस भी विषय को पढ़ाते थे, पहले स्वयं उसका अध्ययन करते थे। उसे जीवन में आत्मसात करते थे तत्पश्चात विद्यार्थियों को उस हेतु प्रेरणा देते थे। दर्शन जैसे गम्भीर विषय को भी वह अपनी शैली से सरस, रोचक और प्रिय बना देते थे। एक आदर्श शिक्षक के सभी गुण उनके व्यक्तित्व में समाहित थे इसलिए उनके जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते है। अपने उद्‌बोधन में आगे उन्होंने हाइब्रिड टीचिंग को बताते हुए कहा कि हम तकनीकी के युग में है, इसलिए हम सभी शिक्षकों के लिए यह आवश्यक होना चाहिए कि वह अपना शिक्षण केवल कक्षा तक सीमीत न रखकर उसे ऑनलाइन माध्यमों से संचालित करे और यह प्रयास करे कि कक्षा में किया गया उसका यह छोटा सा प्रयास ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँच सके। शिक्षक को अपनी श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए अपने ज्ञान का नवीनीकरण एवं उसके परिमार्जन की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्व साक्षरता दिवस

08 सितम्बर, 2021 विश्व में शिक्षा के महत्व को दर्शाने और समाज में व्यक्त को निरक्षरता को समाप्त करने के संकल्प के साथ 08 सितम्बर, 2022 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य **डॉ. अनुभा श्रीवास्तव** ने कहा कि बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में उन्नत मस्तिष्क और प्रखर मेधा ही राष्ट्र की पहचान और आधार है। शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ है। किसी भी देश की प्रगति उनके नागरिक की शिक्षा कि स्तर पर निर्भर करती है। साक्षर नही शिक्षित होना भारत की आवश्यकता है। दुनिया के अनेक देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व के शक्तिशाली तथा सामर्थ्यवान देशों में शुमार हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं समृद्ध समाज के निर्माण मे योगदान करना है। अब यह जिम्मेदारी विशेष रूप से आज के युवा पीढ़ी पर है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने किया।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मनाने का उद्देश्य स्वयंसेवकों में ओजोन संरक्षण के प्रति जागरूकता का भाव पैदा करना है। 16 सितम्बर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'विश्व ओजोन संरक्षण दिवस' के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव** ने अपने उद्बोधन में कहा कि **"भारतीय जीवन पद्धति के मूलतत्व ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय है।"** पर्यावरण में क्षरण मनुष्य के कर्मों का ही फल है। वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद और उपयोगवादी जीवन शैली ने जिस प्रकार से अन्धाधुन्ध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणाम स्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन के हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक संतुलन में

बिखराव आया है। मनुष्य कभी भी प्रकृति पर न तो विजय प्राप्त कर सकता है न तो उसे विखण्डित कर सकता है और न ही उसके मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह से समझ सकता है। तमाम अनवेंषणों और अनुसंधानों के माध्यम से प्राकृतिक नियमों के विपरीत आचारण एवं व्यवहार के कारण ही आज विश्व इस महासंकट को झेल रहा है। उसी पर्यावरणीय संकट में एक पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहे जाने वाला ओजोन परत का विखण्डन होना भी है। अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा श्री संजय जायसवाल ने कहा कि ओजोन परत की विरलता से न केवल तापमान में वृद्धि हो रही है, बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण भी है इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव–भू–जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भू क्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समय में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप

दुनिया झेल रही है। वही दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतिया बिन्द, चमड़ियों में झुरी पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट–फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। समय रहते इसको समझने और ठीक करने की अत्यन्त आवश्यकता है, वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहन करने को अक्षम होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी, स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रही।

युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महराज की पुण्यतिथि श्रद्धांजलि समारोह

23 सितम्बर, 2021 को महाविद्यालय में **परम्पूज्य युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं परम्पूज्य राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि** के अवसर पर आयोजित **श्रद्धांजलि सभा** को सम्बोधित करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग की आचार्य **प्रो. शोभा गौड़** ने कहा कि युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का व्यक्तित्व भारतीय मनीषी जगत के भव्य स्वरूप को प्रकट करता है। उनके व्यक्तित्व में उत्कृष्ट सनातन धर्म का साक्षात् दर्शन होता है। महन्तद्वय ने तत्कालीन समाज में व्याप्त अस्पृश्यता एवं अज्ञानता सम्बन्धित बुराईयों को समाप्त करने के लिए आन्दोलन प्रारम्भ किया, जिसने भारतीय समाज के साथ–साथ राजनीति को एक नयी दिशा दी एवं तथाकथित धर्म निरपेक्ष राजनीति के दूषित अवधारणा को परिमार्जित करते हुए धर्मनिष्ठ राजनीति को प्रतिष्ठापित किया। सामाजिक समरसता के मूलमंत्र से सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध अभियान छेड़कर हिन्दू समाज को एकता का पाठ पढ़ाया। महन्तद्वय का व्यक्तित्व किसी निष्क्रिय समाज निरपेक्ष एकांतिक साधक योगी का न होकर प्रखर सामाजिक–राजनीतिक विचारों वाले एक सक्रिय प्रयोगधर्मी क्रांतिकारी का था। एक विराट सामाजिक परियोजना के बहुआयामी मोर्चों पर एक साथ उनकी जीवन्त क्रियाशीलता विस्मय पैदा करती है। सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा से लेकर मानवता से उपेक्षित अपमानजनक अस्पृश्यता के प्रश्न तक फैला हुआ उनका जीवन–संग्राम आध्यात्म साधना और कर्मयोग का विलक्षण उदाहरण प्रस्तुत करता है। ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी के नेतृत्व में गोरक्षपीठ द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना एवं उसके अन्तर्गत विभिन्न शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थानों की परिकल्पना इस कर्मयोग का एक अनन्य गौरवशाली अध्याय

है। यदि भारतीय ऋषि परम्परा के वर्तमान वाहक गोरक्षपीठ की भाँति आगे बढ़कर सामाजिक सरोकार, विशेषकर शिक्षा जैसे राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य प्रारम्भ कर दें तो भारत पुनः विश्वगुरु की संकल्पना पूरित कर सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष **डॉ. रघुवीर नारायण सिंह** ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सामाजिक समरसता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के सर्वोत्कृष्ट साधक के रूप में अपनी जो पहचान बनाई है, वह वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा निरन्तर प्रज्जवलित किया जा रहा है। अस्पृश्यता रूपी ज्वार से टकराने का एक गौरवशाली इतिहास समकालीन गोरक्षपीठ का रहा है। **इसके इसी संघर्षपूर्ण वर्तमान की वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी।** श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. वेकट रमन पाण्डेय** ने कहा कि पुण्यतिथियाँ पुण्यआत्माओं की ही मनायी जाती है। पुण्यआत्मा कोई साधारण अर्थ वाला शब्द नहीं है, यह एक मूल्यवाची शब्द है जो महन्त दिग्विजयनाथ एवं महन्त अवेद्यनाथ जैसे तेजोदिप्त, संकल्पधर्मा, स्वप्नदर्शी और लौहराष्ट्रवादी व्यक्तित्व से जुडकर अर्थ सम्पन्न बन जाता है। महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज राष्ट्रनिर्माण में महिलाओं की भूमिका को भलीभाँति समझते थे इसी कारण महाराणा प्रताप शिक्षा परिशद् के अन्तर्गत न केवल शहरी क्षेत्र में बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में बालिकाओं के लिए शिक्षण संस्थाओं की श्रृखंला खड़ी करने की उनकी दिव्य दृष्टि उल्लेखनीय है। इस अवसर पर डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्री नन्दन शर्मा, डॉ. रामसहाय, डॉ. अभिषेक वर्मा, डॉ. अभय श्रीवास्तव, डॉ. मंजेश्वर, श्री संतोष कुमार, श्री अभिषेक वर्मा, डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, श्री रमाकान्त दूबे, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. शालू श्रीवास्तव, सुश्री श्वेता, सुश्री शारदा रानी, श्रीमती विभा सिंह आदि शिक्षक–शिक्षिकाओं के साथ महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी एंव कर्मचारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

शत् शत् नमन
युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज
राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज
की पावन स्मृति में आयोजित
पुण्यतिथि-श्रद्धांजलि समारोह
महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़,

शत् शत् नमन
युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज
राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज
की पावन स्मृति में आयोजित
पुण्यतिथि-श्रद्धांजलि समारोह
महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़,

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

24 सितम्बर, 2021 महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना ईमानदारी एवं सद्चरित्रता के गुणों के विकास पर बल देता है। आज युवाओं सहित हम सभी का आचरण पवित्र होना चाहिए। विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षा में खेल, कहानी एवं गीत को माध्यम बनाना चाहिए। अपने अतीत को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में पहले यह भी पढ़ाया जाता था कि स्वतन्त्र भारत का कोई भी नागरिक झूठ नहीं बोलेगा, बेईमानी नहीं करेगा, रिश्वत नहीं लेगा एवं ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जिससे भारत देश की स्वच्छ छवि धूमिल हो। किसी भी देश का निर्माण वहां की युवा शक्ति के हाथों में होती है, इसलिए किसी भी देश की युवा शक्ति को अपने राष्ट्र के निर्माण के लिए अपने हृदय को स्वच्छ बनाना होगा क्योंकि स्वच्छ हृदय से ही सशक्त चरित्र का निर्माण होता है। उन्होंने आगे कहा कि आदर्श भारत का निर्माण चरित्रवान युवा शक्ति से ही होगा। उन्नति के लिए युवाओं को ईमानदार एवं चरित्रवान होने के साथ–साथ देश को हिंसा मुक्त, भूख, नशा मुक्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य दिया। युवा पीढ़ी को उन्होंने स्वालम्बन, रोजगार एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से भारत को आत्म निर्भर भारत बनाने का संकल्प लेने को कहा। वर्तमान भारत में व्याप्त भ्रष्टाचार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने चरित्र निर्माण के लिए स्वअनुशासन की बात कही। एन.एस.एस. लेने का तात्पर्य उसका दो वर्षीय सदस्य बनना नहीं बल्कि यह जीवन भर का आदर्श है। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को एक फार्मूला दिया–एक घण्टा देह को देंगे और एक घण्टा देश को देंगे उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना में प्रति माह के लिए कार्य को बताते हुए कहा कि पहले रविवार को बौद्धिक कार्यक्रम, दूसरे रविवार की शाम सर्वधर्म प्रार्थना एवं तीसरे रविवार को खेल कूद आदि का आयोजन नियमित रूप से करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह के अन्तर्गत स्वच्छ भारत जनजागरण अभियान कार्यक्रम

महात्मा गांधी के 152वीं जयन्ती एवं भारत के पूर्व यशस्वी प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 120वीं जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय में **श्रद्धांजलि सभा** का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह** ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान पर प्रकाश डाला। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मंत्र से भारत को आजादी दिलाने का सार्थक प्रयास किया, जो भारत ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए अनुकरणीय है। महात्मा गांधी आजीवन अपने सिद्धान्तों और विचारों पर अडिग रहे। उनके इन्हीं आचरण के कारण रविन्द्रनाथ टैगोर ने **गांधी जी को महात्मा** की उपाधि दी और सुभाष चन्द्रबोस ने उन्हें **राष्ट्रपिता** कहकर सम्बोधित किया। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के विषय में बताते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि शास्त्री जी ने सादगी और अपने उच्च विचारों के साथ तत्कालीन परिस्थितियों में देश के जवानों और किसानों का आह्वान करते हुए **"जय जवान, जय किसान"** का नारा दिया। शिक्षाशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य **श्रीमती साधना सिंह** ने महात्मा गांधी द्वारा दी गयी शिक्षण विधियों के विषय में बताया। साथ ही महात्मा गांधी के दर्शन एवं चिंतन पर भी प्रकाश डाला। इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने महात्मा गाँधी के आन्दोलनों पर विस्तार से चर्चा की जिसमें उन्होंने बताया कि महात्मा गाँधी ने स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग, धार्मिक एकता, अस्पृश्यता का अन्त, अहिंसा आदि जीवनोपयोगी विषयों पर बल दिया।

चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी
एवं
पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री
के जयन्ती पर शत्-शत् नमम

चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी
एवं
पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री
के जयन्ती पर शत्-शत् नमम

चौरी-चौरा शताब्दी के वर्ष के अन्तर्गत
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी
एवं
पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री
के जयन्ती पर शत्-शत् नमम

चौरी-चौरा शताब्दी के वर्ष के अन्तर्गत
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी
एवं
पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री
के जयन्ती पर शत्-शत् नमम

वायु सेना दिवस पर व्याख्यान माला

08 अक्टूबर, 2021 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना दिवस के अवसर पर रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक सिंह ने उद्बोधन देते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना आज अपना 89वाँ स्थापना दिवस मना रही है। भारतीय वायुसेना ने अनेको बार अपने शौर्य और पराक्रम से भारत को गौरवान्वित किया है। वायु सीमा की सुरक्षा और विषम परिस्थितियों में हालात को संभालने की जिम्मेदारी भी भारतीय वायुसेना के जाबांजो के ऊपर है। 08 अक्टूबर, 1932 को भारतीय वायुसेना की स्थापना की गई थी। देश के आजाद होने से पहले वायुसेना को **रॉयल इंडियन एयर फोर्स (आरआईएएफ)** कहा जाता था। आजादी के बाद वायुसेना के नाम से ''रॉयल'' शब्द को हटाकर **''इंडियन एयरफोर्स''** कर दिया गया। आज भारतीय वायु सेना विश्व की चौथी सबसे ताकतवर वायु सेना है। राष्ट्र को भारतीय वायु सेना पर गर्व है जिसने शांति और युद्ध के दौरान बार–बार अपने शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। वायुसेना दिवस के मौके पर वायु योद्धाओं और उनके परिवारों को पूरा महाविद्यालय हार्दिक शुभकामनाएं ज्ञापित करता है। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आजाद हिन्द फौज स्थापना विशेष दिवस (एक दिवसीय व्याख्यान माला)

महाविद्यालय में दिनांक 21 अक्टूबर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें सर्वप्रथम प्रार्थना सभा के **अन्तर्गत आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस** के 77 वे वर्षगांठ के अवसर पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में **मनोविज्ञान विभाग** के सहायक आचार्य **डॉ. अमित त्रिपाठी** ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की स्वतन्त्रता में अनेको वीरो ने अपना योगदान दिया जिनमें नेता जी सुभाषचन्द्र बोस का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। नेताजी का एक ही उद्देश्य एवं मिशन भारत की आजादी था। माँ भारती को गुलामी की जंजीर से आजाद कराना उनकी विचारधारा थी और यही उनका कार्यक्षेत्र था। उन्हीं के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। आजादी की लड़ाई में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 21 अक्टूबर 1943 की नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने सिंगापुर में आजाद हिन्द फौज की कमान संभाली और आजाद हिन्द फौज की अस्थाई सरकार बनाई। देश की आजादी के लिए नेता जी और आजाद हिन्द फौज के सेनानियों के योगदान को हम नहीं भूल सकते। ऐसे जाबाज सेनानियो को महाविद्यालय परिवार शत्–शत् नमन करता है। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता

21 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आजाद हिन्द फौज के स्थापना दिवस के अवसर पर ''भारतीय स्वतंत्रता संग्राम'' विषय पर एक ''पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं में क्रमशः प्रथम स्थान **निक्की शर्मा**, द्वितीय स्थान **अंकिता निषाद** एवं तृतीय स्थान **अभिजीत गौड़** ने प्राप्त किया एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष से स्वयंसेवकों में से क्रमशः प्रथम स्थान **खुशबू प्रजापति**, द्वितीय स्थान दिलीप कुमार एवं तृतीय स्थान **सुधा** ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में **डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. नन्दन शर्मा, सुश्री श्वेता एवं श्री सिद्धार्थ शुक्ल** रहे। प्रतियोगिता का संयोजन **कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस के पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यशाला

30 अक्टूबर, 2021 को महाविद्यालय में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के तत्वावधान में प्रार्थना सभा में **सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती** मनायी गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षा संकाय की सह–आचार्य **सुश्री दीप्ती गुप्ता** ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे देश की अंतर्निहित ताकत और लचीलापन को फिर से जोड़ने, एकता और अखंडता के लिए वास्तविक और संभावित खतरो का सामना करने का अवसर और हमारे देश की सुरक्षा प्रदान करेगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को देश की एकता एवं अखण्डता का बनाए रखने के लिए शपथ भी दिलाया गया।

भाषण प्रतियोगिता

16 नवम्बर, 2021 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय **सामाजिक समरसता एवं संविधान** था। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर **श्री विनय कुमार सिंह** ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संविधान हमारा मार्ग दर्शक है। स्वयंसेवकों को संविधान के अनुरूप ही अपने व्यक्तित्व निर्माण करना चाहिए। राष्ट्र निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का होता है। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान पर **ज्ञानेन्द्र पाण्डेय** बी.ए. भाग दो, द्वितीय स्थान पर **राहुल यादव** बी.ए. भाग तीन, तृतीय स्थान **रितेश सिंह** बी.काम. भाग दो एवं ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में श्री विनय कुमार सिंह, **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान

22 नवम्बर, 2022 महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता एवं पंजीकरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षकों को मतदाता के रूप में उनके राष्ट्रीय दायित्वों का बोध कराया। साथ ही साथ मतदाता के रूप में विद्यार्थियों को स्वस्थ्य एवं मजबूत लोकतंत्र के निर्माण हेतु अनिवार्यतः मतदान के लिए शपथ दिलवाकर प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृज भूषण लाल** ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Camera

uad Camera
axy M31

Camera

संविधान दिवस : विशिष्ट व्याख्यान

26 नवम्बर, 2021 को संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **"भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय"** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों को भारतीय संविधान की मूल विशेषताओं की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. सुधा शुक्ला** ने अपने उद्बोधन में कहा कि आम जनमानस को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है, जिससे वे राष्ट्रीय एकता, अखण्डता सामाजिक न्याय, एवं कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। संविधान सामाजिक न्याय का मूल आधार है। न्याय की स्वतंत्रता और रक्षा के लिए भारतीय संविधान निर्माताओं नें न्यायपालिका की स्वंतत्रता पर विशेष बल दिया है। संविधान की उद्देशिका में सभी नागरिकों को न्याय का आश्वासन दिया गया है। न्याय का अर्थ है–व्यक्तिओं के परस्पर हितों, समूहों के परस्पर हितों के बीच और एक दूसरे के बीच सांमजस्य स्थापित हो। न्याय की संकल्पना वस्तुतः आति व्यापक है। यह केवल संकीर्ण कानूनी न्याय तक सीमित नहीं, जो न्यायलयों द्वारा दिया जाता है। इसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सभी तरह के न्याय के महत्व दिया गया है। सामाजिक न्याय से अभिप्राय है कि मानव–मानव के बीच में जाति, वर्ण के आधार पर भेद न माना जाए और प्रत्येक नागरिक को उन्नति के समुचित अवसर सुलभ हों आर्थिक न्याय से अभिप्राय है कि उत्पादन एवं वितरण के साधनों का न्यायोचित वितरण हो और धन सम्पदा का केवल कुछ ही हाथों में केन्द्रीकरण न हो जाए। राजनीतिक न्याय का अभिप्राय है कि राज्य के अन्तर्गत समस्त नागरिकों को समान रूप से नागरिक और राजनीतिक अधिकार प्राप्त हों। संविधान की प्रस्तावना में उपबंधित न्याय के विचार से लोक कल्याणकारी राज्य का विचार दृष्टिगोचर होता है और नागरिकों को अन्य क्षेत्रों में न्याय का आश्वासन भी दिया गया है। आज की युवा पीढ़ी को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है। युवा पीढ़ी राष्ट्र एवं समाज के निमार्ण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी बृजभूषण लाल ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

सप्ताहिक योग कार्यशाला

27 नवम्बर, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला स्वयंसेवकों ने योग प्राणायाम के विभिन्न आसनो को सीखा। योगकार्यशाला में योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल** ने अनुलोम–विलोम, कपालभांति, भ्रस्तिका, भ्रामरी, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस

01 दिसम्बर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में एड्स निवारण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से अभिग्रहित गांव तक जनजागरण रैली निकाली गई। इस रैली में स्वयं सेवकों ने तख्ती, बैनर, पोस्टर के माध्यम से गांव वालों को एड्स जैसी घातक बिमारी से बचाव के लिए जागरूक करने का प्रयास किया। साथ ही इस बिमारी से सम्बन्धित भ्रान्तियों को भी दूर भगाने एवं संक्रमण के माध्यम के सन्दर्भ में जन जागरूकता फैलाने का कार्य किया। स्वयंसेवकों ने एड्स से बचाव के विभिन्न उपायों (जैसे संक्रमित सुई का प्रयोग न करना, असुरक्षित यौन सम्बन्ध न बनाना इत्यादि) को ग्रामवासियों को बताया। स्वयंसेवकों द्वारा इस अवसर पर गांव में एड्स से बचाव पर

एक नुक्कड़–नाटक प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने नुक्कड़–नाटक के माध्यम से बताया कि जागरूकता के अभाव में एड्स जैसे गम्भीर बीमारी भयानक रूप ले रही है। अगर व्यक्ति थोड़ा जागरूक और सचेत हो जाय तो इस भयंकर बीमारी से बचा जा सकता है और विश्व समुदाय को भी इससे बचाया जा सकता है। रैली एवं जनजागरूकता अभियान के पूर्व एक परिचर्चा का कार्यक्रम आयोजित कर स्वयंसेवको को एड्स से बचाव के उपयों कों अधिक लोगो तक पहुंचाने का आवह्न किया गया। परिचर्चा में स्वयंसेवक की 10–10 सदस्यों की टोलियों द्वारा अपने टोली की तरफ से विचार रखे गये। इस अभियान में महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह एवं श्री बृजभूषण लाल** उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वयंसेवकों के द्वारा अभिगृहित ग्राम म श्रमदान भी किया गया।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

02 दिसम्बर 2021 को आयोजित **राष्ट्रीय प्रदूषण नियत्रण दिवस** के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **''औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियत्रण''** विषय पर विशिष्ट व्याख्या कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलाना तथा प्रदूषण रोकने के लिए प्रयास करना था। कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवको को उद्योगों के कारण बढ़ रहे वायु, जल, मृदा, ध्वनि प्रदूषण एवं औद्योगिक आपदाओं के प्रति सचेत एवं जागरूक किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भूगोल विभाग की आचार्य **डॉ. शालू श्रीवास्तव** ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''आज का युग विज्ञान का युग है'' विज्ञान ने जहां एक ओर मनुष्य क लिए सुख–सुविधाओं के साधन जुटाएं है और अनेक समस्याओं का समाधान किया है, वही दूसरी ओर इन आविष्कारों द्वारा अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई है। आज के औद्योगिक युग में संयन्त्रों, मोटर वाहनों कल कारखानों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है। विभिन्न आविष्कारों के कारण हमारी पूरी धरती का वातावरण दूषित हो गया है। इन उद्योगों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ एवं रसायनों से जल, वायु एवं मृदा प्रदूषित हो रही है, जिससे पेड़ पौधे, जीव–जन्तु मनुष्य पर घातक प्रभाव पड़ रहा है। प्रदूषण के कारण विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों में वृद्धि हो रही है। **भोपाल गैस त्रासदी** विश्व की भीषण औद्योगिक आपदाओं में से एक है जहां **1984 में 2/3 दिसम्बर** की रात भोपाल शहर में स्थित **यूनियन कार्बाइड** के रसायनिक संयत्र से जहरीला रसायन जिसे मिथाइल **आइसोसाइनेट (एम.आई.सी)** के रूप में जाना जाता है के साथ–साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हजारो लोगों की मृत्यु हो गयी थी। इसे पूरे विश्व इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। आज विश्व समुदाय को भविष्य में इस प्रकार की औद्योगिक आपदा न हो इसके लिए सचेत, जागरूक एवं गम्भीर निवारण उपायों की आवश्यकता है। विश्व समुदाय द्वारा प्रदूषण रोकने के लिए नीति नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ जागरूकता के प्रयास किये जाएं। औद्योगिक उन्नति एवं प्रगति की सार्थकता इसी में है कि मनुष्य सुखी, स्वस्थ एवं सम्पन्न बने रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रकृति को सहज रूप से अपना कार्य करने का अवसर दिया जाय। कार्यक्रम में स्वयंसेवक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, बृजेश कुमार चौहान, राहुल यादव, रितेश सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन **श्री बृजभूषण लाल** ने किया एवं आभार ज्ञापन **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस
प्रार्थना सभा

जनजागरण रैली

04 दिसम्बर 2021 को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय खेल, युवा, सूचना और प्रसारण मंत्री **श्री अनुराग ठाकुर** उपस्थित रहे। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा विविध महत्वपूर्ण विषयों यथा **चौरी–चौरा शताब्दी वर्ष, मिशन मंझरिया उन्नत भारत अभियान** आदि को उकेरने वाली मनमोहक व महत्वपूर्ण झांकिया निकाली गई, जो शहर वासियों को आकृष्ट कर रहीं थी। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ ने की।

मैं भावी
कशीदाकार

एल.ई.डी. ग्राम लाइट (छः दिवसीय प्रशिक्षण शिविर) उद्घाटन

06 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय में **आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर** के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एल.ई.डी. ग्राम लाइट विषयक 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि गोरखपुर के सांसद **श्री रवि किशन शुक्ल** ने कहा कि अपने–अपने क्षेत्र के सामाजिक सांस्कृतिक परम्पराओं का संरक्षण एवं समृद्धि शिक्षण संस्थाओं का धर्म है। आर्थिक स्वावलम्बन जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है। श्री गोरक्षपीठ की संस्थाएं अपने इस उत्तरदायित्व का अत्यन्त संवेदनशीलता एवं सहजता के साथ निर्वहन करती है। इसी श्रेष्ठ परम्परा का उदाहरण है महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा चलाया जा रहा **मिशन मंझरिया** और उसी का विस्तार है **उन्नत भारत अभियान** के अन्तर्गत पाँच गावों की सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक उन्नति का अहर्निश प्रयत्न। आज का यह "**नारी स्वावलम्बन**" अभियान महाविद्यालय के गोद लिये गावों के विकासात्मक अभियान में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं यह देखकर अचम्भित हूँ कि कोई कालेज धीरे –धीरे अपने आस–पास के गावों की उन्नति के लिए पूर्ण नियोजन के साथ अनवरत प्रयत्नशील है। जिस दिन पाँच गाँव की सभी महिलाओं को आर्थिक स्वावलम्बी बनाने में यह कालेज पूर्णतः अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा, यह देश में एक अभिनव प्रयोग का उदाहरण होगा।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्बोधन देते हुए गोरखपुर परिक्षेत्र की अग्रणी सामाजिक कार्यकर्त्री **श्रीमती शीलम वाजपेयी** ने कहा कि नारी को शिक्षित और प्रशिक्षित करना आज के समाज की अपरिहार्यता है। स्त्री को स्वावलम्बी बनाने का अर्थ है, समाज को स्वावलम्बी और सशक्त बनाया। आज स्त्री हर क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाजोत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित कर रही है। स्वर्णिम और

उन्नत भारत की यही वर्तमान तस्वीर है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक **श्री विवेक सिंह** ने कहा कि भारत प्रतिवर्ष लगभग 12 हजार करोड़ रूपये सिर्फ दीवाली की लाइट, लड़ी और झालर इत्यादि खरीदने में चीन को दे देता है। यदि यह धनराशि भारत से बाहर न जाए तो इससे 6 लाख से ज्यादा रोजगार का सृजन प्रतिवर्ष भारत में हो सकता है। इसके लिए आवश्यकता है सिर्फ सशक्त प्रयासों एवं नियोजित योजना की। इस उद्घाटन कार्यक्रम में **आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान** के सचिव **श्री विनोद सिंह, सिडबी** के प्रबन्धक **श्री कुमार अभय चन्द** सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएँ महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर के सभी स्वयंसेवक/कैडेट उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात महाविद्यालय के छात्रावास बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम में मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह द्वारा ग्राम ककरहियाँ, मंझरियाँ, हसनगंज, छोटी रेतवहियाँ एवं बड़ी रेतवहियाँ की 32 महिलाओं को L.E.D. बल्ब एवं लड़ी बनाने का प्रशिक्षण दिया।

sidbi
एल. ई. डी. "ग्राम लाईट" 6 दिवसीय
(स्वयं सहायता समूह/बेरोजगार युवा/
LED Bulb, LED Jhallar, LED Jhumar,
LED Bell, Repairing/Production/
Supported By :- SIDBI Bank,
Organisor

एल.ई.डी. ग्राम लाइट (छः दिवसीय प्रशिक्षण शिविर) का दूसरा दिन

आशुतोष शिक्षा एंव सेवा संस्थन, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एल.ई.डी. ग्राम लाइट विषयक 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य प्रशिक्षक श्री राम गोपाल सिंह ने कहा कि आर्थिक स्वावलम्बन जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है। श्री गोरक्षपीठ की संस्थाएं अपने इस उत्तरदायित्व का अत्यन्त संवेदनशीलता एवं सहजता के साथ निर्वहन करती है। इसी श्रेष्ठ परम्परा का उदाहरण है महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा चलाया जा रहा **6 दिवसीय एल.ई.डी. प्रशिक्षण कार्यशाला। यह कार्यशाला आने वाले समय में ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन में मील का पत्थर साबित होगा।** इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मिशन मंझरिया और उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत शामिल किये गये पाँच गावों की लगभग 3 दर्जन से अधिक महिलायें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। यह पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्रावास बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम में संचालित हो रहा है। यह कार्यक्रम, कार्यक्रम संयोजिका **श्रीमती कविता मंध्यान** के कुशल प्रबन्धन में किया जा रहा है।

एल.ई.डी. ग्राम लाइट (छः दिवसीय प्रशिक्षण शिविर) तीसरा दिन

आशुतोष शिक्षा एवं संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अंतर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय **एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना** विषयक कार्यशाला के **तीसरे दिन** (08.12.2021) ग्राम मंझरियाँ, छोटी रेतवहियाँ, ककरहियाँ, हसनगंज और बड़ी रेतवहिया कि 32 महिलाओं ने **अंगूरा लाइट, झालर, झूमर निर्माण** एवं **पुराने खराब एल.ई.डी. बल्ब की मरम्मत** सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य प्रशिक्षक **श्री राम गोपाल सिंह** एवं **श्री अमित साहनी** ने ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षण में शामिल महिलाएं आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में तेजी से आगे की ओर बढ़ेगी और देश तथा समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान सुनिश्चित कर सकेंगी। इसी क्रम में इस प्रशिक्षण कार्यशाला के सह संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने कहा कि प्रत्येक शिक्षण संस्था का यह नैसर्गिक दायित्व होना ही चाहिए कि वह अपने अंचल में स्थित जनसामान्य के कल्याण एवं आर्थिक–बौद्धिक उत्थान हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों/प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करे तथा देश–समाज की तरक्की में अपनी सशक्त भूमिका निभाए।

(स्वयं सहायता समूह/बेरोजगार युवा/ITI/Diploma)
Note.: LED Bulb, LED Jhallar, LED Jhumar, LED Down Light, LED Bell, Repairing/Production/Marketing.
Vocal For Local
Make In India
Supported By :- SIDBI Bank, Lucknow, U.P.
Organisor :- आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, गोरखपुर।

एल.ई.डी. ग्राम लाइट (छः दिवसीय प्रशिक्षण शिविर) का चौथा दिन

आशुतोष शिक्षा एवं संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अंतर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय **एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना** विषयक कार्यशाला के **चौथे दिन** (09.12.2021) ग्राम मंझरियाँ, छोटी रेतवहियाँ, ककरहियाँ, हसनगंज और बड़ी रेतवहिया कि 32 महिलाओं ने **कन्सील लाइट, एल.ई.डी. बल्ब, डोर बेल निर्माण** एवं **पुराने खराब एल.ई.डी. बल्ब की मरम्मत** सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य प्रशिक्षक **श्री राम गोपाल सिंह** एवं **श्री अमित साहनी** ने ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत ग्रामीण पृष्ठभूमि की ये महिलाएं स्वरोजगार एवं स्वावलंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी तथा अपने घर के साथ–साथ समाज और देश की आर्थिक प्रगति में सहायक होगी। उन्हें अपना रोजगार घर बैठे मिलेगा जिनसे रोजगार के क्षेत्र में पलायन की प्रक्रिया अवरुद्ध होगी। इसी क्रम में इस प्रशिक्षण कार्यशाला के सह संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने दोनों प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक शिक्षक भी उपस्थित रहे।

स्वयं सहायता समूह
बेरोजगार युवा
/ITI/Diploma

उन्नत भारत अभियान
एल.ई.डी. 'ग्राम लाईट'
दिनांक – 09.12.2021

स्वयं सहायता समूह
बेरोजगार युवा
/ITI/Diploma
दिनांक – 09.12.2021

एल.ई.डी. ग्राम लाइट (छः दिवसीय प्रशिक्षण शिविर) पांचवां दिन

आशुतोष शिक्षा एवं संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अंतर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय **एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना** विषयक कार्यशाला के **पांचवें दिन** (11 दिसम्बर, 2021) ग्राम मंझरियाँ, छोटी रेतवहियाँ, ककरहियाँ, हसनगंज और बड़ी रेतवहिया कि 30 महिलाओं ने **झुमर** एवं **ए.सी.डी.सी. बल्ब निर्माण** सम्बन्धी प्रषिक्षण प्राप्त किया। मुख्य प्रशिक्षक **श्री राम गोपाल सिंह** एवं **श्री अमित साहनी** ने ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत ग्रामीण पृष्ठभूमि की ये महिलाएं स्वरोजगार एवं स्वावलंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी तथा अपने घर के साथ–साथ समाज और देश की आर्थिक प्रगति में सहायक होगी। उन्हें अपना रोजगार घर बैठे मिलेगा जिनसे रोजगार के क्षेत्र में पलायन की प्रक्रिया अवरुद्ध होगी। इसी क्रम में इस प्रशिक्षण कार्यशाला के सह संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने दोनों प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापित किया।

LED

एल.ई.डी. ग्राम लाइट (छः दिवसीय प्रशिक्षण शिविर) छठां दिन

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)** तथा **महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर** के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **एल.ई.डी. ग्रामलाइट** विषय 6 **दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला** के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष **श्रीमती अंजू चौधरी** नें कहा कि आत्मनिर्भर एवं नारी सशक्तिकरण आज के प्रगतिशील समाज की अनिवार्यता भी है और अपरिहार्यता भी। आर्थिक स्वालम्बन निश्चित रूप से सामाजिक–सांस्कृतिक विरासत को स्थापित करने का मजबूत आधार है। देश एवं समाज को ज्ञान एवं शिक्षा के माध्यम से उजले भविष्य की ओर अग्रेशित करना प्रत्येक शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थानों का नैसर्गिक उत्तरदायित्व होता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए सिद्ध गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 में देश और समाज को शैक्षिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी, वो आज एक विशाल वट–वृक्ष की भांति अपनें स्थानीय आंचलिक क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सतत् प्रयत्नशील है। साथ ही साथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से सम्बद्ध समस्त शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थाएं भी इस पुनीत अभियान में प्राण–प्रण से संलग्न है। महाविद्यालय मे इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशाला न सिर्फ आर्थिक निर्भरता को बढ़ावा देंगी, अपितु नारी स्वावलम्बन अभियान में मील का पत्थर भी साबित होगी। उन्होंने आगे कहा कि विगत 6 दिनों से इस प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण ले रही महाविद्यालय के गोद लिए हुए गांवो की महिलाएं निःसन्देह अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में आगे बढ़ी होगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि **श्रीमती शीलम वाजपेयी** ने कहा कि स्वावलम्बित नारी ही आत्मनिर्भर और सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। नारी दुर्गा रूप के साथ–साथ लक्ष्मी स्वरूपा भी है, समाज की सम्पन्नता का दृढ़ आधार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के माननीय सदस्य

श्री चौधरी प्रमोद कुमार ने कहा कि यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर अपने संस्थागत–सामाजिक दायित्वों के प्रति न सिर्फ निष्ठावान है, अपितु कर्मशील भी है। महाविद्यालय के ऐसे अभियान क्षेत्र के अन्य संस्थानो के लिए नज़ीर हैं। अन्य शैक्षिक संस्थनों को भी महाविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे ऐसे आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बन एंव जागरूकता सम्बन्धी कार्यक्रमों का अनुसरण करना चाहिए। सम्मिलित प्रयासों से ही उन्नत भारत अभियान वास्तव में अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर इस प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक **श्री विवेक सिंह** ने कहा कि जिन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था, कार्यशाला ने उन सभी उद्देश्यों का पूर्ण किया है। कार्यक्रम में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के प्रबन्धक **श्री कुमार अभय चन्द** ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** नें कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला का प्रतिवेदन कार्यशाला के सह–संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने प्रस्तुत किया जबकि संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी, **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं द्वारा बनाए गए इलेक्ट्रानिक उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण–पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन
शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसम्बर, 2021 को हाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **''राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस''** के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर** ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण ब्यूरो द्वारा प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस लोगों को ऊर्जा के महत्व के साथ–साथ उसके बचत एवं ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूक करने का माध्यम है। ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ है ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग कम करके प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करना जीवाश्म ईधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस आदि दैनिक जीवन में उपयोगी ऊर्जा के प्राकृतिक संसाधन है, जिनकी निरन्तर बढ़ती मांग प्राकृतिक संसाधनों के समाप्ति का कारण भी है। अतः ऊर्जा संरक्षण ही एक ऐसा रास्ता है जो ऊर्जा के गैर नवीकृत साधनों के स्थान पर नवीकृत साधनों को प्रतिस्थापित करता है। हम सभी द्वारा जीवाश्म उत्पादित ऊर्जा का उपयोग कम करना ही इस दिवस का लक्ष्य है। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

योगाभ्यास

18 दिसम्बर, 2021 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मिशन शक्ति के तत्वावधान में योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विषय के प्रभारी **डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल** के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकायें उपस्थित रहीं।

दिनांक - 18.12.21
मिशन

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

20 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** नें उपस्थित स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा **कि 'राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में आत्मविश्वास, सामूहिकता, सामुदायिकता एवं सेवा भावना जैसे गुणों को विकसित करने का एक अकादमिक मंच है।** राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से देश का युवा देश के प्रगति, विकास एवं सशक्तिकरण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना वह मंच है जहां विद्यार्थी का समग्र विकास निश्चित होता है। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने नवप्रवेशित स्वंयसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, कार्यों एवं कार्यप्रणालियों से परिचित गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष **सुबोध कुमार मिश्र** नें स्वयंसेवकों को **महाविद्यालय की परिसर संस्कृति एवं मानव जीवन मूल्यों से परिचित कराया।** कार्यशाला की अध्यक्षता प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य, **श्री विनय कुमार सिंह** ने की। कार्यशाला में महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों ईकाईयों के समस्त स्वयंसेवक /स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

एक दिवसीय शिविर

21 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **प्रथम एक दिवसीय शिविर** का आयोजन अभिग्रहीत ग्राम–**हसनगंज़** में आयोजित किया गया। शिविर में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ इकाई के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने गांव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभों के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने गांव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया। इस एक दिवसीय शिविर के दौरान एक बौद्धिक गोष्ठी का भी आयोजन किया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी को साफ–सफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए और इसके लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करते रहना चाहिए।

श्रमदान करने में कभी भी शर्म व संकोच नहीं करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि **श्री विनय कुमार सिंह** ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार के प्रति सभी लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। यह कार्य स्वयंसेवक बखूबी कर सकते है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को सैद्धान्तिक व व्यावहारिक पक्षों को अपने जीवन मे आत्मसात करने का तथा सामुदायिक सेवा भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृज भूषण लाल** ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाइयों के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक श्रमदान

22 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय के परम्परा के अनुसार स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से सप्ताहिक **स्वैच्छिक श्रमदान** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वैच्छिक श्रमदान प्रत्येक शनिवार को 12:10 से 01:10 तक संचालित होता है। जिसमें सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं महाविद्यालय के प्राचार्य शिक्षक तथा उनके द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थी पूर्व निर्धारित कार्यस्थल पर श्रमदान करते है। यह स्वैच्छिक श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं तथा कार्यक्रम अधिकारी के

लिए अनिवार्य होता है। शेष महाविद्यालय के शिक्षक–विद्यार्थी के स्वेच्छा पर आधारित होता है। यह कार्यक्रम 01.10 मिनट तक चलता है। उसके बाद सभी स्वयं सेविकायें स्वैच्छिक श्रमदान में प्रयोग होने

वाले उपकरणों को यथास्थान पर रखते है। पांच मिनट के विश्राम के पश्चात शैक्षिक गतिविधियां संचालित होती है। स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम की रूपरेखा में एक ईकाई में 100 स्वयं सेवक होती हैं, जिसमें 10–10 का समूह बना है। प्रत्येक समूह के साथ एक–एक शिक्षिका भी होती है स्वैच्छिक श्रमदान समूह की सूची बनती है और यह सूची राष्ट्रीय सेवा योजना के सूचना पट्ट पर एक दिन पहले चस्पा कर दी जाती है। इस सूची में 10 स्वयंसेविका का नाम, स्थान तथा समय निर्धारित होता है। इस तरह से साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान संचालित होता है।

सप्तदिवसीय कार्यशाला

27 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालयके रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन के एक वर्षीय प्रमाण–पत्र पाठयक्रम कार्यक्रम के अन्तर्गत **सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला** का उद्‌घाटन किया गया। इस उद्‌घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला आपदा विशेषज्ञ **श्री गौतम गुप्ता** ने बताया कि

वर्तमान समय में प्राकृतिक एवं मानवीकृत आपदाएं बढ़ती ही जा रही है, जिससे निपटना आज एक वैश्विक चुनौती है। उचित प्रशिक्षण एवं प्रबंधन से इन आपदाओं को कम किया जा सकता है। राष्ट्रीय एंव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेकों सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाएं इस क्षेत्र में कार्य कर रहीं है। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी आपदाओं से सम्बन्धित अनेकों नियम एवं अधिनियम बनाये है, जिन्हें क्रियान्वित करने के लिये **एन.डी.आर.एफ** और **एस.डी.आर.एफ** जैसी संस्थाएं भी पूरे ताकत के साथ अपना योगदान दे रहीं हैं। इस सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के अन्तर्गत श्री गौतम गुप्ता ने सातो दिनों तक चलने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूप रेखा भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप **श्री नीतीश शुक्ला** ने विद्यार्थियों को बनाया कि आपद प्रबंधन अधिनियम 2005 के अन्तर्गत विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिये सरकार एवं जनता को निर्देश दिया गया है। उन्होंने आपदाओं के विभिन्न रूपों और उनकी भयावहता पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने दोनों अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम के सफलता की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा संचालित
आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
के अर्न्तगत आयोजित
सप्त दिवसीय आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यशाला
27 दिसम्बर 2021 से 02 जनवरी 2022
आयोजक

निबन्ध प्रतियोगिता

30 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना** द्वारा छात्रों में लेखन कला विकसित करने के उद्देश्य से **'इम्पारटेंस ऑफ वोटिंग इन इण्डिया'** विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए अंग्रेजी विभाग प्रभारी कविता मंध्यान ने कहा कि निबन्ध, लेखन व्यक्तित्व को प्रकाशित करने वाली ललित गद्य रचना है। निबन्ध का रूप साहित्य की अन्य विद्याओं की अपेक्षा इतना स्वतन्त्र है कि उसकी सटीक परिभाषा करना अत्यन्त कठिन है। निबन्ध एक ऐसी कलाकृति है जिसके नियम लेखक द्वारा ही विकसित होते है। प्रतियोगिता में कुल 62 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में **डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल**, **श्री राम चरित्र**, **श्रीनिवास सिंह** ने अपनी अपनी भूमिका का निर्वहन किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की **महिमा यादव** को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष के **संगम कुमार** को द्वितीय, बी.ए. प्रथम वर्ष की **शीतल निषाद** को तृतीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के **आशुतोष कुमार सिंह** एवं बी.ए द्वितीय वर्ष की **प्रिया सिंह** ने संयुक्त रूप से चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने निणार्यक मण्डल के प्रति आभार ज्ञापित किया।

पेंटिंग प्रतियोगिता

06 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत **नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष** के अन्तर्गत **पेटिंग प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। पेटिंग प्रतियोगिता का मुख्य विषय **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** रहा। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की स्वयंसेविका **महिमा विश्वकर्मा** द्वितीय स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की स्वयंसेविका **शिवन्या राव** एवं तृतीय स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक **आशुतोष त्रिपाठी** ने प्राप्त किया। पेंटिग प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल में सदस्य के रूप में सहायक आचार्य **श्रीमती साधना सिंह, श्री हरिकेश यादव** प्रभारी राजनीतिशास्त्र विभाग, **श्री विवेक गुप्ता**, सहायक आचार्य राजनीतिशास्त्र रहे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को निर्णायक मण्डल द्वारा प्रमाण पत्र दिये गये। पेंटिंग प्रतियोगिता का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी बृजभूषण लाल ने किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

भारत–भारतीय पखवारा : उद्घाटन कार्यक्रम (स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती)

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 12 जनवरी से 26 जनवरी 2022 तक चलने वाले **भारत–भारती पखवाड़ा** के **उद्घाटन** अवसर पर **"स्वामी विवेकानन्द का जीवन दर्शन और युवा"** विषय पर आयोजित **आनलाइन विशिष्ट व्याख्यान** कार्यक्रम के दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षाशास्त्र, विभाग के आचार्य **प्रो. राजशरण शाही** ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रीय अखण्डता, बौद्धिक प्रतिभा एवं प्रखर राष्ट्रवाद के अग्रदूत के रूप में स्वामी विवेकानन्द का जीवन दर्शन हम सभी के लिए न सिर्फ प्रेरणीय है, अपितु सर्वथा अनुकरणीय भी है। स्वामी विवेकानन्द का सम्पूर्ण जीवन, उनका प्रखर राष्ट्रवादी एवं आध्यात्मिक व्यक्तित्व भारत ही नहीं विश्व के समस्त युवाओं के लिए पथ–प्रदर्शक के रूप में सदैव अनुमन्य रहेगा। यह स्वामी विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व एवं मेधा का ही तेज था, जिसके बल पर उन्होंने भारतीय संस्कषति एवं ज्ञान का परचम सम्पूर्ण विश्व पटल पर फहराया। भारतीय धर्म एवं राष्ट्रीयता के पुरोधा स्वामी जी युवा शक्ति को अपनें आशा और विश्वास का केन्द्र मानते थे। उन्होंने आगे कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति को ही राष्ट्र के विकास का आधार मानते थे। उनका मानना था कि जब तक देश का प्रत्येक युवा भारत को अपनें शिराओं में प्रवाहित नहीं करेगा, भारत को अपने हृदय में स्पन्दित नहीं करेगा, भारत को अपने आने–जाने वाली सांसो में समाहित नहीं करेगा, तब तक भारत पूर्ण रूपेण समर्थ नहीं हो सकेगा। भारत को यदि पुनः विश्वगुरू की पदवी पद प्रतिष्ठित करना है, तो देश के प्रत्येक नागरिक को भारत और भारतीय को अपने हृदय के अंतिम आवेग तक ले जाना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने की। 15 दिनों तक चलने वाले इस भारत–भारती पखवाड़ा कार्यक्रम की विस्तृत प्रस्ताविकी एवं कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री शारदा रानी** ने किया। संयोजन कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य **श्री**

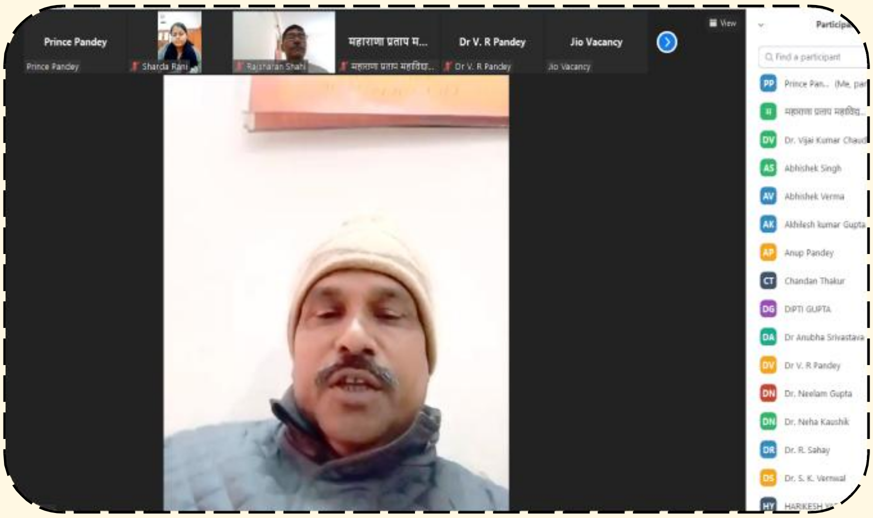

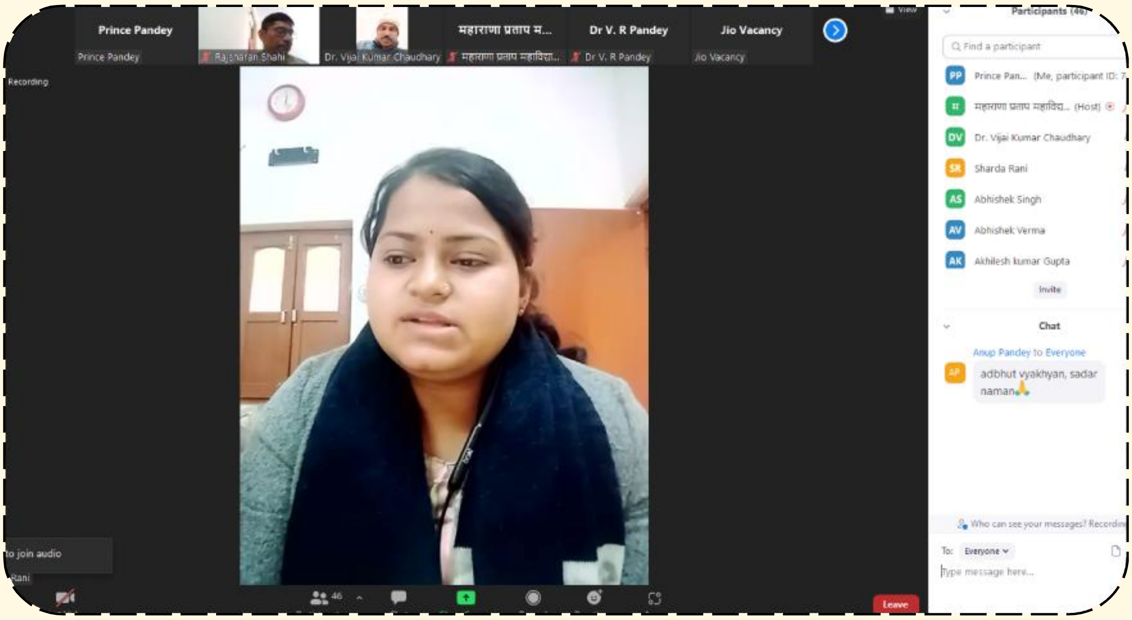
Prince Pandey
महाराणा प्रताप म...
Dr V. R Pandey
Jio Vacancy
Participants (46)
Chat
Anup Pandey to Everyone
adbhut vyakhyan, sadar naman
Leave

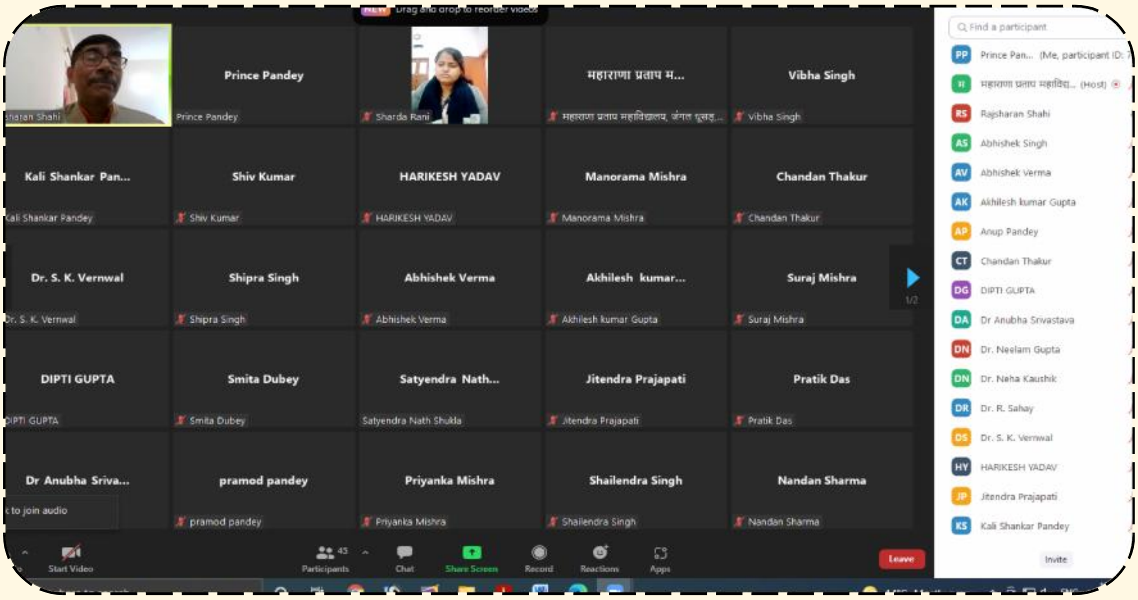
Prince Pandey
महाराणा प्रताप म...
Vibha Singh
Kali Shankar Pan...
Shiv Kumar
HARIKESH YADAV
Manorama Mishra
Chandan Thakur
Dr. S. K. Vernwal
Shipra Singh
Abhishek Verma
Akhilesh kumar...
Suraj Mishra
DIPTI GUPTA
Smita Dubey
Satyendra Nath...
Jitendra Prajapati
Pratik Das
Dr Anubha Sriva...
pramod pandey
Priyanka Mishra
Shailendra Singh
Nandan Sharma
Leave

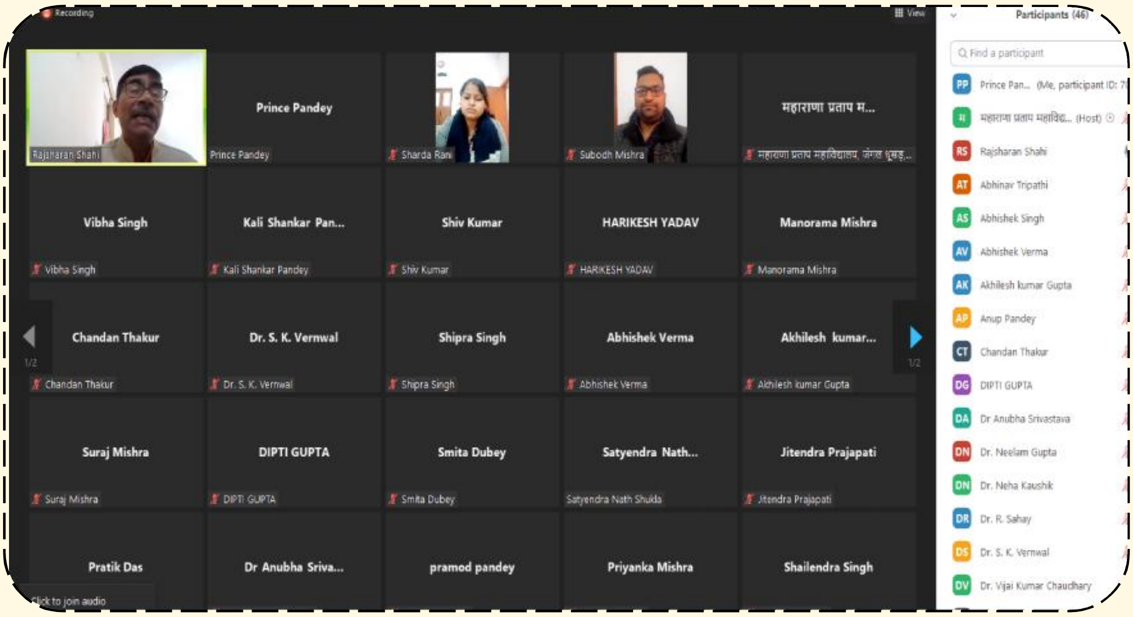
Prince Pandey
महाराणा प्रताप म...
Vibha Singh
Kali Shankar Pan...
Shiv Kumar
HARIKESH YADAV
Manorama Mishra
Chandan Thakur
Dr. S. K. Vernwal
Shipra Singh
Abhishek Verma
Akhilesh kumar...
Suraj Mishra
DIPTI GUPTA
Smita Dubey
Satyendra Nath...
Jitendra Prajapati
Pratik Das
Dr Anubha Sriva...
pramod pandey
Priyanka Mishra
Shailendra Singh
Participants (46)

कोविड–19 टीकाकरण शिविर

14 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना** एवं महाविद्यालय में संचालित मंहत अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में **कोविड–19 टीकाकरण शिविर** का आयोजन किया गया शिविर में महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में टीकाकरण कराया। महाविद्यालय के सन्निकट एवं विभिन्न विभागों द्वारा अधिग्रहीत गांव **मंझरियां, तिनकोनिया, हसनगंज, जंगल धूसड़, रेतवहिया, ककरहियाँ** आदि के स्थानीय निवासियों नें भी टीकाकरण शिविर में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस टीकाकरण शिविर के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि कोविड–19 महामारी से बचाव के लिए टीकाकरण ही मूल उपाय है। टीकाकरण से ही शरीर में प्रतिरक्षण क्षमता का विकास होता है और प्रभावित व्यक्ति पर सम्बन्धित महामारी का प्रभाव न्यूनतम होता है। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरगाँवा के स्वास्थ्य पर्यवेक्षक **श्री राकेश पाठक** एवं उनके सहयोगी **श्री श्वेता सिंह (ए.एन.एम.)**, एवं आशा कार्यकत्रियों के सहयोग से सफलतापूर्वक टीकाकरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अन्त में चरगाँवा स्वास्थ्य केन्द्र की टीम के प्रति राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने आभार ज्ञापित किया।

गोरखनाथ मंदिर में सेवा कार्य

15 जनवरी, 2022 को मकर संक्रान्ति के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी मेला में सुदूर गांव से आए हुए श्रद्धालुओं को निर्वाध रूप से भगवान श्रीगोरखनाथ जी का दर्शन और खिचड़ी चढ़वाने में स्वयंसेवकों ने सहायोग किया। उस के बाद सुबह 6 बजे से शायं 04 बजे तक खिचड़ी मेला में स्वयंसेवक श्रद्धालुओं की सेवा में लगे रहे।

दूसरों को धक्का देकर आगे जाने की चेष्टा न करें।
महिलायें सोने-चाँदी के आभूषण की सुरक्षा स्वयं करें।
खिचड़ी इधर-उधर न फेंके।
आप कैमरे की नजर में है।

अपने लाइन में खड़े रहे

निबन्ध प्रतियोगिता

17 जनवरी, 2022 को भारत–भारती पखवारा के अर्न्तगत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **भारत के विकास में मील का पत्थर : डिजिटल इण्डिया** विषय पर आनलाइन हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 40 स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया।

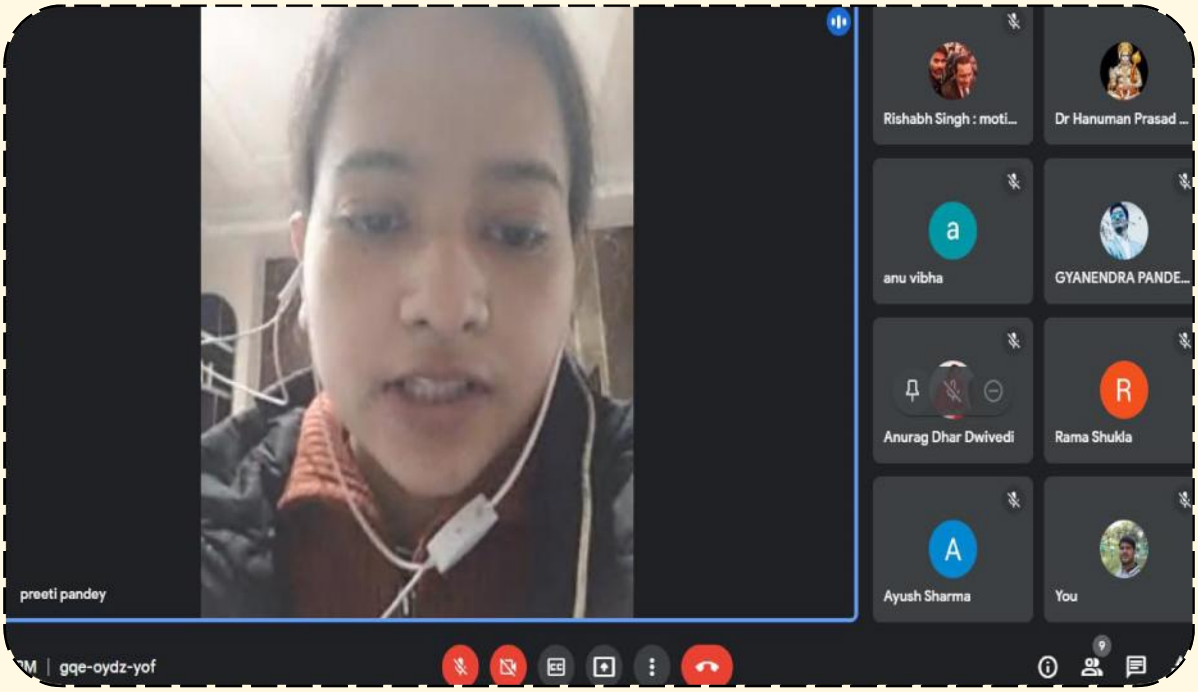

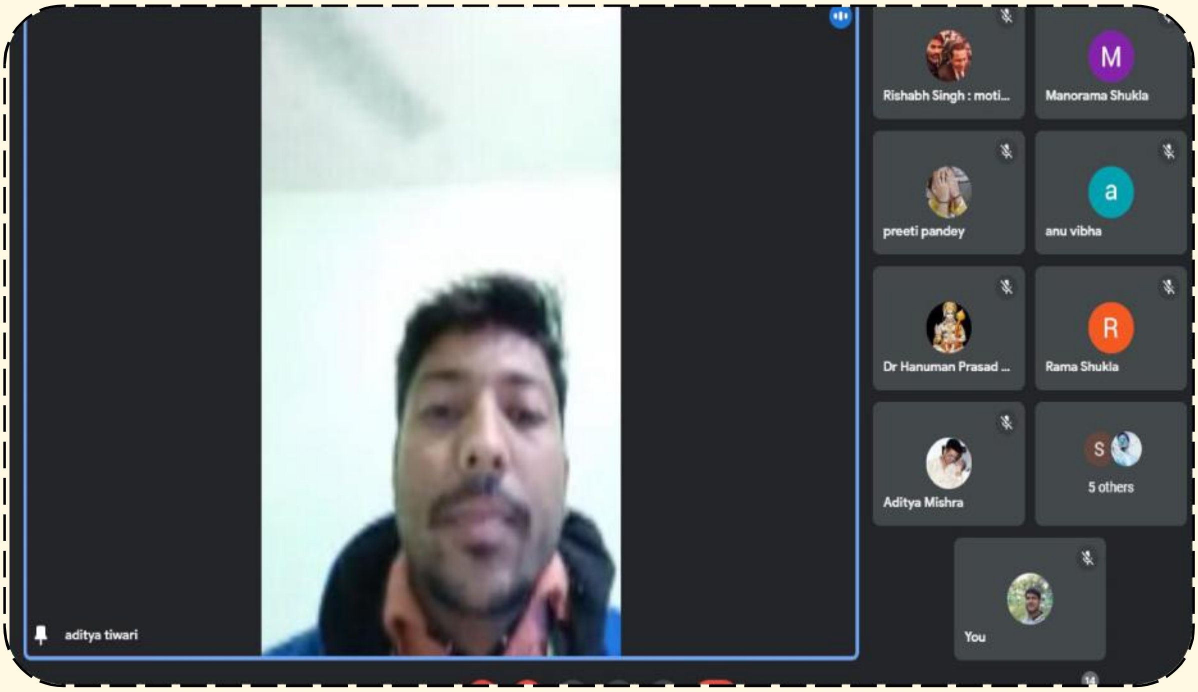

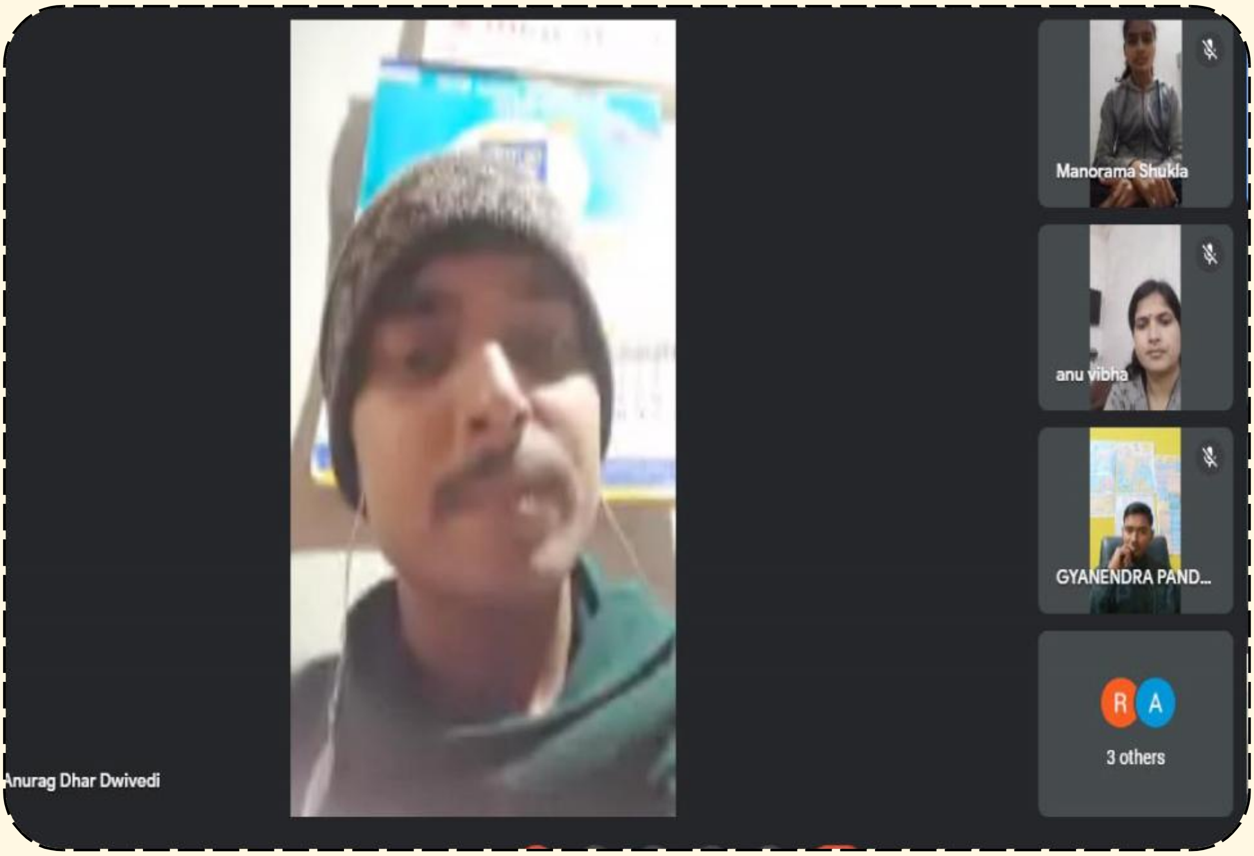
Manorama Shukla
anu vibha
GYANENDRA PAND...
R A
3 others
Anurag Dhar Dwivedi

Rishabh Singh : moti...
M
Manorama Shukla
preeti pandey
Dr Hanuman Prasad ...
R
Rama Shukla
Durgesh Pal
S a
5 others
You
Aditya Mishra
gqe-oydz-yof
13

महाराणा प्रताप पुण्यतिथि समारोह

19 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय में **राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत–भारती पखवारा** के अन्तर्गत **हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि** के अवसर पर आयोजित **ऑनलाइन–व्याख्यान** में मुख्य वक्ता के रूप में **जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान के आचार्य एवं संकाय अध्यक्षप्रो. मजहर आसिफ** ने कहा कि इतिहास मात्र अतीत की घटनाओं की जानकारी नहीं, बल्कि ऐतिहासिक गौरव गाथाओं को अगली पीढ़ी तक सम्प्रेषित करने की प्रमुख विधा भी है, क्योंकि अतीत की गौरव गाथाओ और वर्तमान की सृजनशीलता से ही सभ्यताओं का मार्ग प्रशस्त होता है। महाराणा प्रताप हम सभी के ऐसे नायक हैं, जिनके त्याग एवं तपस्या के मूल्य हम सभी को सतत पाथेय प्रदान करते रहेंगे। साम्राज्यवादी विस्तार की मुगलों की संकल्पना रथ को रोकनें के लिए महाराणा प्रताप ने जो अथक प्रयास किया, वह उन्हें भारत का प्रथम स्वतन्त्रता सेनानी होने का गौरव प्रदान करता है। महाराणा प्रताप ने कभी भी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया और मुगलों द्वारा थोपी गई पराधीनता की कुप्रथाओं यथा झरोखा दर्शन, दबाव पूर्ण वैवाहिक सम्बन्ध आदि को कभी भी स्वीकार नहीं किया। बलिदान और शौर्य के मूल्य प्रताप में इतने प्रबल थे कि, शत्रु भी उनकी प्रशंसा किये बिना नहीं रह सकता था। यह इतिहास में विरले ही दिखाई देता है कि सामान्य जन ने अपने आप को प्रताप के स्वाभिमान के साथ जोड़ कर देखा और उनकी शौर्य गाथाओं को आगामी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित कर दिया।

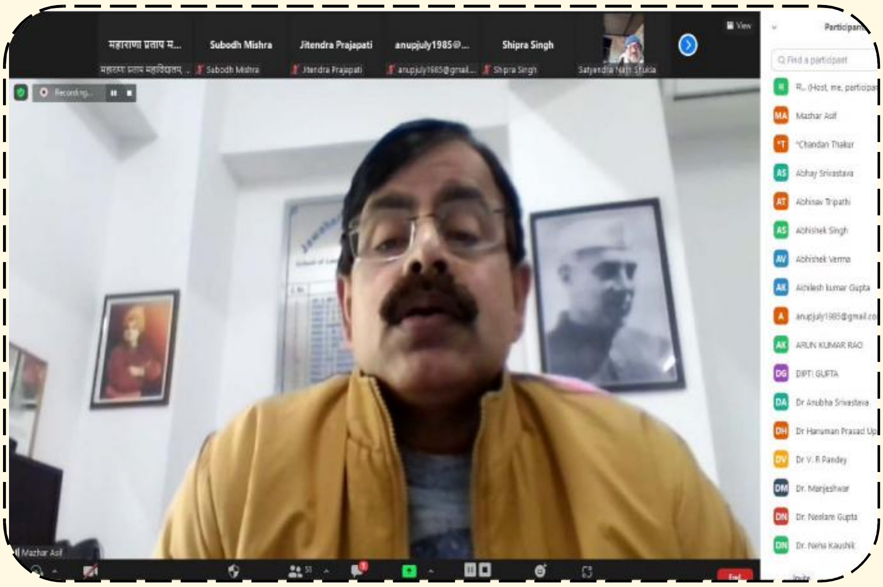

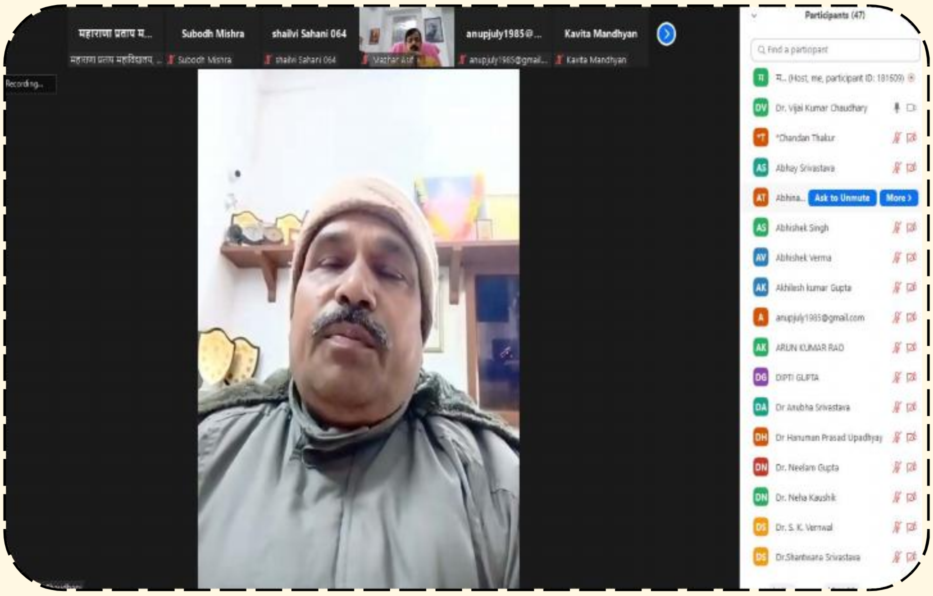

महाराणा प्रताप यश, शौर्य और राष्ट्र स्वाभिमान के साक्षात प्रखर स्वरूप हैं। इतिहास के पन्नों में उनका नाम अमिट रहेगा। कालान्तर में साम्राज्यवादी एवं साम्यवादी मानसिकता एवं पाश्चात्य प्रभाव के अन्तर्गत होने वाले इतिहास लेखन के कारण भारतीय इतिहास में उन्हे वह स्थान नही मिला जो उन्हें मिलना चाहिए था। महाराणा प्रताप के जीवन की गौरव गाथा को जानबूझकर नजरन्दाज एवं विकृत कर दिया गया। **महाराणा प्रताप भारतीय संस्कृति के प्रतीक है, राष्ट्रीय स्वाभिमान पर मर–मिटने वालो के प्रतिमान हैं।** उनका उज्ज्वल और निर्मल चरित्र भारतीय इतिहास की अमूल्य निधि एवं धाती हैं।

प्रो. मजहर आसिफ ने आगे कहा कि महाराणा प्रताप उस परम्परा के वाहक हैं जिसमें यह अमर संदेश दिया कि गया कैसे राष्ट्र के लिए अपने परिवार सहित सर्वस्व की आहुति दी जा सकती है और देश की आन–बान व शान को विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी देश के दुश्मनों को आगे झूकने नहीं देना है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ0 विजय कुमार चौधरी** ने कहा कि महाराणा प्रताप और उनका जीवन भारत की पहचान है। महाराणा प्रताप राष्ट्र–समाज के लिए त्याग एवं बलिदान के पर्याय है। महाराणा प्रताप का जीवन दर्शन भारतीय युवाओं में भारत की सुरक्षा और संरक्षा का संकल्प पैदा करने का माद्दा रखता है। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा, राष्ट्र खतरें में होगा, स्वधर्म एवं देश का स्वाभिमान खतरे में होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग–बलिदान अमरज्योति का कार्य करेगा। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी जूम एप पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। व्याख्यान का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज एवं यू–ट्यूब चैनल पर भी किया गया जहॉं पर बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

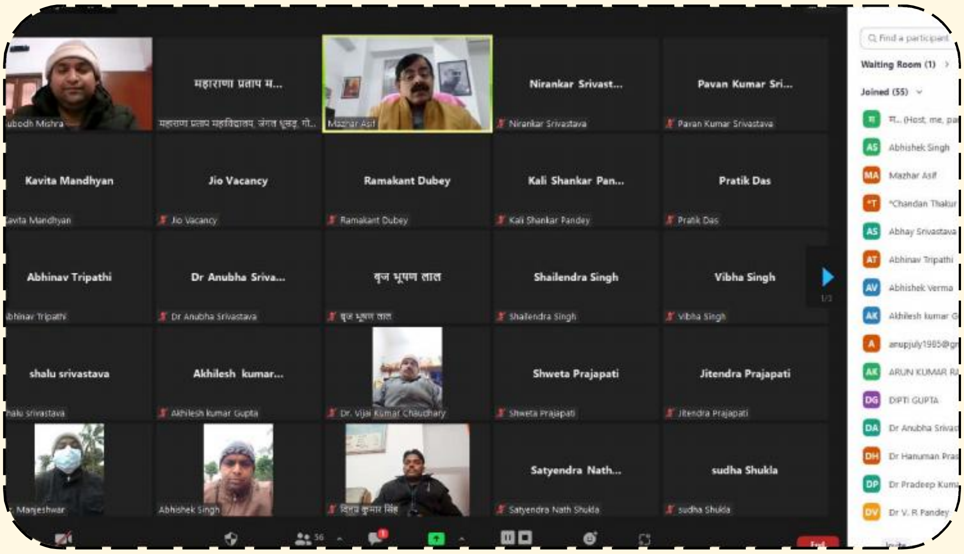

फूड विदआउट फायर प्रतियोगिता

महाविद्यालय में **12 से 26 जनवरी 2022 तक** चलने वाले **भारत–भारती पखवारा** के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 20 जनवरी 2022 को **फूड विद्आउट फॉयर प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में गृह विज्ञान विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह**, मध्यकालीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य **श्री अभिषेक त्रिपाठी** एवं गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री शारदा रानी** उपस्थित रही। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एम.काम प्रथम वर्ष की **सारिका पटेल** एवं **सर्वेश पाण्डेय,** द्वितीय स्थान पर एम.ए. द्वितीय वर्ष की **अम्बिका सिंह** एवं बी.ए. तृतीय वर्ष की **अंशिका सिंह** तथा तृतीय स्थान एम.ए. द्वितीय वर्ष की **गरिमा त्रिपाठी** एवं **शालू सिंह** एवं बी.ए द्वितीय वर्ष की **शालू विश्वकर्मा** तथा **दिव्या गुप्ता** को सांन्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

adidas

कम्बल वितरण कार्यक्रम

21 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के तत्वावधान में **कम्बल वितरण कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करता आ रहा है। उसी सामाजिक उत्तरदायित्व के अनुक्रम में अत्यधिक ठण्ड के दृष्टिगत महाराणा प्रताप महाविद्यालय के उप प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. मजेश्वर, श्री विनय कुमार सिंह तथा** वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** द्वारा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों **श्री विनोद, श्री विश्वनाथ, श्री रामलगन, श्री लालसा, श्री योगेन्दर, श्री राजाराम, श्री रामअशीष** आदि सभी को कम्बल वितरित किये गये।

दिनांक
21.01.22

21.01.22

21.01.22

पोस्टर प्रतियोगिता

22 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत–भारती पखवारा के अर्न्तगत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **'गंगा निर्मलता एवं जल संरक्षण'** कार्यक्रम के अर्न्तगत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वनिर्मित पोस्टर से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संकट को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में कुल 54 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान

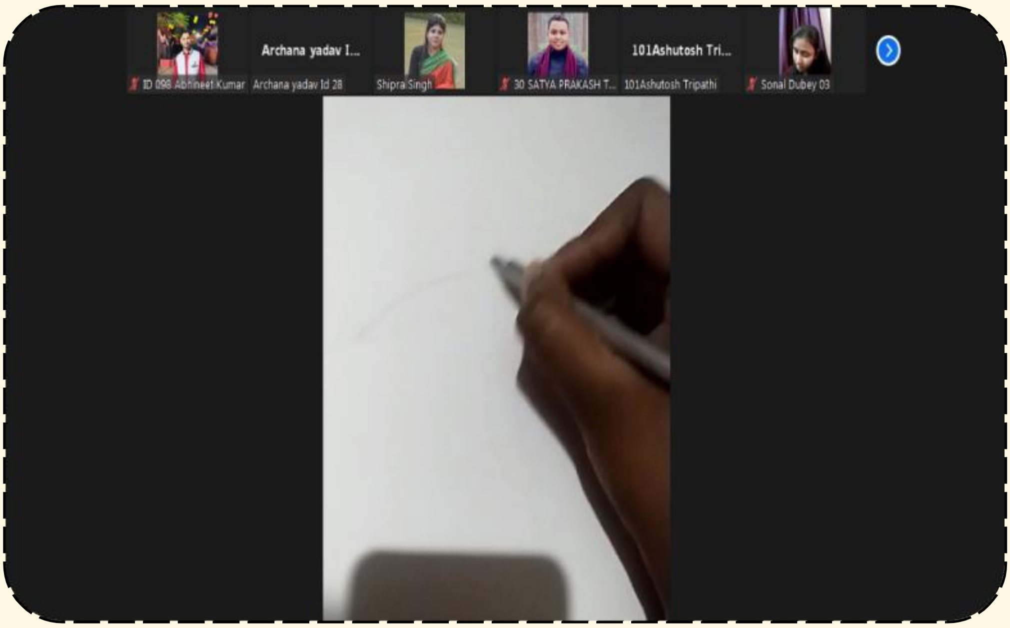

जसवन्त चौहान (बी.ए. भाग एक) द्वितीय स्थान **दीपक विश्वकर्मा** (बी.ए. भाग एक) तृतीय स्थान **कमलेश साहनी** (बी.ए. भाग तीन) एवं **सांत्वना स्थान चन्द्रकला सिंह** (बी.ए. भाग एक) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में **डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र,** उपस्थित रहें। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभ कामना देते हुए कार्यक्रम संचालन एवं आभार ज्ञापित किया।

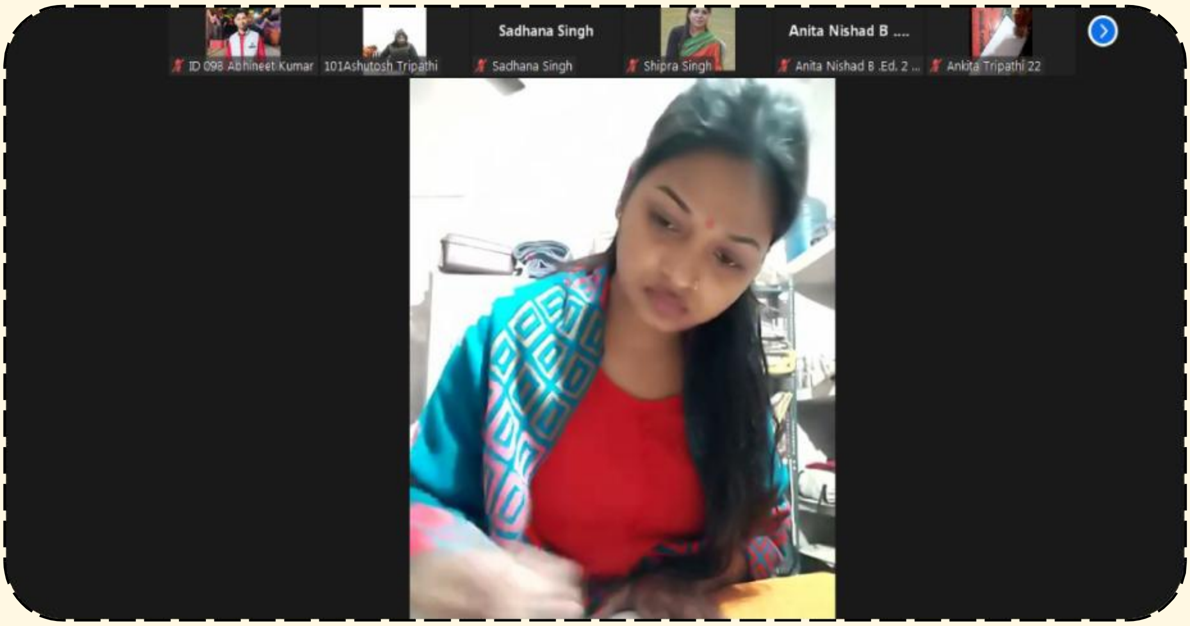

पेंटिंग प्रतियोगिता

22 जनवरी, 2022 को भारत–भारतीय पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वयंसेवको द्वारा नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के पराक्रम पर भाषण एवं देश भक्ति कविता का और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान **आदित्य प्रजापति** (बी.एस–सी. भाग दो) को द्वितीय स्थान **प्रशांत सिंह** बी.ए. भाग एक तथा तृतीय स्थान **बृजेश चौहान** बी.ए. भाग एक को दिया गया। निर्णायक मण्डल के रूप में **सुश्री दीप्ति गुप्ता श्री रमाकान्त दूबे, डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा** उपस्थित रहे। प्रतियोगिता राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने सभी प्रतिभागियों को शुभ कामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापित किया।

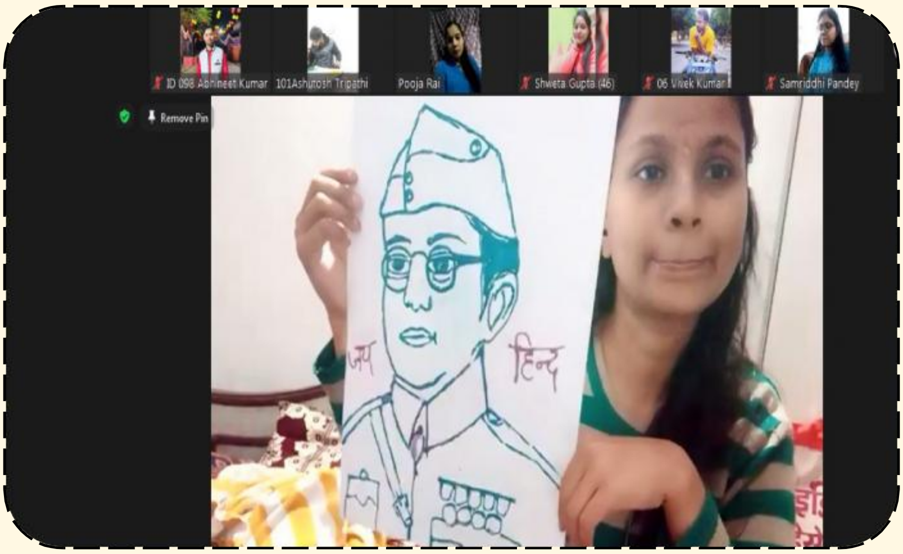

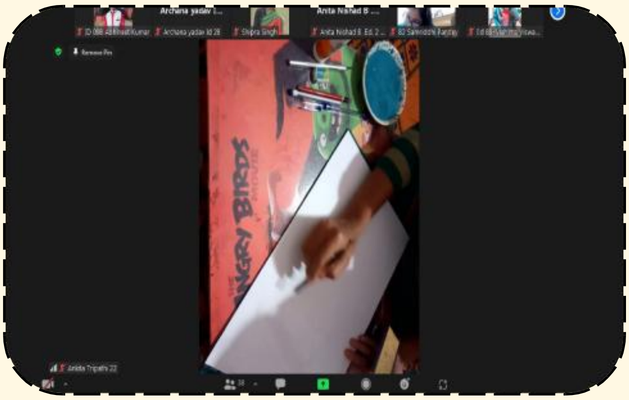

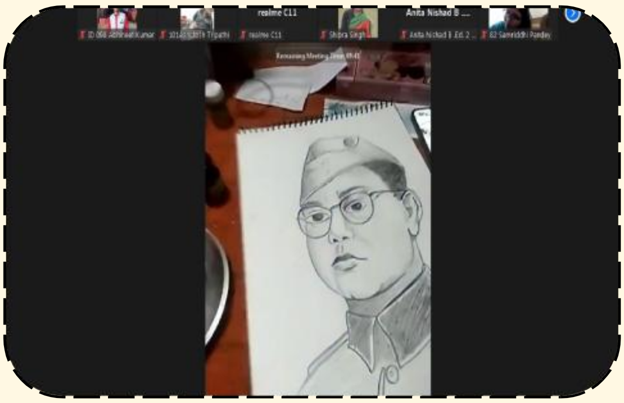

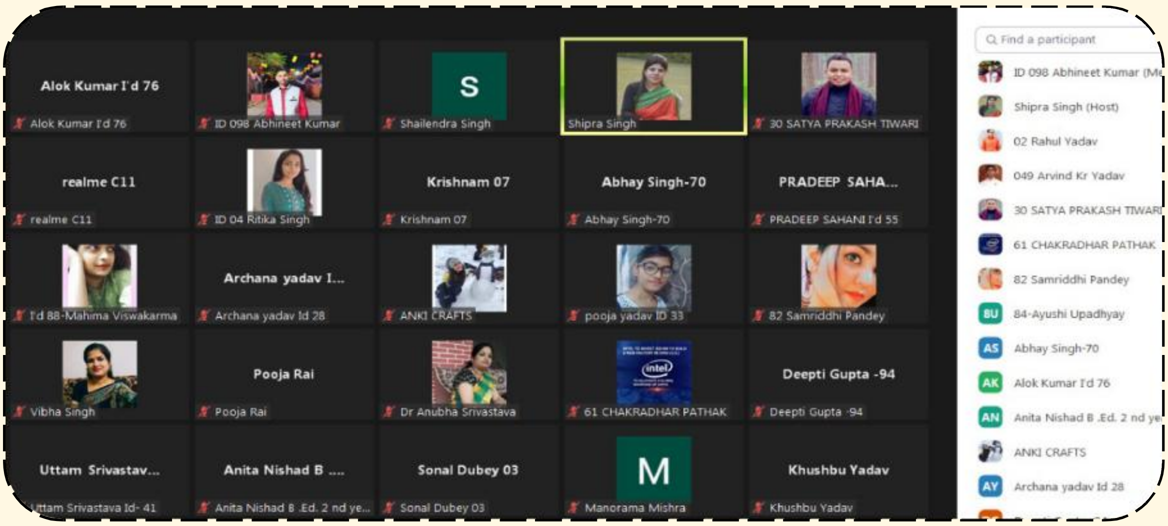

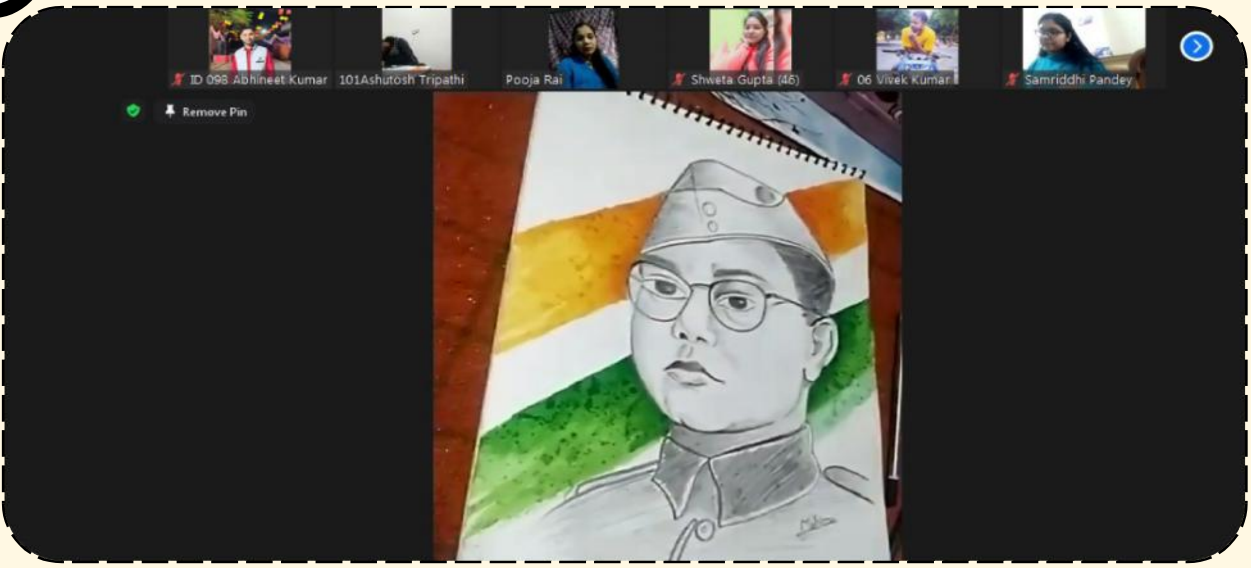
ID 098 Abhineet Kumar
101Ashutosh Tripathi
Pooja Rai
Shweta Gupta (46)
06 Vivek Kumar
Samriddhi Pandey
Remove Pin

ID 098 Abhineet Kumar
101Ashutosh Tripathi
Pooja Rai
Shweta Gupta (46)
06 Vivek Kumar
Ankita Tripathi 22

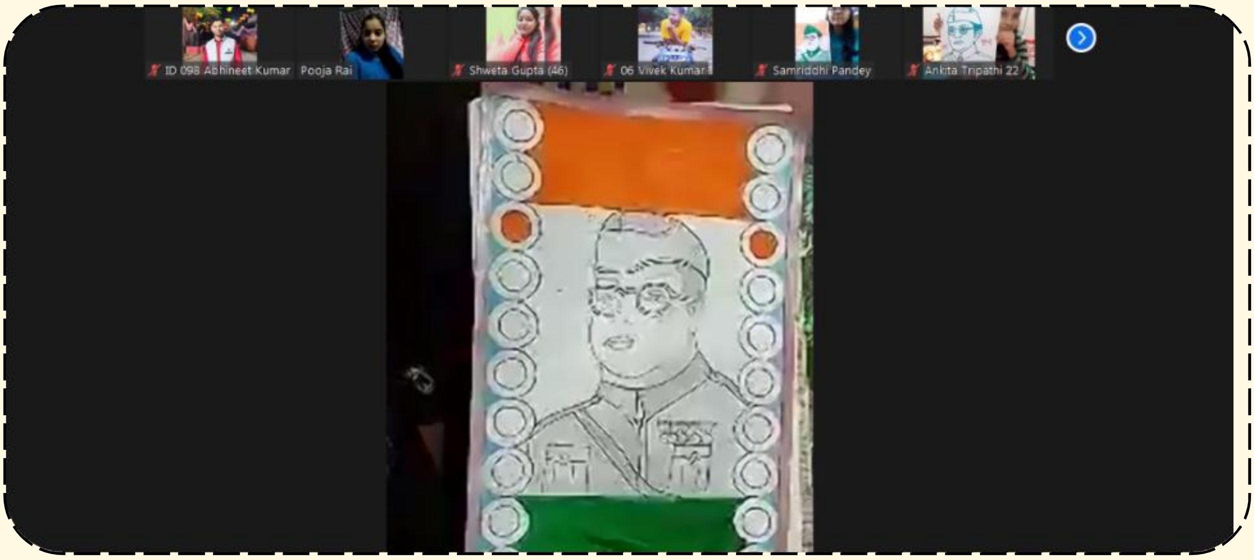
ID 098 Abhineet Kumar
Pooja Rai
Shweta Gupta (46)
06 Vivek Kumar
Samriddhi Pandey
Ankita Tripathi 22

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह

23 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत भारती पखवाड़ा के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 125 वीं जयंती के अवसर पर **भारत का स्वतंत्रता संग्राम** एवं **नेताजी सुभाष चंद्र बोस** विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के वरिष्ठ आचार्य **प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह** ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि **तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में यह सिर्फ एक नारा ही नहीं था, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के मुंह से निकले हुए ये शब्द देश के आजादी के लिए समर्पित युवाओं की नसों में स्वतंत्रता की ज्वाला भर देने वाला एक स्वर तरंग था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी थे। नेताजी माँ भारती के प्रति अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के क्षितिज पर एक चमकते हुए सितारे हैं। उन्होंने सुख सुविधाओं से संपन्न अपना संपूर्ण जीवन त्याग कर अंग्रेजों एवं अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जो चुनौती प्रस्तुत की, वह आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। वास्तव में बाबू सुभाष एक राष्ट्र नायक थे, जननायक थे। उन्होंने आगे कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के ऐसे महानायक थे, जिनके जीवन प्रदीप्त से आज भी संपूर्ण भारतवर्ष आलोकित हो रहा है। देश की युवा पीढ़ी को चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य ऐसे ही महापुरुषों से प्राप्त करना चाहिए। भारत माता की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने अपना सबकुछ समर्पित करते हुए ब्रिटिश सत्ता के अत्याचारपूर्ण एवं बर्बर शासन की चूलें हिला दी और भारत को अंग्रेजी आधिपत्य से स्वतंत्र कराने का युगांतकारी कार्य किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस हमेशा से ही युवाओं के प्रेरणा स्रोत

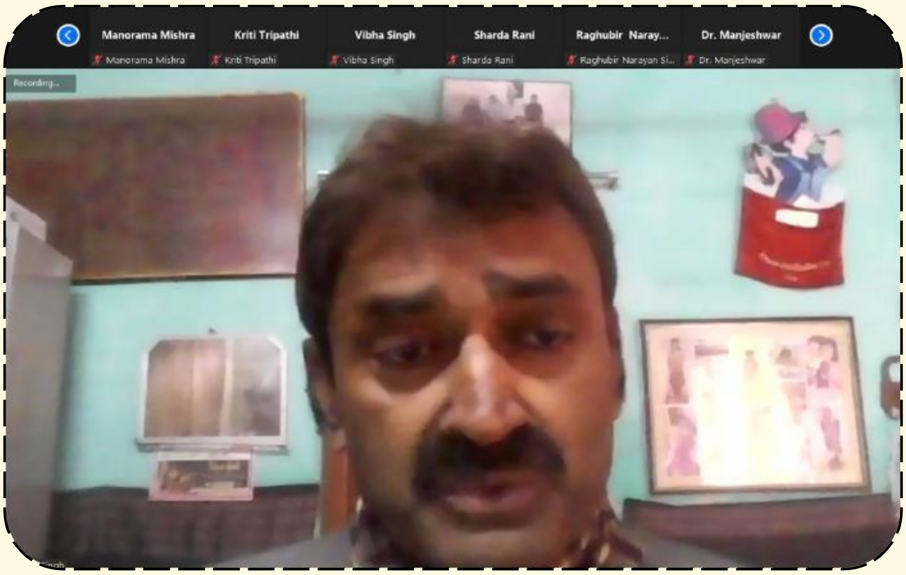

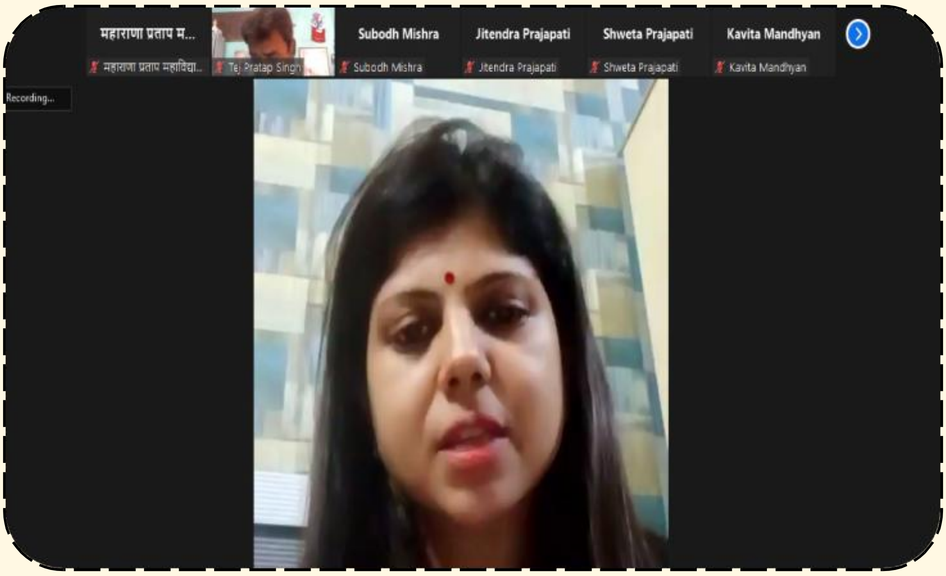

रहे हैं, और आगे भी रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेंद्र मोदी** ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को **पराक्रम दिवस** के रूप में मनाने की घोषणा भी की है। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि राष्ट्र के स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने व्यक्तिगत सुखों एवं सुविधाओं की असंख्य आहुतियां देने वाले ऐसे राष्ट्र नायकों को देश सदैव स्मरण करता रहेगा। हमारी वर्तमान एवं आने वाली युवा पीढ़ियों का यह दायित्व होना चाहिए कि ऐसे अमर शहीदों के सपनों के भारत के निर्माण में अपना शत प्रतिशत योगदान सुनिश्चित करें।

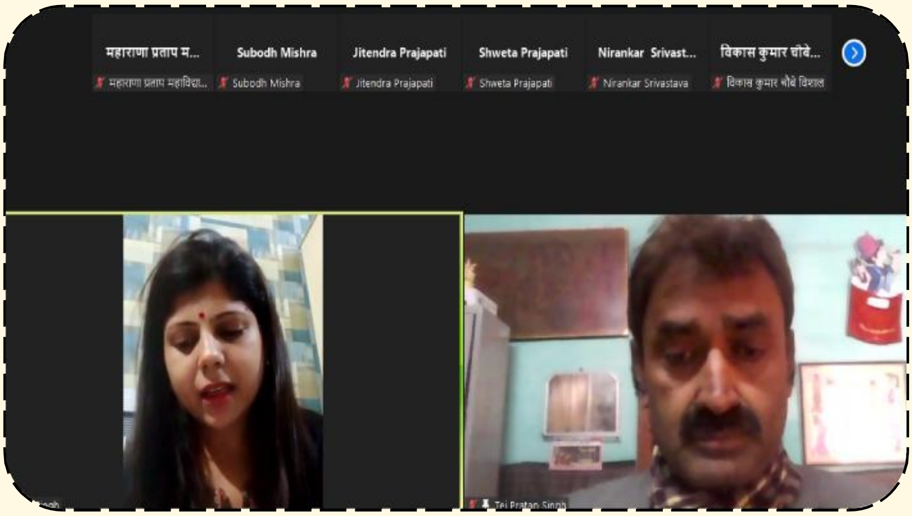

साथ ही साथ देश की शिक्षण संस्थाओं का भी यह धर्म होना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों को ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन चरित्र एवं कृतित्व से परिचित कराती रहें। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन बी.एड्. विभाग की प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने किया। इस ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन जूम ऐप पर किया गया जहां महाविद्यालय के अधिकांश शिक्षकों ने ऑनलाइन अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त व्याख्यान का प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज एवं यूट्यूब चैनल पर भी किया गया जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं सामान्य श्रोताओं ने व्याख्यान देखा एवं सुना।

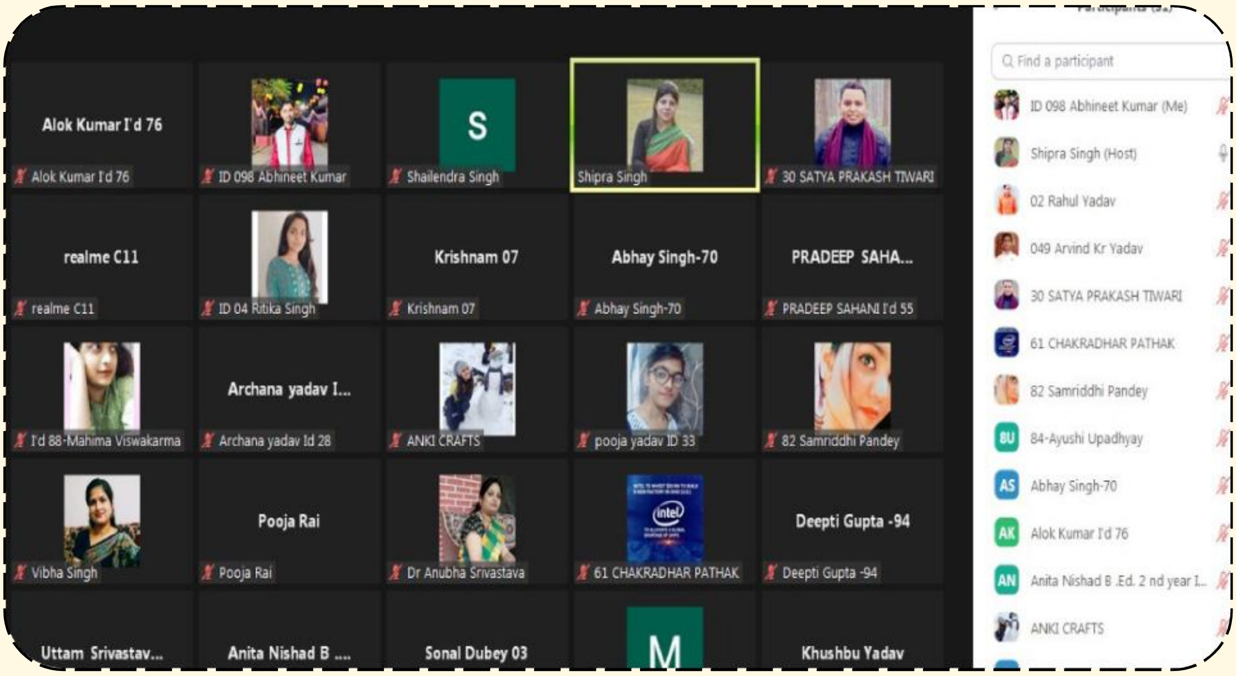

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

25 जनवरी, 2022 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य **श्री बृजभूषण लाल** ने अपने उद्बोधन मे कहा कि मतदान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार स्तम्भ है। जागरूक मतदाता राजनैतिक व्यवस्था की रीढ़ होते है। व्यापक जनसहभागिता ही मजबूत और सशक्त लोकतंत्र का मार्ग तैयार करती है। मतदान लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसहभागिता की अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा माध्यम होता है। चुनाव के द्वारा ही शासन–प्रशासन में जनता अपनी इच्छा और सहमति अभिव्यक्त करती है। इस दृष्टि से लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था में मतदाता और मतदान का अत्यधिक महत्व है। मतदान लोकतंत्र की आत्मा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य की याद दिलाने का दिन होता है। यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र में होने वाले प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की रखता है। इसलिए प्रत्येक मतदाता का वोट उसे राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनाता है। इसलिए भारत के प्रत्येक मतदाता को अपने मत का प्रयोग सोच समझ कर करना चाहिए। एक ऐसी सरकार और प्रतिनिधि चुनना चाहिए जो देश को विकास और तरक्की के मार्ग पर ले जा सके। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

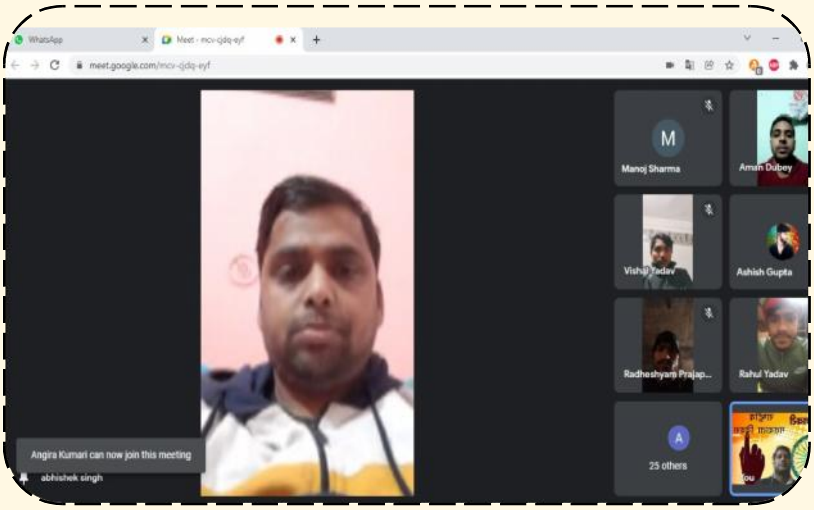

abhishek singh
Deepak maddheshiya
Aakash Mishra
Priya Prajapati
Ashish Gupta
Priyanka Prajapati
Ankita Nishad has left the meeting
Vishal Yadav
32 others
mcv-cjdq-eyf

mcv-cjdq-eyf
Shyamli
Aditya
Priya
Brij Bhushan
Shani
Ankush
Several participants left the meeting

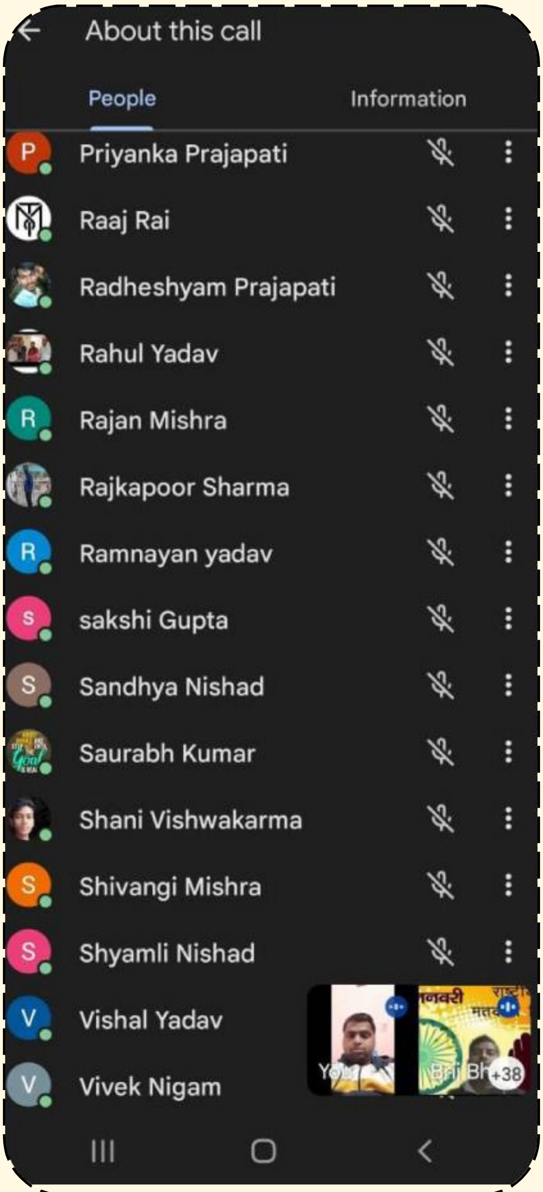
About this call
People
Information
Priyanka Prajapati
Raaj Rai
Radheshyam Prajapati
Rahul Yadav
Rajan Mishra
Rajkapoor Sharma
Ramnayan yadav
sakshi Gupta
Sandhya Nishad
Saurabh Kumar
Shani Vishwakarma
Shivangi Mishra
Shyamli Nishad
Vishal Yadav
Vivek Nigam

abhishek singh
Deepak maddheshiya
Aakash Mishra
Priya Prajapati
Ashish Gupta
Priyanka Prajapati
Ankita Nishad has left the meeting
Vishal Yadav
32 others
7:41 PM | mcv-cjdq-eyf

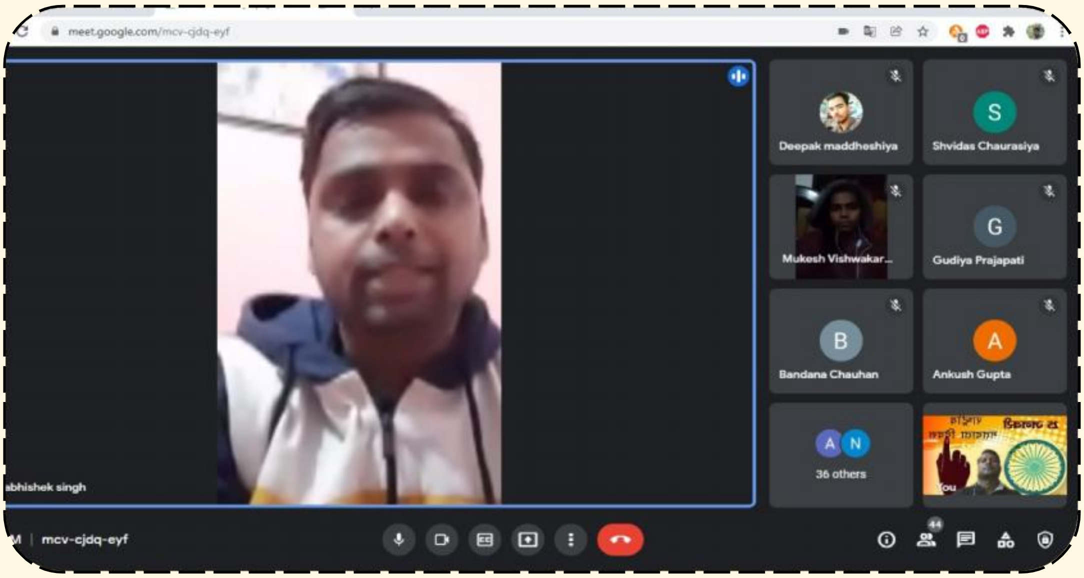
meet.google.com/mcv-cjdq-eyf
abhishek singh
Deepak maddheshiya
Shvidas Chaurasiya
Mukesh Vishwakar...
Gudiya Prajapati
Bandana Chauhan
Ankush Gupta
36 others
mcv-cjdq-eyf

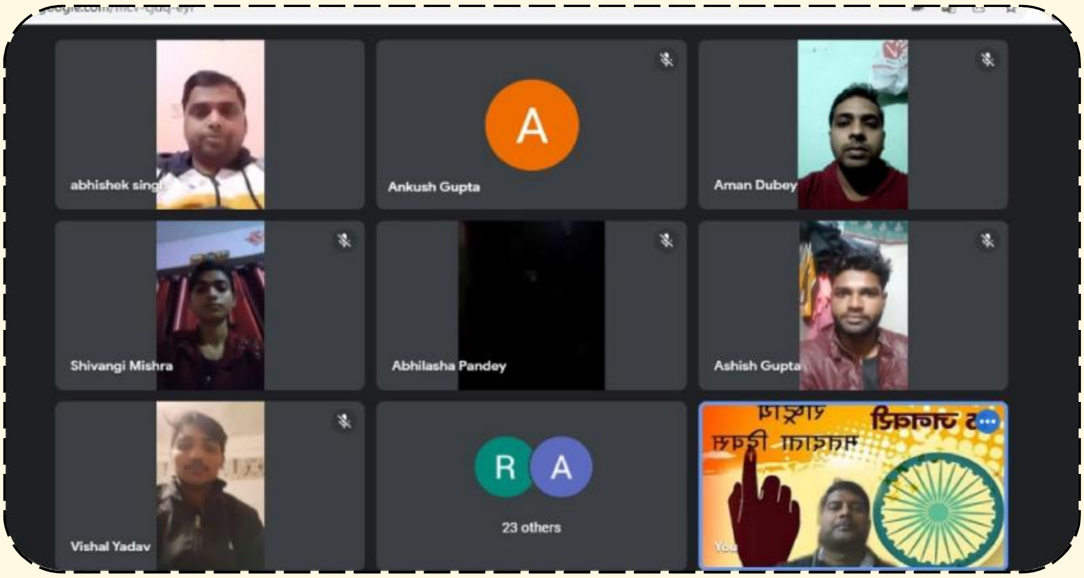
abhishek singh
Ankush Gupta
Aman Dubey
Shivangi Mishra
Abhilasha Pandey
Ashish Gupta
Vishal Yadav
23 others

रंगोली प्रतियोगिता

महाविद्यालय में **12 जनवरी से 26 जनवरी 2022** तक चलने वाले **भारत–भारती पखवाड़ा** के अन्तर्गत 25 जनवरी 2022 को **राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रंगोली प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य **श्रीमती विभा सिंह**, गृह–विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री रीतिका त्रिपाठी** तथा बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री दीप्ती गुप्ता** रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की **वैष्णवी**, द्वितीय स्थान बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की **महिमा विश्कर्मा** तथा तृतीय स्थान बी.काम. तृतीय वर्ष की **प्रीती चौरसिया** को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजक **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया।

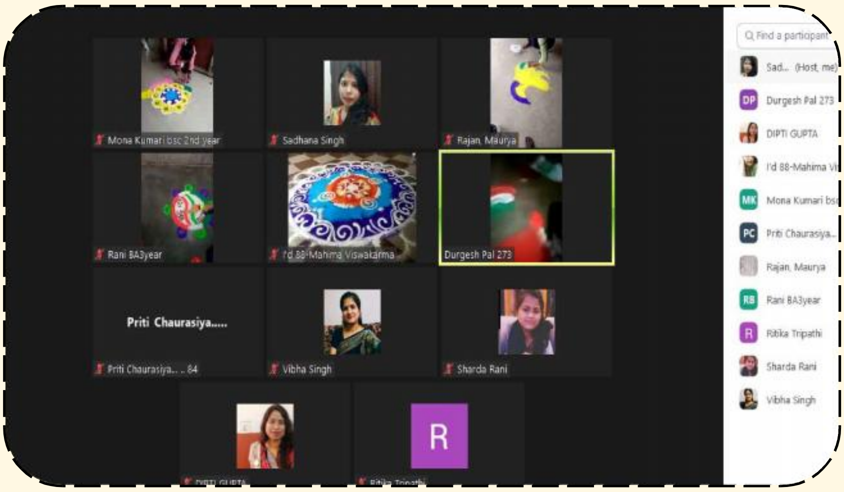

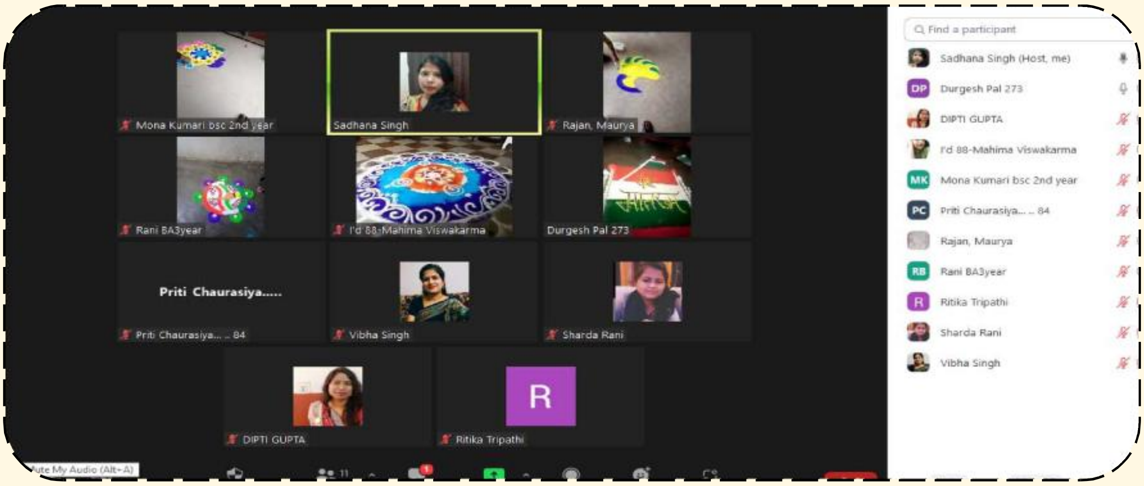

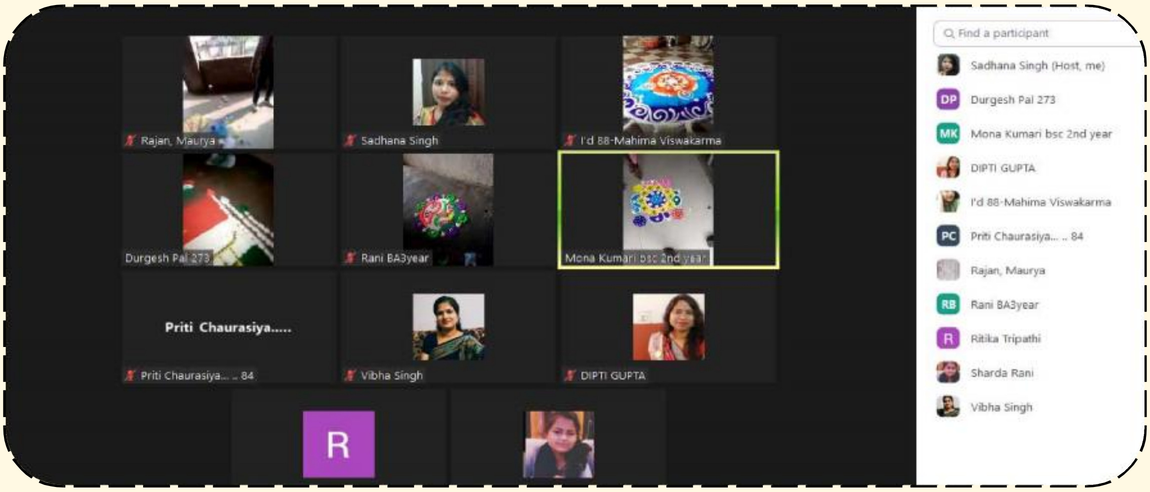

भारत–भारतीय पखवारा : समापन समारोह

गणतन्त्र दिवस

26 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय, में **73वे गणतंत्र दिवस समारोह** का आयोजन **ऑनलाइन माध्यम** से उल्लासपूर्वक किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने इस अवसर पर ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. राव ने कहा कि आज का यह दिन प्रत्येक भारतीय के आत्म मूल्यांकन का दिन है। उन्होंने कहा कि हम सभी को देश को विदेशी आधिपत्य से स्वतंत्र कराने हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले माँ भारती के वीर सपूतों का कृतज्ञ होना ही चाहिए। साथ ही उन अमर सपूतों के सपनो के भारत के निर्माण में प्राण–प्रण से अपना उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना चाहिए। देश के प्रत्येक शिक्षण संस्थानाओं का यह नैसर्गिक दायित्व होना चाहिए कि अक्षर ज्ञान के साथ–साथ देश प्रेम एवं राष्ट्र वन्दना का भाव विद्यार्थियों के चरित्र में अध्यारोपित किया जाय। महाविद्यालय अपने स्थापना वर्ष से ही इस दिशा में सचेत एवं सचेष्ट है। इस अवसर पर प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने महाविद्यालय के वर्ष भर की उपलब्धियों को श्रद्धांजलि स्वरूप स्वतंत्रता आन्दोलन के ज्ञात–अज्ञात उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के चरणों में अर्पित किया जिन्होंने देश के स्वतंत्रता की बलि वेदी पर अपने सुख–सुविधाओं की अनगिनत आहूतियां निरन्तर अर्पित की। इस ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन **जूम एप** पर किया गया जहां महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही साथ महाविद्यालय के **फेसबुक फेज** एवं **यू–ट्यूब चैनल** पर भी इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया जहाँ बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं श्रोताओं ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने तथा संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री शारदा रानी** ने किया।

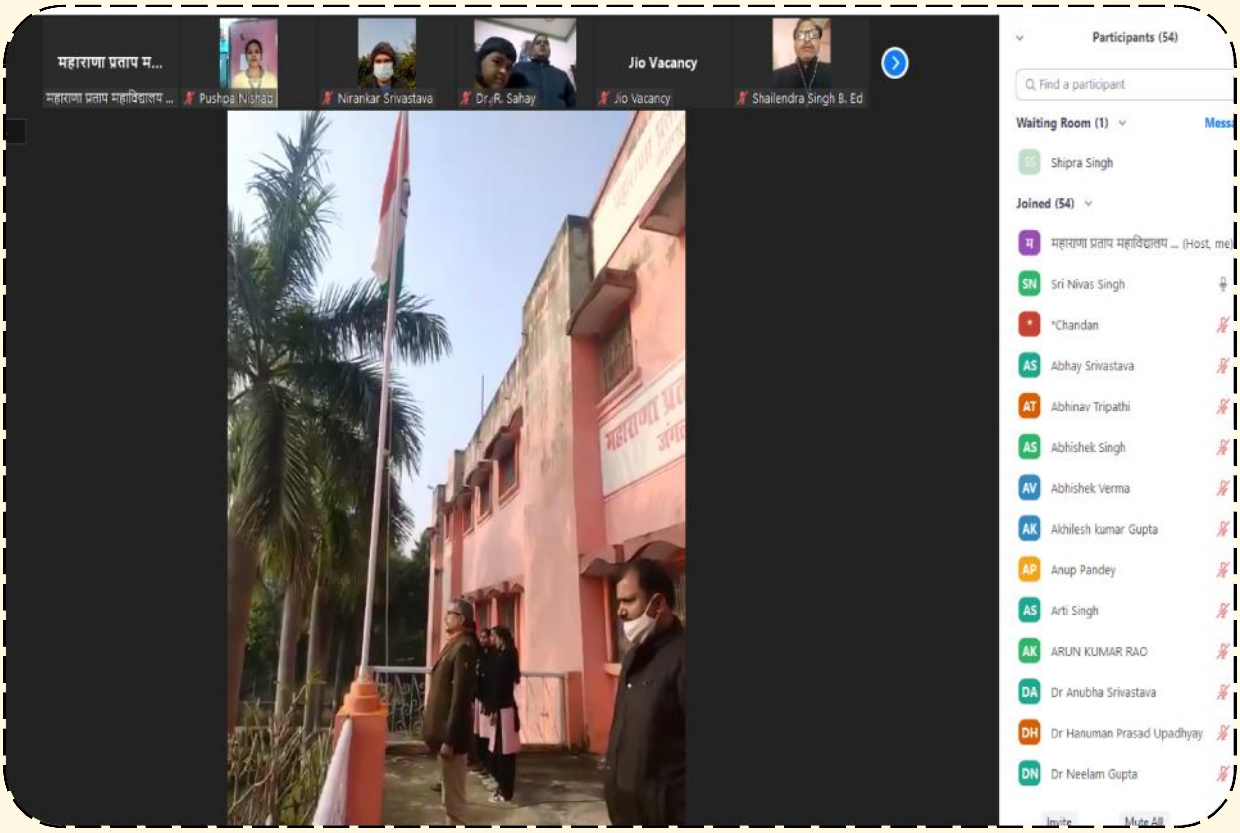

महाराणा प्रताप म...
महाराणा प्रताप महाविद्यालय ...
Pushpa Nishad
Nirankar Srivastava
Dr. R. Sahay
Jio Vacancy
Shailendra Singh B. Ed
Participants (54)
Find a participant
Waiting Room (1)
Shipra Singh
Joined (54)
महाराणा प्रताप महाविद्यालय ... (Host, me)
Sri Nivas Singh
*Chandan
Abhay Srivastava
Abhinav Tripathi
Abhishek Singh
Abhishek Verma
Akhilesh kumar Gupta
Anup Pandey
Arti Singh
ARUN KUMAR RAO
Dr Anubha Srivastava
Dr Hanuman Prasad Upadhyay
Dr Neelam Gupta

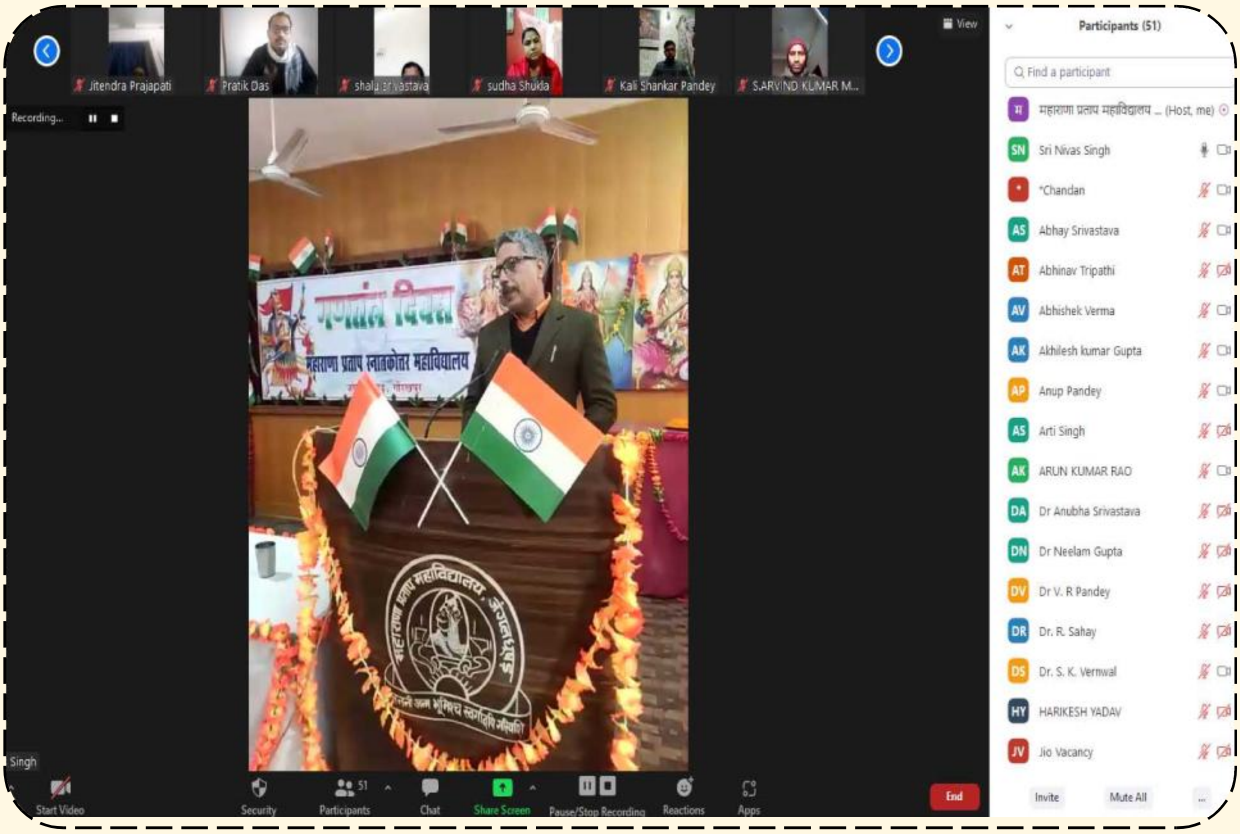

Jitendra Prajapati
Pratik Das
sudha Shukla
Kali Shankar Pandey
Recording...
गणतंत्र दिवस
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
Participants (51)
Find a participant
महाराणा प्रताप महाविद्यालय ... (Host, me)
Sri Nivas Singh
*Chandan
Abhay Srivastava
Abhinav Tripathi
Abhishek Verma
Akhilesh kumar Gupta
Anup Pandey
Arti Singh
ARUN KUMAR RAO
Dr Anubha Srivastava
Dr Neelam Gupta
Dr V. R Pandey
Dr. R. Sahay
Dr. S. K. Vermwal
HARIKESH YADAV
Jio Vacancy
Invite
Mute All
Start Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
Apps
End

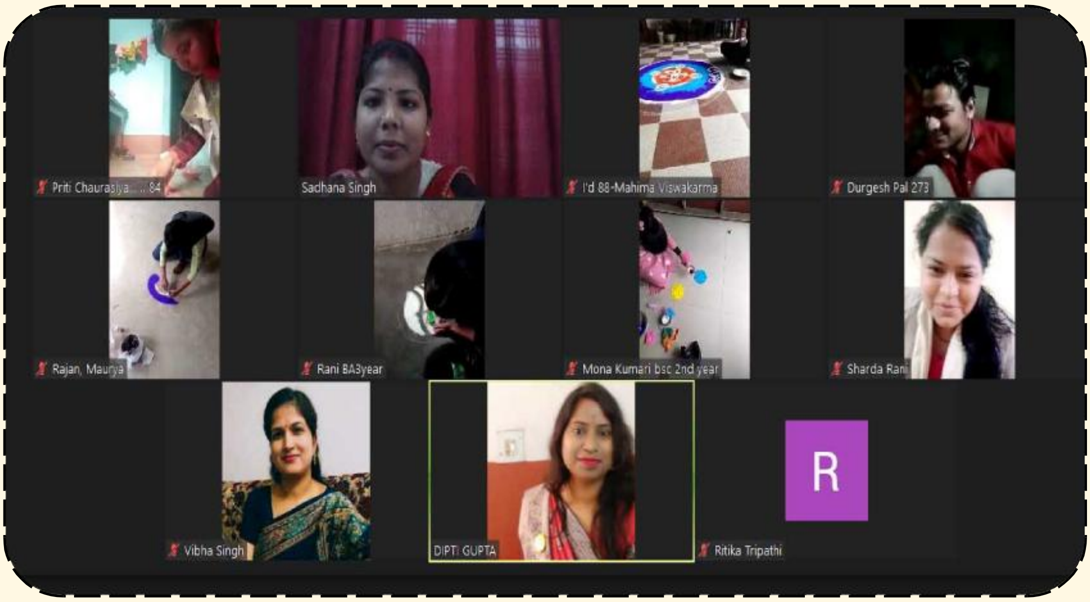
Priti Chaurasiya
Sadhana Singh
I'd 88-Mahima Viswakarma
Durgesh Pal 273
Rajan, Maurya
Rani BA3year
Mona Kumari bsc 2nd year
Sharda Rani
Vibha Singh
DIPTI GUPTA
R
Ritika Tripathi

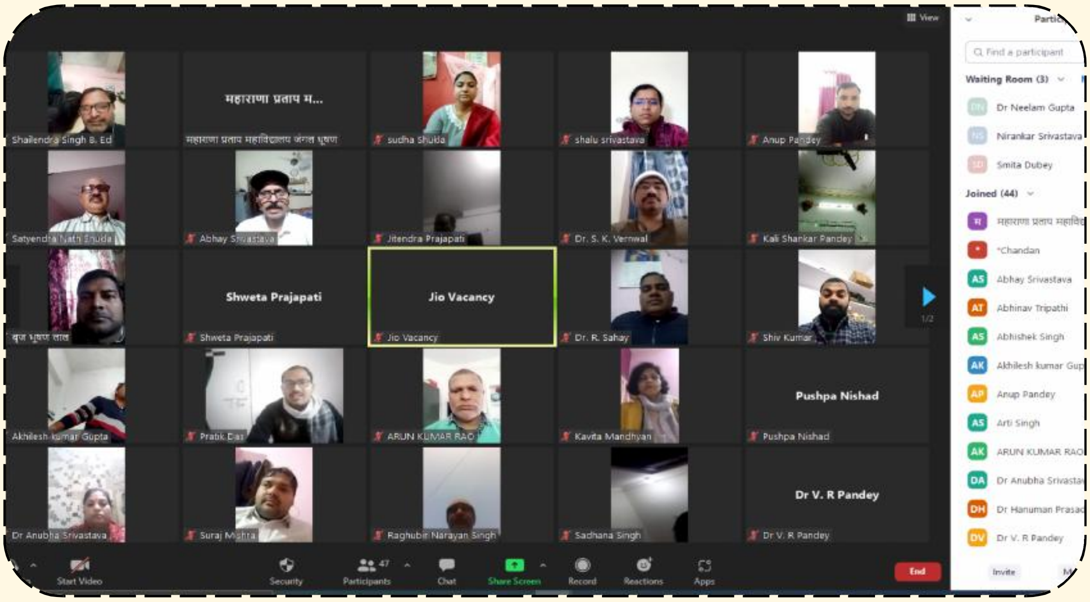
Shailendra Singh B. Ed
महाराणा प्रताप म...
महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़
sudha Shukla
shalu srivastava
Anup Pandey
Satyendra Nath Shukla
Abhay Srivastava
Jitendra Prajapati
Dr. S. K. Verma
Kali Shankar Pandey
Shweta Prajapati
Jio Vacancy
Dr. R. Sahay
Shiv Kumar
Akhilesh kumar Gupta
Pratik Das
ARUN KUMAR RAO
Kavita Mandhyan
Pushpa Nishad
Dr Anubha Srivastava
Suraj Mishra
Raghubir Narayan Singh
Sadhana Singh
Dr V. R Pandey
Find a participant
Waiting Room (3)
Dr Neelam Gupta
Nirankar Srivastava
Smita Dubey
Joined (44)
Chandan
Abhay Srivastava
Abhinav Tripathi
Abhishek Singh
Anup Pandey
Arti Singh
Start Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Record
Reactions
Apps
End
Invite

Sri Nivas Singh
महाराणा प्रताप म...
महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़
Nirankar Srivastava
shalu srivastava
Satyendra Nath Shukla
Abhay Srivastava
Jitendra Prajapati
Dr. S. K. Verma
Kali Shankar Pandey
Shweta Prajapati
Jio Vacancy
Shiv Kumar
ARUN KUMAR RAO
Pushpa Nishad
Suraj Mishra
Raghubir Narayan Singh
Anup Pandey
Chandan
SARVIND KUMAR MAURYA
Akhilesh Kumar Gupta
Shailendra Singh B. Ed
Dr Neelam Gupta
Abhishek Verma
Dr Anubha Srivastava
Find a participant
Waiting Room (2)
Message
Shipra Singh
Joined (54)
Abhinav Tripathi
Abhishek Singh
Akhilesh kumar Gupta
Arti Singh

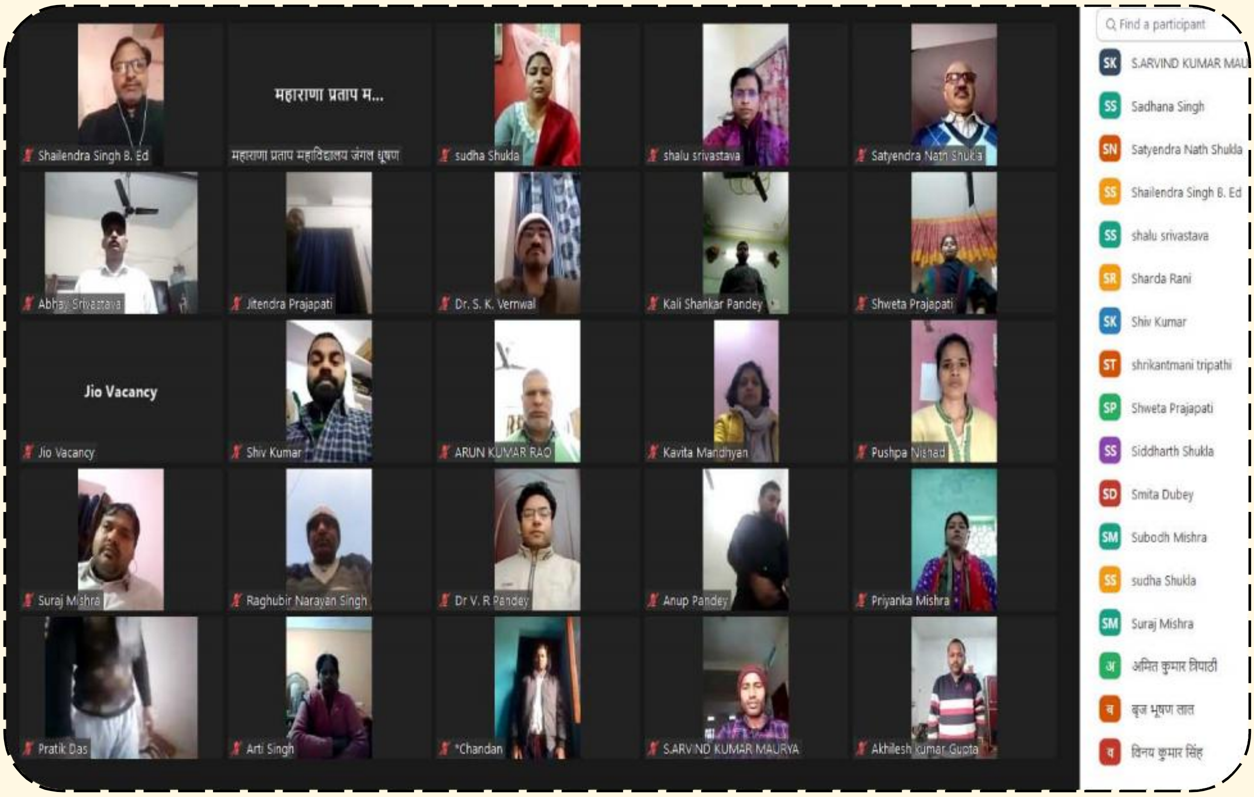
Shailendra Singh B. Ed
महाराणा प्रताप म...
महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूषण
sudha Shukla
shalu srivastava
Satyendra Nath Shukla
Abhay Srivastava
Jitendra Prajapati
Dr. S. K. Verma
Kali Shankar Pandey
Shweta Prajapati
Jio Vacancy
Shiv Kumar
ARUN KUMAR RAO
Kavita Mandhyan
Pushpa Nishad
Suraj Mishra
Raghubir Narayan Singh
Dr V. R Pandey
Anup Pandey
Priyanka Mishra
Pratik Das
Arti Singh
*Chandan
S.ARVIND KUMAR MAURYA
Akhilesh Kumar Gupta
Find a participant
S.ARVIND KUMAR MAU
Sadhana Singh
Satyendra Nath Shukla
Shailendra Singh B. Ed
shalu srivastava
Sharda Rani
Shiv Kumar
shrikantmani tripathi
Shweta Prajapati
Siddharth Shukla
Smita Dubey
Subodh Mishra
sudha Shukla
Suraj Mishra
अमित कुमार त्रिपाठी
बृज भूषण लाल
विनय कुमार सिंह

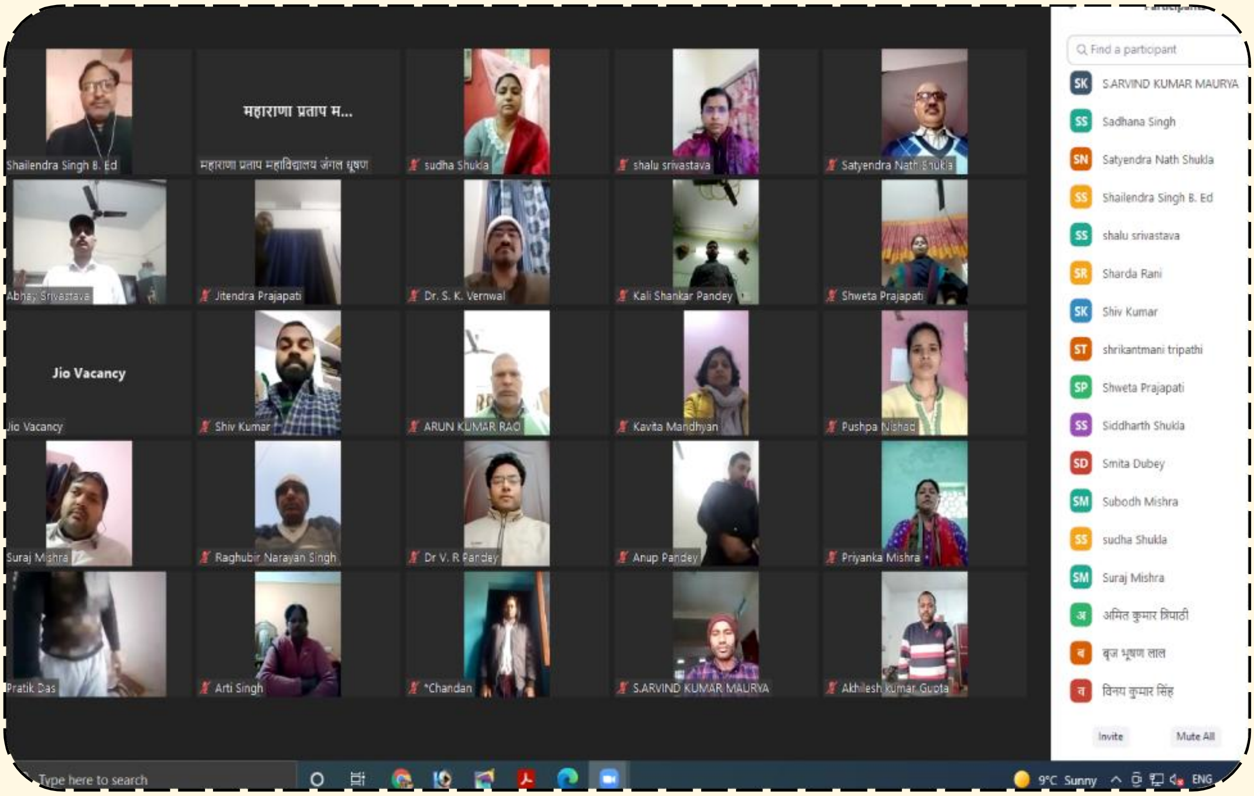
Shailendra Singh B. Ed
महाराणा प्रताप म...
महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूषण
sudha Shukla
shalu srivastava
Satyendra Nath Shukla
Abhay Srivastava
Jitendra Prajapati
Dr. S. K. Verma
Kali Shankar Pandey
Shweta Prajapati
Jio Vacancy
Shiv Kumar
ARUN KUMAR RAO
Kavita Mandhyan
Pushpa Nishad
Suraj Mishra
Raghubir Narayan Singh
Dr V. R Pandey
Anup Pandey
Priyanka Mishra
Pratik Das
Arti Singh
*Chandan
S.ARVIND KUMAR MAURYA
Akhilesh Kumar Gupta
Find a participant
S.ARVIND KUMAR MAURYA
Sadhana Singh
Satyendra Nath Shukla
Shailendra Singh B. Ed
shalu srivastava
Sharda Rani
Shiv Kumar
shrikantmani tripathi
Shweta Prajapati
Siddharth Shukla
Smita Dubey
Subodh Mishra
sudha Shukla
Suraj Mishra
अमित कुमार त्रिपाठी
बृज भूषण लाल
विनय कुमार सिंह
Invite
Mute All
Type here to search
9°C Sunny
ENG

सरस्वती पूजन

05 फरवरी को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति पूर्ण विधि–विधान से सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम में यजमान के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य **श्रीमती पुष्पा निषाद** उपस्थित रही। इस अवसर पर पूजन कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज व यू–ट्यूब चैनल पर भी किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी साथ ही इस अवसर पर महाविद्यालय में उपस्थित कर्मचारी एवं शिक्षकों ने भी पूजन कार्यक्रम में सहभाग किया।

समारोह
पूजन

मतदाता जागरूकता अभियान

24 फरवरी, 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। व्याख्यान में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय** के विधि विभाग के सहायक आचार्य **डॉ० शैलेष सिंह** ने कहा कि मतदान हम सबका अधिकार है। हम सबको अपने इस अधिकार का प्रयोग एक मजबूत लोंकतंत्र स्थापित करने के उद्देश्य से करना चाहिए। एक मजबूत लोकतंत्र किसी भी राष्ट्र के सामर्थ्य एवं शक्ति को दर्शाता है। यदि हम सबको भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलानी है, तो एक मजबूत लोकतंत्र की स्थापना के लिए मतदान करना हम सबकी नैतिक जवाबदेही है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय** के **राजनीति विज्ञान विभाग** के सहायक आचार्य **डॉ महेन्द्र कुमार सिंह** नें स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जागरूक मतदाता देश के जागरूक नागरिक होते हैं, और किसी देश के नागरिकों की जागरूकता ही देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने का कार्य करती है। इतिहास इस बात का गवाह है कि जिस देश के नागरिक अपने सरकार के प्रति जागरूक नही रहें, उनकी पहचान मिट गई और विदेशियों ने उन पर अपना अधिकार कर लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने तथा संचालन **श्री बृजभूषण लाल** ने किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की प्रस्ताविकी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान
दिनांक - 24.02.2022
राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़,

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

28 फरवरी, 2022 को महाविद्यालय में **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में गणित विभाग के सहायक आचार्य **श्री प्रतीक दास** ने उद्‌बोधन देते हुए कहा कि **विज्ञान दिवस** का मूल उद्‌देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित एवं प्रेरित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। विज्ञान के बिना विकास की राह में तीव्रता से आगे नही बढ़ा जा सकता है। विज्ञान से गलत धारणा और अंधविश्वासों का विनाश होता है। विज्ञान और तकनीक को प्रसिद्ध करने के साथ ही देश के नागरिकों को इस क्षेत्र में मौका देकर नई ऊंचाइयों का हासिल करना भी इसका मुख्य उद्‌देश्य है। देश के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच का प्रसार आवश्यक है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस जैसे आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रसार में निश्चित रूप में सहायक सिद्ध हो सकते है। कार्यक्रम का संचालन व आभार **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

द्वितीय एक दिवसीय शिविर

06 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्री गोरखनाथ) के संयुक्त तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं द्वारा महाविद्यालय से अभिगृहित गांव तक यातायात जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न नारों, बैनर, तख्ती एवं पोस्टर के माध्यम से अभिगृहित गांव से सटे कस्बाई स्थानों पर साफ–सफाई की एवं लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि यातायात के नियम का पालन करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। आये दिन दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं। इसका कारण यातायात के नियमों के पालन के प्रति लोगों की उदासीनता है हम सबको हर हाल में यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। द्वितीय एक दिवसीय शिविर के अवसर पर सायंकालीन बौद्धिक सत्र एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान के सहायक

आचार्य **श्री विनय कुमार सिंह** ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से जीवन में स्वानुशासन को सीखता है। हमारे जीवन में अनुशासन का बड़ा महत्व है। यह कार्यक्रम समय प्रबन्धन, अभिव्यक्ति क्षमता को सुदृढ़ करके राष्ट्र सेवा के भाव को सामुदायिक सेवा से जोड़ता है। इसके पूर्व स्वयंसेविकाओं ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना बोधगीत आदि प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका **शिवानी मद्धेशिया** ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** एवं **श्री बृज भूषण** लाल उपस्थित रहे।

तृतीय एक दिवसीय शिविर

20 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्री गोरखनाथ) के संयुक्त तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से अभिगृहित गांव तक संक्रमक बिमारियों से सम्बन्धित जनजागरण रैली निकाली गई। इस रैली में स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने बैनर, तख्ती, पोस्टर एव विभिन्न नारों के माध्यम से ग्रामवासियों को संक्रामक बिमारियों का स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावो के प्रति जागरूक किया एवं इन बिमारियों से बचने के उपाय के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर शिविरार्थियों ने घर–घर जागर नाली, सड़क एवं जल–जमाव की समस्या को दूर करने के लिए जनप्रतिनिधियों से सीधे तौर पर बात की एवं उसे जल्द ठीक करने के लिए आग्रह किया। शिविरार्थियों ने सड़कों, नाली एवं मंदिर के आस–पास साफ–सफाई के प्रति ग्रामवासियों को साफ–सफाई के महत्व को स्वास्थ्य से सम्बन्धित करके समझाया। तृतीय एक दिवसीय शिविर के बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि स्वच्छता से हम न सिर्फ खुद को बल्कि अन्य लोगों को प्रेरित करके गम्भीर बिमारियों से बच सकते हैं। उचित पोषण से शरीर की प्रतिरोधक सकता को सशक्त करके बिमारियों से बचा जा सकता है क्योंकि स्वथ्य शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। इसके पूर्व शिविरार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत, भजन, गीत, लोकगीत एवं कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक **सौरभ कुमार** ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** एवं **श्री बृजभूषण लाल** उपस्थित रहे।

चौथा एक दिवसीय शिविर

27 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्री गोरखनाथ) के संयुक्त तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में चौथे एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। चौथे एकदिवसीय शिविर के अवसर पर शिक्षा एवं जनजागरण रैली निकाली गई। रैली में स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने तख्ती, पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स एवं विभिन्न नारों से ग्रामवासियों को शिक्षा के महत्व, स्वास्थ्य, स्वच्छता ग्रामवासियों को शिक्षा के महत्व, स्वास्थ्य, स्वच्छता के लाभ आदि विषयों पर जागरूक किया। रैली के उपरान्त शिविरार्थियों ने अभिगृहित गांव हसनगंज में श्रमदान किया एवं लोगों से अपील की कि साफ–सफाई से आपके परिवार एवं अन्य लोग बिमारियों से कैसे बच सकते है। इस अवसर पर शिविरार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वास्थ्य को स्वच्छता से सम्बन्धित करके मंचन किया। चौथे एक दिवसीय शिविर में बौद्धिक सत्र में बतौर मुख्य अतिथि महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक सेवा का माध्यम है। लोगों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य, सरकारी योजनाओ के प्रति जागरूकता, सामाजिक समस्याओं पर चिन्तन करना ही सच्ची समाज सेवा है। राष्ट्रीय सेवा योजना सामुदायिक भावना का विकास करने का एक सशक्त माध्यम है।

इसके पूर्व शिविरार्थियों ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, एकल गीत, नृत्य, समूह नृत्य, लोकगीत, देशभक्ति गीत एवं नाटक आदि प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका सोनिका सिंह ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** एवं **श्री बृजभूषण लाल** उपस्थित रहे।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन

08 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ अभिगृहित ग्राम हसनगंज में हुआ। उद्घाटन अवसर पर **मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने कहा कि शिक्षा अन्ततः सेवा है। यह सेवा समाज, राष्ट्र और प्रकृति तक विस्तृत हो जाती है, तो उसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। शिक्षा के साथ संस्कार तथा नैतिकता शिक्षण–प्रशिक्षण के मूल में है। इस महाविद्यालय ने इन मानकों एवं मूल्यों को जीवन्त किया है। श्रम युवा की शोभा है और सेवा उसकी ताकत। युवा जब भी परिवर्तन के लिए उन्मुख होता है, तब देश समाज की दिशा बदल जाती है। भावी भारत की तस्वीर बनाने वाला नौजवान राष्ट्रीय सेवा योजना की पाठशाला में सुसंस्कृत एवं अनुशासित होकर एक नए भारत की रचना में आगे बढ़ रहा है। आगे उन्होने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप इस शिविर में जितना तपेंगे उतना निखरेंगे। साप्ताहिक शिविर से तपकर गांव और ग्रामवासियों का अपना बनकर शिविर सम्पन्न करें, वहीं सफलता है। शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के वरिष्ठ प्रवक्ता **श्री सुधीर कुमार सिंह** ने कहा कि भारत की ताकत उसकी युवा शक्ति है और युवाओं की ताकत राष्ट्रीय सेवा योजना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयंसेवक विपरीत परिस्थितियों में भी सुगमतापूर्वक चुनौतियों का समाधान करने में सफल होता है। नेतृत्व क्षमता आज के समय में किसी भी युवा के सफलता की कुंजी है। सामुदायिकता की भावना भारत की सामाजिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है। सामूहिक जीवन द्वारा बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान सम्भव है। राष्ट्रीय सेवा योजना सामुदायिक जीवन एवं श्रम–सेवा को साधने के मंत्र

का ही नाम है। समारोह की अध्यक्षत करते हुए महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना समाजसेवा का बड़ा मंत्र है। समाज के संसाधन विहीन लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सचेत कर ग्रामीण भारत को विकसित भारत के साथ जोड़ने का सुखद अवसर प्राप्त किया जा सकता है। हम स्वास्थ्य, शिक्षा, समरसता, राष्ट्रीयता एवं भारतीयता के प्रति सभी को जागरूक करें। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक **ज्ञानेन्द्र पाण्डेय** तथा प्रस्ताविकी राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने प्रस्तुत की एवं सभी सम्मानित अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत तथा समापन वन्देमातरम के साथ हुआ। इस अवसर पर समस्त शिविरार्थी के साथ महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का दूसरा दिन

09 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. हर्ष सिन्हा** ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पूरे विश्व पर तृतीय विश्व युद्ध के बादल छाए हुए हैं। यूक्रेन और रूस के बीच चलने वाला युद्ध थमने का नाम नही ले रहा है, और दोनो देशों की तल्खियां पूरे विश्व को खतरे में डालती जा रही है। इस युद्ध से भारत प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों तरह से प्रभावित है। भारत के हजारों छात्रों की शिक्षा एवं भविष्य दांव पर लगा हुआ है। इस युद्ध से भारत के इन दोनों देशों के साथ होने वाले आर्थिक एवं व्यापरिक सम्बन्ध भी प्रभावित हुए हैं। यूक्रेन और रूस से आयात किये जाने वाले वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। यूक्रेन–रूस युद्ध दक्षिण–एशिया के साथ–साथ पूरे विश्व के स्त्रातजिक समीकरण को भी बदल रहा है। इस युद्ध का परिणाम सम्पूर्ण विश्व की राजनीति के साथ–साथ भू–स्त्रातजिक नीतियों को एक नयी दिशा देगा। भारत इस प्रयास में है कि दोनों देश जल्द से जल्द युद्ध को समाप्त करें और विश्व में शान्ति और सुरक्षा का वातावरण पुनः स्थापित हो।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक **श्री राहुल यादव** ने की एवं कार्यक्रम के अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक के साथ–साथ महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इससे पूर्व प्रातः काल में शिविरार्थियों ने प्रशिक्षक **कृष्ण कुमार सिंह** ने

निर्देशन में योग–व्यायाम एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। तत्पश्चात शिविरार्थियों ने अधिगृहित गांव हसनगंज में स्वच्छता एवं स्वस्थ्य पर जनजागरण रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का कार्य किया। सायंकालीन सत्र में निश्चित दिनचर्या के अनुसार सभी शिविरार्थियों हेतु महाविद्यालय के शारीरिक

शिक्षा विभाग के प्रभारी **डॉ.एस.एन.शुक्ल** के निर्देशन में खेल–कूद का आयोजन हुआ। जिसमें कबड्डी, वालीबाल, फूटबाल, खो–खो आदि खेलकूद में शिविरार्थियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। सायंकालीन सत्र में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें शिविरार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, देश भक्ति, गीत–भजन एवं सामाजिक मुद्दों के विषयों से सम्बन्धित अपनी प्रस्तुतियां दी।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का तीसरा दिन

10 मार्च, 2022 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र में **मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के विधि विभाग के सहायक आचार्य प्रो. टी. एन. मिश्र** ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मीडिया समाज के आइने के रूप में जाना जाता है। जिस प्रकार सामाजिक परिवेश विकसित होता है, उसी प्रकार मीडिया भी उस परिवेश को प्रदर्शित करने का प्रयास करती है। जिस प्रकार से सूचना तकनीकी का विकास समाज में देखने को मिल रहा है, उसी अनुपात में सोशल मीडिया भी समाज पर अपना विशेष प्रभाव दिखा रही है। सोशल मीडिया भी समाज पर अपना विशेष प्रभाव दिखा रही है। सोशल मीडिया की सक्रियता, सामाजिक, जागरूकता की पहचान बन चुकी है जो समाज सोशल मीडिया पर ज्यादा सक्रिय है, इस समाज पर उनका ज्यादा प्रभाव है और सामाजिक निर्णयों के साथ–साथ प्रशासनिक एवं सरकार के निर्णयों को निर्धारित करने में उस समाज की महत्वपूर्ण भूमिका देखी जा सकती है। लेकिन सोशल मीडिया की कुछ निहित खामियां भी हैं, जो कभी–कभी समाज का बहुत अधिक नुकसान पहुंचाने का कार्य भी करती है। सोशल मीडिया कभी–कभी सूचनाओं की प्रमाणिकता को साबित नहीं कर पाती है, जिसके कारण यदा–कदा समाज को गलत एवं भ्रमित करने वाली सूचनाओं का शिकार होना पड़ता है इससे सबसे ज्यादा प्रभावित उस समाज का युवा वर्ग होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के **उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने की। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक **श्री आदित्य कुमार प्रजापति** ने एवं अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने किया। इस सप्तदिवसीय

शिविर के तीसरे दिन सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय के आस–पास के गांवो में शिक्षा एवं जागरूकता रैली निकाली और गांवो में महिला शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के प्रति ग्रामवासियों को जागरूक करने का प्रयास किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थियों ने आस–पास के गांवों में साफ–सफाई के लिए श्रमदान भी किया। सांय कालीन सत्र में तय दिनचर्या के अनुसार सभी शिविरार्थियों विभिन्न खेलों बालीबॉल, फुटबाल, कबड्डी आदि में प्रतिभाग किया। सायंकालीन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि वाणिज्य विभाग विभागाध्यक्ष **श्री नन्दन शर्मा**, मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. अमित त्रिपाठी** एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** एवं **श्री बृजभूषण लाल** उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिविरार्थियों ने लोकगीत, हास्तव्यंग, नाटक देशभक्ति गीत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना से सम्बन्धित विषयों पर अपनी–अपनी प्रस्तुतियां दी।

10/03/2022
शिक्षा एवं स्वास्थ्य जन-जागरूकता रैली
आयोजक
राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

शिक्षा एवं स्वास्थ्य जन-जागरूकता रैली
राष्ट्रीय सेवा योजना

10/03/2022
आयोजक
राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन

11 मार्च, 2022 को सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन बौद्धिक सत्र में **मुख्य अतिथि किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेवरही कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. वेदप्रकाश पाण्डेय** ने कहा कि मानव सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है। ईश्वर की अनुपम कृतियों में से मानव एक कृति है।

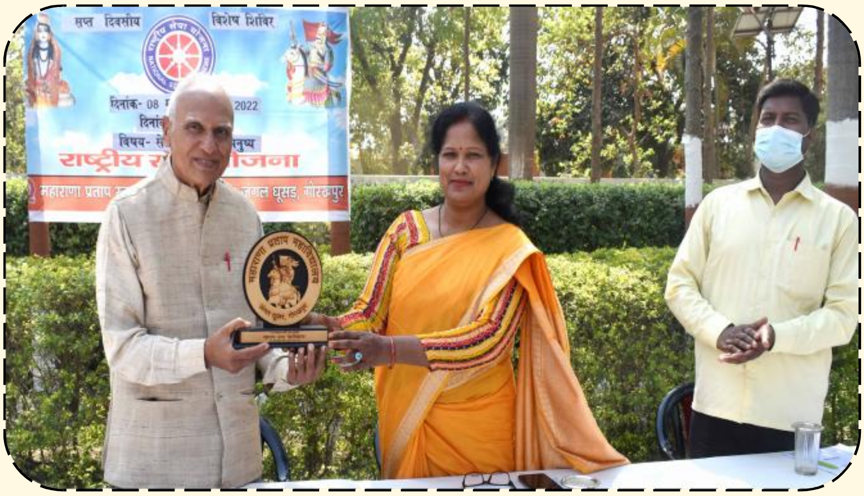

दुनियां के अनेको महान पुरूषों ने मानव सेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और वे पूरे विश्व के लिए अमर हो गये। जीवन का आनन्द और जीवन का सुख असहाय लोगों की सेवा करने में ही है। इसमें ईश्वरीय आनन्द की प्राप्ति होती है। महात्मा गांधी ने सच ही कहा है कि दुखियों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। आज दुनिया में हर कोई महान बनना चाहता है, परन्तु इन्सान बनकर लोगों की सेवा करना सभी के लिए आसान नहीं है। इसके लिए तपस्या और त्याग की जरूरत पड़ती है। भारत के महान कवि तुलसी दास जी ने **'रामचरित मानस'** में मानव सेवा को सर्वश्रेष्ठ माना है। उन्होंने लिखा है **'परहित सरिस धरम नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई'**। अर्थात् दूसरों की सेवा करने से बड़ा विश्व का कोई धर्म नहीं है, और दूसरों की कष्ट एवं पीड़ा। पहुंचाने से बड़ा कोई पाप नहीं है। इसी तरह **अरविन्द घोष** जी ने भी कहा है कि मनुष्य जीवन में भगवान को अभियक्त करना ही मनुष्य का मनुष्यत्व है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के केन्द्र में भी मानव सेवा ही है। यह उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ उनके अन्दर समाज एवं मानव सेवा की भावना को विकसित करना है, जिससे कि देश एवं समाज को मानवता के रास्ते पर ले जाया जा सके। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित इस चौथे विशेष शिविर की अध्यक्षता महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष **डॉ0 आरती सिंह** ने किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक **श्री आदर्श कुमार शर्मा** ने किया एवं कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृज भूषण लाल** ने सभी मंचस्थ अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन सभी स्वयंसेवकों ने अभिगृहित गांव हसनगंज साफ–सफाई कर श्रमदान किया

एवं संक्रामक बिमारियों के प्रति सभी ग्रामवासियों को जागरूक किया। इससे पूर्व प्रातः काल में शिविरार्थियों ने योग प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह के निर्देशन में योगाभ्यास व प्राणायाम किया। सायंकालीन सत्र में

तय दिनचर्या के अनुसार सभी शिविरार्थियों ने महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. एस.एन.शुक्ल के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के खेलों में अपनी सहभागिता की। शिविर के चौथे दिन सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महाविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनूप कुमार पाण्डेय एवं श्री अभिषेक त्रिपाठी रहे। इस अवसर पर शिविरार्थियों ने विविध गीत, नृत्य, नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता की।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का पाँचवा दिन

12 मार्च, 2022 को सप्तदिवसीय विशेष शिविर के पाँचवे दिन बौद्धिक सत्र में **मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र** ने कहा कि हमारे वेदों में ज्ञान, कर्म, उपासना एवं विज्ञान की व्यापक व्याख्या एवं उसके उपदेश दिये गये है। जो भारतीय समाज में स्पष्ट देखे जा सकते हैं। धर्म केवल एक आस्था और उपासना का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे प्रतिदिन एवं प्रतिक्षण की जीवन जीने की विधा एंव कला दोनों है। यही कारण रहा है कि भारत पर चाहे जितने भी विदेशी आघात हुए। भारत की संस्कृति, धर्म, पहचान और उसके अस्तित्व को समाप्त न कर सके जबकि दुनिया की अनेकों संस्कृतियां अपना अस्तित्व न बचा पायी और विलुप्त हो गई। इस सप्तदिवसीय शिविर के पांचवे दिन **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर पुरातत्व विभाग के आचार्य प्रो0 राजवन्त राव ने** कहा कि इस संसार में जो भी वस्तु है उन सभी वस्तुओं का अपना एक धर्म होता है। यह धर्म सजीव एवं निर्जीव दोनों वस्तुओं का होता है। उसी धर्म से उसकी पहचान होती है, और वह अन्य सभी वस्तुओ से भिन्न होता है। ओर जब वह वस्तु अपना धर्म खोने लगती है तो वह अपनी पहचान और अस्तित्व दोनो खो देती है। इसी प्रकार मानव और समाज का भी अपना धर्म होता है जिसे खो देने पर उसकी पहचान और अस्तित्व समाप्त हो जाता है। आगे उन्होंने कहा कि भारतीय समाज और भारत देश का भी अपना एक विशेष धर्म है। महर्षि कणाद ने कहा कि **'यतो अभ्युदय निःश्रेयस सिद्धिः सधर्म'** अर्थात् जिससे मनुष्य का लौकिक एंव आध्यात्मिक उन्नति हो वही धर्म है। वेद हमारी संस्कृति और समाज की एक पहचान है जिसकी झलक पूरे भारत में हमें विभिन्न रूपों में दिखाई देती है। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक **श्री विशाल प्रसाद** ने किया। कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने सभी

अतिथियों एवं स्वयंसेवकों को आभार ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इससे पूर्व प्रातः काल में शिविरार्थियों ने स्वामी विवेकानन्द केन्द्र चेन्नई से योग प्रशिक्षित **श्री कृष्ण कुमार सिंह** द्वारा योग के विविध उपागम जैसे– प्राणायाम, कपालभांति, सूर्यनमस्कार, भ्रष्तिका आदि का अभ्यास कराया गया। इसके उपरान्त सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा अभिगृहित गांव हसनगंज में जनजागरूकता रैली निकाली और घर–घर जाकर लोगों को राज्य व केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी और सम्बन्धित योजनाओं के प्रति ग्रामीणों की जागरूकता बढ़ाई। सायंकालीन सत्र में निश्चित दिनचर्या के अनुसार सभी शिविरार्थियों ने विभिन्न प्रकार के खेलों में प्रतिभाग किया। सायंकालीन सांस्कृतिक संध्या के अवसर पर सभी शिविरार्थियों ने विभिन्न प्रकार के लोकगीत, नृत्य, समूह नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किया।

विशेष शिविर
राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME
दिनांक- 08 मार्च से 14 मार्च 2022
भारतीय जीवन में धर्म की अवधारणा
राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़,
दिनांक- 12.03.2022

सप्त दिवसीय
विशेष शिविर
दिनांक- 08 मार्च से 14 मार्च 2022
सांस्कृतिक संध्या
राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
दिनांक- 12.03.2022

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का छठां दिन

13 मार्च, 2022 को सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन बौद्धिक सत्र में **मुख्य अतिथि महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह** ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है, जिसमें समाज स्वयं को निहारते हुए खुद को ठीक करने का कार्य करता है। साहित्य में समाज का हित करने का उद्देश्य निहित है। वास्तव में साहित्य का उद्देश्य हमारे अनूभूतियों की तीव्रता को बढ़ाने के अलावा वर्तमान समाज और भविष्य के पथ–प्रदर्शक का खोज करना होना चाहिए। इसलिए जिस समय साहित्य की रचना की जाती है उस समय की परिस्थितियों का समावेश अवश्य ही होना चाहिए। आगे उन्होंने कहा साहित्य केवल श्रृगांरिक मनोभावों और उनसे उत्पन्न होने वाली विरह–व्यथा, निराशा आदि तक ही सिमट कर रह जाएगा तो वह उस जाति और उस गुण के लिए कभी गर्व करने लायक नहीं हो सकता और न ही उससे उसकी सुरूचि प्रमाणित हो सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने कहा कि प्रत्यक्ष अनुभव द्वारा लिखित साहित्य निश्चित तौर पर उपयोगी सिद्ध होती है, लेकिन कल्पना के माध्यम से मनोविज्ञान साहित्य की रचना का दूरदर्शी बोध होना चाहिए, तब

कहीं जाकर कालजयी कृति की रचना संभव है। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक **श्री सौरभ कुमार** ने एवं आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इसके पूर्व प्रातः काल में शिविरार्थियों ने योग प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह ने निर्देशन में योग व्यायाम किया। इसके उपरान्त अभिगृहित ग्राम हसनगंज में यातायात जागरूकता रैली निकाल गई जिसमें सभी शिविरार्थियों ने स्थानीय कस्बों में यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया। सायंकालीन सत्र में निश्चित दिनचर्या के अनुसार सभी शिविरार्थियों ने शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी **डॉ. एस.एन. शुक्ल** के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के खेलों में अपनी सहभागिता की। सायंकालीन सांस्कृतिक संध्या के अवसर पर शिविर के छठे दिन ''**कैम्प फायर**'' का आयोजन हुआ इसके उपरान्त सभी शिविरार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना बोध गीत के साथ ''कैम्प फायर'' का शुभारम्भ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह

14 मार्च, 2022 को सप्तदिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के **मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के जीवनव्रती कार्यकर्ता श्री अश्विनी कुमार** ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास समाज सेवा की भावना और राष्ट्रनिर्माण में महती भूमिका निभाती है। स्वच्छता राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है जो आज सम्पूर्ण भारत का अभियान बन गया है। अनुशासन और सहनशीलता के माध्यम से आनन्द और ऊर्जा की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करने का बड़ा माध्यम है राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर जीवन और जगत का भला करने के बड़े उद्देश्य हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना एक वृहद मंच प्रदान करता है। आगे उन्होने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामूहिकता की भावना का विस्तार करने की प्रेरणा का अवसर प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण प्रकल्प है।

स्वयं के अन्दर सकारात्मक सोच पैदा करने में सामुदायिकता की भावना बल प्रदान करती है। अन्तिम समय तक अच्छा सोचें, परिणाम अवश्य मिलेगा। सामन्जस्य और धैर्य का समन्वय ही सफलता की गारंटी है। प्रकृति से मानव जीवन का सामन्जस्य भविष्य के भारत का आधार है। दायित्व और कर्तव्य के प्रति समपर्ण का यही बोध राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का उद्देश्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे **राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड्गवासला के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. राजेन्द्र**

भारती ने कहा कि गोरक्षपीठ का सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता का साक्ष्य ही राष्ट्रीय सेवा योजना की दृष्टि है। सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदना और उनके सकारात्मक हल जानने का प्रयास ही स्वयंसेवकों के आत्मसम्मान को बढ़ायेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होने कहा कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से हम सभी में सामुदायिक रूप से कार्य करने तथा समूह में रहन–सहन के साथ–साथ मिलकर कार्य करने की प्रवृत्ति विकसित होती है। इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं में व्यक्तित्व निर्माण के साथ राष्ट्र के सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करने की

भावना जागृत होती है। हमारे द्वारा किया गया कोई कार्य कभी भी छोटा नहीं होता अपितु हम अपने विवेक की मदद से हर कार्य को अनुकूल बना सकते हैं, और हमारा राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर इसी की प्रयोगशाला है। इस अवसर पर सप्तदिवसीय शिविर का प्रतिवेदन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल ने प्रस्तुत किया तथा स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्यों के प्रति उनके लगन और सम्पर्ण की भूरी–भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने तथा सम्मानित अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सुधीर चौहान, दुर्गेशपाल, सोनिका सिंह, नेहा सिंह, श्यामली निषाद, अनुपम पाण्डेय, सुहानी निशा मौर्या, शिवानी मद्धेशिया आदि स्वयं सेवक/स्वयंसेविकाएं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, एकल गीत, समूह गीत, कविता आदि विभिन्न कार्यक्रम

प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक तथा कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके पूर्व प्रतिदिन की दिनचर्या के अनुसार ही शिविर के अंतिम दिन प्रातःकाल में योग प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह ने योगाभ्यास व प्राणायाम कराया।

विशेष शिविर
समापन समारोह

दिनांक- 08 मार्च से 14 मार्च 2022
दिनांक- 14.03.2022
समापन समारोह
राष्ट्रीय सेवा योजना
समापन समारोह

सप्त दिवसीय
विशेष शिविर
NATIONAL SERVICE SCHEME
दिनांक- 08 मार्च से 14 मार्च 2022
दिनांक- 14.03.2022
समापन समारोह
समापन समारोह

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप

नाम : आदर्श कुमार शर्मा

कक्षा : B.A. 1st Year

वी.ई.सी. कोड :

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, मे आयोजित सप्त दिवसीय विशेष शिविर मे हर कार्यक्रम मे सहभाग करने का मौका मिला । यह हमारे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है। और अपने आप पर इन सात दिनो का अलग अनुभव मिला महाविद्यालय के इस सप्त दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यशाला के अन्दर आपसी भाईचारा व सहयोग का भावना का संचार हुआ । इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक दिन एक नई नीति का अवसर नये-नये मुख्य अतिथि द्वारा अनुभव प्राप्त हुआ जो मुझे इस सात दिन मे बहुत अच्छा लगा और इसी बीच शिवीर के चौथे दिन संचालन का भी कार्य करने का सौभाग्य मिला । मैं अपने प्रभारी अध्यापक को धन्यवाद देना चाहूंगा धन्यवाद ।

हस्ताक्षर
स्वयंसेवक

आदर्श कुमार शर्मा

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : गुरुश्री गोरक्षनाथ

नाम : Pratima
कक्षा : B. A. I st
वी.ई.सी. कोड :

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर में हम अपने अनुभव को बताते है। हमे इन सात दिन के कैंप में बहुत कुछ सिखने को मिला यहाँ पर हम अपने दोस्तों के साथ एक साथ रहते थे यहाँ पर हमें हमारे शिक्षकों ने हमारी बहुत ही अच्छे से देख - भाल किया इस सात दिन के शिविर में हमें एक बात बहुत ही अच्छा लगा क्योंकि यहाँ पर सभी बहन एवं भाइयों ने एक दुसरे के प्रति बहुत ही अच्छा व्यवहार रहा . वह एक दुसरे के साथ मिलकर खाना बनाते थे। और एक दुसरे के साथ मिलकर सभी कार्यों को करते थे यहाँ पर सब एक परिवार के तरह रहते थे। यहाँ पर मुझे बहुत ही अच्छा लगा।

हस्ताक्षर
स्वयंसेविका
Pratima

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

इकाई का नाम : गुरुश्री गोरक्षनाथ

नाम : Vaishnavi Pandey

कक्षा : B.Sc. I (Bio)

वी.ई.सी. कोड :

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे सप्त दिवसीय शिविर मे हमे कई अनुभवो का ज्ञान हुआ जो हमारे जीवन मे बहुत आवश्यक है। शिविर मे स्वयंसेवक और स्वयंसेविका दोनो आपस मे मिलकर रहते और काम करते थे। हमारे अध्यापक का भी विशेष योगदान रहा हमारे साथ ताकि हम अपने काम पुरी मन लगा से। हम साथ मे उठते और साथ मे स्वयंसेवक और स्वयंसेविका के योगा करते था फिर इसी प्रकार आगे का कार्य करते। श्रम दान करने के लिए हमने हमनगांव गांव मे जाकर श्रम दान किया। इस सप्त दिवसीय शिविर मे अनेक आ नया चीज सिखने को मिला। हम कैंप के आखिरी दिन काफी कैंप गेम भी खेल जो बहुत अच्छा लगा। हम यही पे कह सकते है कि हम स्वयंसेविका है।

हस्ताक्षर
स्वयंसेविका
Vaishnavi Pandey

शिविर अनुभव
महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप

नाम : सुशील कुमार यादव

कक्षा : BSc III-rd year.

वी.ई.सी. कोड :

इस सप्तदिवसीय शिविर के दौरान हमने विभिन्न प्रकार के कौशल को ग्रहण किया। जिसमें सबसे पहला कौशल समूह मे रहना और एक साथ मिलकर सभी कार्यों को सुचारू ढंग से संचालित करना। इसके उपरांत हमने समय की प्रतिबद्धता के साथ- साथ नित्य व्यायाम, प्राणायाम इत्यादि का भी अनुभव प्राप्त किया। प्रत्येक दिन हम लोगो का विभिन्न विषयो पर विशिष्ट व्याख्यान के दौरान विभिन्न विषयो के बारे मे रोचक ज्ञान प्राप्त हुआ। इस सप्तदिवसीय शिविर के दौरान हम लोगो। लोग एक साथ मिलकर हर हम परिस्थिति मे अपने आप को संतुष्ट रखते हुए श्रमदान, तथा अन्य विभिन्न कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न सेवा भाव रखते हुए सम्पन्न किया। इस शिविर के दौरान मिले विभिन्न अनुभवो ने हमे समाज मे एक जिम्मेदार व्यक्ति बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Bijada

हस्ताक्षर
स्वयंसेवक

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप

नाम :- पंकज कुमार

कक्षा : बी॰ ए॰ भाग दो

वी.ई.सी. कोड :

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर मे सप्तदिवसीय शिविर मे हम बौद्धिक, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त करते रहे इस क्रम मे हम एक साथ पढ़ना, खाना तथा एक साथ खेलना बहुत अच्छा लगा। सुबह होने के उपरान्त हम फ्रेश होकर व्यायाम करते हैं इसके उपरान्त हम नाश्ता करते तथा कुछ श्रम कार्य करते। इसके पश्चात शिविर के कुछ बच्चो भोजन बनाते तथा मिल-जुल भोजन करते। हम बौद्धिक-सत्र दौरान हम विशेष बाते जाने जैसे युक्रेन विवाद, मानव जीवन मे साहित्य का महत्व आदि। एक विशेष बात हमे ज्ञात हुआ शिविर के सभी बच्चो एक साथ मिलकर सभी कार्य कि आसानी से करलेते है

हस्ताक्षर
स्वयंसेवक

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : गुरुश्री गोरक्षनाथ

नाम : - Poornima

कक्षा : - B.SC III year (Bio)

वी.ई.सी. कोड :

मैं राष्ट्रीय सेवा योजना के ईकाई गुरुश्री गोरक्षनाथ की एक स्वयम सेविका हूँ। इस वर्ष मुझे सप्तदिवसीय विशेष शिविर में रहने का अवसर प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय सेवायोजना के सप्तदिवशिय शिविर में हमे इन सात दिनो में अलग-अलग तरह के व्यवहार सिखे। हम अपने घर से दूर रहकर ये जाना कि राष्ट्रीय सेवा योजना क्या होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का एक-मात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्ति को विकसित करने के अनुभव प्रदान करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य है। "Not me but you" मैं नही, लेकिन तुम! ये हमे समूहिकता सिखाती है। समूह में रहकर कार्य करना। गाव में जाकर श्रमदान करना लोगो को जागरूक करना। हमे कैम्प कर के बहुत ही आनन्द प्राप्त हुआ। इन सात दिनो मे अलग-2 अतिथि आकर अपने विचारो से अवगत कराया। ~~~~ इनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। और हमारे ने हम लोगो का बहुत ही सहयोग किये! धन्यवाद!

हस्ताक्षर
स्वयंसेविका

Poornima

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप

नाम : रजनीश कुमार शर्मा
कक्षा : बी.काम - तृतीय वर्ष
वी.ई.सी. कोड :

मैं रजनीश कुमार शर्मा, अपने इस महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर में प्रतिभाग किया। यह शिविर 8 मार्च से शुरु हुआ, इसमें हमने बहुत कुछ सिखा, मैंने प्रतिदिन किसी न किसी अतिथि का मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस शिविर के द्वारा मैंने एक साथ मिलकर कैसे रहे और अपने कामों को कैसे करें व राष्ट्र के हित में हमारा क्या कर्तव्य है. ये भी सिखने को भी मिला। इस शिविर के दौरान मैंने श्रमदान, योगाभ्यास, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भोजन बनाने, आदि में हिस्सा लिया। इस शिविर में शिविरार्थी के साथ-साथ अपने अध्यापकों के साथ काम करने का मौका मिला और उन अध्यापकों से एक अभिभावक वाली संबंध भी बन गया है, और मैंने इस में बहुत कुछ सिखा और जाना, ये बहुत ही अच्छा शिविर रहा। यह मेरा दूसरा शिविर था, इसमें मैंने अपने अभिभावक के रुप में डॉ० अभिषेक सर से बहुत कुछ सिखा और उनको जाना और यह बहुत अच्छे सर है।

रजनीश कुमार शर्मा
हस्ताक्षर
स्वयंसेवक

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप

नाम : कौशल कुमार

कक्षा : B.A I

वी.ई.सी. कोड :

मैं कौशल कुमार महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूषण गोरखपुर मे आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना मे मैंने भी हिस्सा लेकर बहुत ही अच्छा लगा इस योजना के अन्तर्गत हमे बहुत कुछ सिखने को मिला जैसे कि आपस मे मिल जुलकर रहना कैसे हमे अपने गाँव, घर, स्कूल महाविद्यालय को कैसे साफ करे ये सिखने को मिला और हमने समयानुसार हर एक कार्य अवधी मे हर कार्य समय के अनुसार करना रहता था। इस विशेष शिविर मे हम एक दूसरे के जान पहचान एवं एक साथ रहे हमे बहुत अच्छा लगा। हमारे प्रिय गुरु डॉ० अभिषेक सर हमे उनसे बहुत कुछ सिखने को मिला उनकी हर एक-एक शब्द अमृत जैसा लगा सर सच बोले तो आप के जैसे सर को पाकर बहुत अच्छा लगा कि आप की वजह से हमे समय के अनुसार ही कार्य करना चाहिए।

Kaushal
हस्ताक्षर
स्वयंसेवक

शिविर अनुभव
महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : गुरुश्री गोरक्षनाथ

नाम : वन्दना प्रजापति (Vandana Prajapati)

कक्षा : BSc (Math) – II year

वी.ई.सी. कोड :

मैं राष्ट्रीय सेवा योजना के ईकाई गुरुश्री गोरक्षनाथ की एक स्वयंसेविका हूं। इस वर्ष मुझे सप्त दिवशिय विशेष शिविर मे रहने का अवसर प्राप्त हुआ। इन सात दिनो में अलग – अलग तरह के व्यवहार सिखे, हम अपने घर से दूर रहकर ये जाना की राष्ट्रीय सेवा कैंप क्या होता है। NSS के माध्यम से सामुदायिक रूप से कार्य करना सिखा। NSS हमारे व्यक्तित्व को विकसित करने के अनुभव प्रदान करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य है। "Not me but you" ये हमे सामूहिकता सिखाती है। ये हमे सदाचार और नैतिकता सिखाता है। ये हमें समय की महत्वता को बताता है। कोई भी कार्य करने से पहले अपने ईश्वर की वन्दना करना। हमे कैम्प कर के बहुत ही आनन्द प्राप्त हुआ इस सात दिनो मे अलग-2 अतिथि आकर अपने विचारो से अवगत कराया उससे बहुत कुछ नया सिखने को मिला।

धन्यवाद !

हस्ताक्षर
स्वयंसेविका
Vandana Prajapati

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप

नाम : प्रभाकर पाण्डेय

कक्षा : B.A - III

वी.ई.सी. कोड :

ॐ महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर में हमने विभिन्न प्रकार के कौशल को ग्रहण किया जिसमें सेवा कार्य से लेकर बौद्धिक कार्यक्रम और सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया जिसमें हमें सुव्यवस्थित ढंग से किसी भी कार्य को करने की शिक्षा प्राप्त हुई खाना बनाना, बर्तन साफ करना इत्यादि कार्यों में सहयोग लिया बौद्धिक सत्र कार्यक्रम में आये अतिथि गणों के भाषणों से हमें अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली रात्री पहर में स्वअध्ययन के पश्चात् जमीन पर सोना हम कह सकते है राष्ट्रीय सेवा योजना हमें सभी परिस्थितियों में ~~जीना~~ रहना सिखाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का मतलब ही है। सेवा कार्य :-

हस्ताक्षर

स्वयंसेवक

Prabhakar Pandey

शिविर अनुभव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्तदिवसीय विशेष शिविर (08 से14 मार्च, 2022)

ईकाई का नाम : गुरुश्री गोरक्षनाथ

नाम : रीमा

कक्षा : B.A. 3rd year

वी.ई.सी. कोड :

मैं राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई श्री गुरुश्री गोरक्षनाथ की स्वयंसेविका हूँ। और हमें इस सप्त दिवसीय विशेष शिविर में अवसर प्राप्त हुआ तथा यहां मैंने बहुत कुछ सीखा जो कि आगामी जीवन के लिए अनुकरणीय है। हमें सबसे अच्छा सुधार अपने दिनचर्या में हुआ और समय का महत्व अच्छे से पता चला है। जो लोग के अकेले कार्य और सामूहिकता में करने का लाभ और एकता से सहयोग और अपने जीवन को जो कुछ भी सीखा है। वह आगे जीवन में बहुत अच्छा सिद्ध होगा, यहाँ सामूहिकता से खुद भी सीखना तथा दूसरों को जागरूक करना हमारे राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य रहा है और मैं उद्देश्य से प्रभावित हूँ इसी के साथ हमारे भौतिक विकास का पूरा ध्यान रखा गया। तथा मैंने अपने शिक्षक को अपने प्रति वह अपनापन पाया जैसे एक अभिभावक करता है अपने बच्चों के प्रति होता है। इस शिविर के अन्तर्गत हमलोगों का बहुत ख्याल रखा गया। और परिवार की कमी महसूस नहीं हुई। हम लोग बहुत खुश थे तथा लोगों के अनुभव का भी पता चला।

हस्ताक्षर
स्वयंसेविका रीमा

राष्ट्रीय सेवा योजना के वर्षभर (सत्र 2021–22) की विविध गतिविधियों का अग्रणी समाचार पत्रों द्वारा कवरेज

हिन्दुस्तान 02
गोरखपुर • मंगलवार • 13 अप्रैल 2021

कोरोना टीकाकरण : रैली निकाल जागरूक किया

पहल

गोरखपुर | निज संवाददाता

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के रासेयो द्वारा सोमवार को कोरोना टीकाकरण विषय पर अभिगृहित ग्राम हसनगंज में जन-जागरूकता रैली निकाली गई। कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को शारीरिक दूरी, मास्क का निरन्तर प्रयोग, सैनेटाइजर का उपयोग एवं रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों पर जानकारी दी।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती से बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती तक चलने वाले इस उत्सव के 45 वर्ष से अधिक आयु के लोग अपने नजदीकी टीका केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र या ब्लॉक या किसी भी निजी अस्पताल में जाकर टीका जरूर लगवा लें। इसके अलावा भी सतर्कता बहुत आवश्यक है। हम स्वयं भी कोरोना के सभी नियमों को मानें और दूसरों से भी इसके लिए आग्रह करें तभी कोरोना के विरुद्ध पूर्ण विजय सुनिश्चित होगी।

अमर उजाला
गोरखपुर | मंगलवार, 24 अगस्त 2021 7

प्राचीन ज्ञान की जड़ों को खोजना होगा : रामानाथन

गोरखपुर। डॉ वी. रामानाथन ने कहा, प्राचीन ज्ञान की जड़ों को हमें खोजना होगा। भारत के प्राचीन धर्मशास्त्रों एवं साहित्यों में ज्ञान-विज्ञान, ज्योतिष-गणित, चिकित्सा-रसायन आदि के अथाह भंडार संचित हैं। भारतीय मनीषियों ने इन संचित ज्ञान भंडारों का उपयोग सभी मानव जाति के लिए बिना किसी भेदभाव के किया। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में सोमवार को सात दिवसीय व्याख्यानमाला की शुरुआत हुई। इसमें आईआईटी बीएचयू के रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. वी रामानाथन ने भी विचार रखे।

कहा कि भारत लंबे समय तक विदेशी आधिपत्य में रहा इसलिए भारतीय ज्ञान स्रोतों को बड़े पैमाने पर नष्ट भी किया गया। अध्यक्षता करते हुए गुरुश्री गोरखनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. अजीथा डीएस ने कहा कि हमें भौतिक विकास की दौड़ में अपनी संस्कृति एवं परंपरा की डोर को मजबूती से पकड़मा होगा। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया। ब्यूरो

6 दैनिक जागरण गोरखपुर, 5 जुलाई, 2021

महाराणा प्रताप पीजी कालेज में पौधारोपण

जासं, गोरखपुर: वन महोत्सव अभियान में भागीदारी करते हुए स्वामी विवेकानंद की पूण्यतिथि पर महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में पौधारोपण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना और रोवर रेंजर्स ने आम, पीपल, कटहल, इमली, बरगद, नीम, आंवला, अशोक आदि के पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव सप्ताह में महाविद्यालय ने तीन सौ पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक सिंह ने कहा कि धरती पर जीवन का आधार पेड़-पौधे ही हैं। रोवर रेंजर्स के प्रभारी बृजभूषण और उपाचार्य संतोष कुमार श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में श्रीनिवास सिंह, शैलेन्द्र सिंह, पुष्पा निषाद, विनय कुमार सिंह, अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बौद्ध संग्रहालय व रोटरी क्लब पौधारोपण अभियान में हुए शामिल : पौधारोपण अभियान में राजकीय बौद्ध संग्रहालय और रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पौधा रोपण किया गया। इस दौरान बौद्ध संग्रहालय परिसर में जायफल, हर्रे, दालचीनी, तेजपत्ता, पिस्ता, शरीफा, स्टार फ्रूट, स्वर्ण रेखा, आम, अनार, चकोतरा, नीबू, अमलताश सहित कई औषधीय पौधे रोपित किए गए। इस मौके पर रोटरी क्लब गोरखपुर मिडटाउन के अध्यक्ष राजकुमार बाथवाल, सह मंडल अध्यक्ष विजय प्रकाश, संग्रहालय के उप निदेशक डा. मनोज गौतम ने पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में रोटरी क्लब की सचिव नीलमणी सिंहानिया ने अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। रोटरी क्लब अतुल सर्राफ, प्रदीप रूंगटा, आलोक, पराग अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, ममता बंका, संजीता बाथवाल, रजनी शोरेवाल, अनंत अग्रवाल, अंबरीश, सुनीता अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दैनिक जागरण 10
गोरखपुर, 14 अप्रैल, 2021
www.jagran.com

ब्रिटिश कालखंड में हुई इतिहास की गलत व्याख्या : डा. भावना

जासं., गोरखपुर : चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के क्रम में मंगलवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में 'जलियावालाबाग नरसंहार : एक ऐतिहासिक विश्लेषण' विषय पर आनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता सीएमजी कालेज प्रयागराज के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की अध्यक्ष डा.भावना चौहान ने कहा कि इतिहास लेखन तथ्यपरक और निष्पक्ष होने के साथ ही घटनाक्रम के सभी संबद्ध पक्षों और प्रश्नों पर समुचित प्रकाश डालने वाला होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ब्रिटिश काल खंड में भारतीय इतिहास को न सिर्फ तोड़ा-मरोड़ा गया बल्कि घटित होने वाली घटनाओं को भी अंग्रेजों द्वारा अपनी मानसिकता एवं सांस्कृतिक श्रेष्ठतावाद के नजरिए से वर्णित किया गया। इन्ही घटनाओं में से एक प्रसिद्ध घटना अमृतसर के जलियावाला बाग की है, जिसकी क्रूर वास्तविकता को छिपाने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश सत्ता ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

दैनिक जागरण 2
गोरखपुर, 26 अगस्त 2021
www.jagran.com

संगीत से होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार : प्रो. राजेश्वर

गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ की ओर आयोजित ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति सात दिवसीय आनलाइन व्याख्यान के तीसरे दिन संगीत और अध्यात्म विषय पर चर्चा हुई। विषय पर अपने विचार रखते हुए पद्मश्री डा. राजेश्वर आचार्य ने कहा कि संगीत सृष्टि के मूल से आबद्ध है। संगीत मानव का ना सिर्फ मनोरंजन अपितु आध्यात्मिक उत्कर्ष का भी साधन है। कर्णप्रिय संगीत शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। डा. आचार्य ने कहा कि संगीत एक साधना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी नें कहा कि मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा के लिए संगीत अवश्य सुनना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन दीप्ति गुप्ता नें किया। (जासं)

गोरखपुर • शनिवार • 28 अगस्त 2021 हिन्दुस्तान

जो राष्ट्र जितना शक्तिशाली उसकी उतनी ही चुनौतियां

गोरखपुर | निज संवाददाता

व्याख्यानमाला

- महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में चल रही है सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यानमाला
- समाज एवं राष्ट्र की सुरक्षा का समुच्चय ही राष्ट्रीय सुरक्षा : डॉ. डीवी शेकटकर

केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सिक्किम के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) डॉ. डीवी शेकटकर ने कहा कि किसी भी देश की राष्ट्रीय सुरक्षा ही उस देश के समाज की प्रगतिशीलता, सम्पन्नता एवं मजबूती की बुनियाद होती है। राष्ट्रीय सुरक्षा का सामान्य अर्थ देश की अपनी सीमाओं के भीतर की सुरक्षा से है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र की सुरक्षा का समुच्चय ही राष्ट्रीय सुरक्षा कहलाता है।

वे महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में चल रहे ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान-माला के पांचवे दिन बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का सामान्य नागरिक अगर सुरक्षित नहीं है, तो वह राष्ट्र भी सुरक्षित नहीं रह सकता। अर्थात् व्यक्ति एवं राष्ट्र की सुरक्षा के बीच अन्योन्याश्रित सम्बन्ध होता है। जो राष्ट्र या समाज अपने को जितना ही अधिक शक्तिशाली समझता है, उस राष्ट्र व समाज के समक्ष उतनी ही अधिक चुनौतियां भी होती हैं। शिक्षण संस्थानों की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वो राष्ट्रीय भावना एवं संस्कार से युक्त ऐसी नौजवानों की पीढ़ियों का निर्माण करें, जो राष्ट्रीय सुरक्षा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

अध्यक्षता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने की। संचालन पुरातन छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी ने किया।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • गुरुवार • 26 अगस्त 2021 06

जबसे सृष्टि, तबसे है संगीत

गोरखपुर | निज संवाददाता

डीडीयू के ललित कला एवं संगीत विभाग के पूर्व आचार्य पद्मश्री प्रो. राजेश्वर आचार्य ने कहा कि संगीत सृष्टि के मूल से आबद्ध है। जब से सृष्टि है, तब से संगीत है। मानव जब नहीं था तब भी प्रकृति की गोद व पशु-पक्षियों के कलरव में संगीत प्रवाहमान था।

वे बुधवार को महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में चल रही सात दिवसीय ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति ऑनलाइन व्याख्यानमाला के तीसरे दिन के कार्यक्रम को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संगीत मानव का ना सिर्फ मनोरंजन बल्कि आध्यात्मिक उत्कर्ष का भी साधन है। संगीत के बिना व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास सम्भव नहीं है। संगीत मनुष्य को शांति और प्रेरणा देता है। अध्यक्षता करते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मनुष्य को आज के तनाव भरे परिवेश में मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा व चिंतन के लिए मधुर संगीत अवश्य सुनना चाहिए। संचालन बीएड विभाग की प्रवक्ता दीप्ति गुप्ता ने किया।

दैनिक जागरण 7

गोरखपुर, 24 अगस्त 2021

भारतीय ज्ञान शास्त्रों में संचित हैं ज्ञान के भंडार : डा.रामानाथन

जासं, गोरखपुरः भारत के प्राचीन धर्मशास्त्रों एवं साहित्यों में ज्ञान विज्ञान, ज्योतिष-गणित, चिकित्सा-रसायन आदि के अथाह भंडार संचित हैं। भारतीय मनीषियों ने अपने संचित ज्ञान भंडार का उपयोग मानव जाति के लिए किया। यदि हमें आज विश्व सिरमौर और विश्वगुरु बनना है, तो निश्चित रूप से अपने प्राचीन ज्ञान की जड़ों को खोजना ही होगा।

यह बातें आइआइटी बीएचयू के रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य डा.वी.रामानाथन ने कही। वह सोमवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ द्वारा आयोजित ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय आनलाइन व्याख्यानमाला के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन्ही ऋषि-महर्षियों के ज्ञान को आधार बना पाश्चात्य जगत आज अपनी भौतिक उपलब्धियों पर इतराता है। अध्यक्षता करते हुए गुरुश्री गोरखनाथ स्कूल आफ नर्सिंग की प्राचार्या डा.अजीथा डीएस ने कहा कि हमें भौतिक विकास की दौड़ में अपनी संस्कृति एवं परंपरा की डोर को पकड़कर दौड़ना होगा, तभी हम संस्कार युक्त विकसित सौर सभ्य भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। संचालन एवं संयोजन प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डा. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • मंगलवार • 24 अगस्त 2021 06

भारतीय शास्त्रों में ज्ञान का है अथाह भंडार: डॉ.वी रामानाथन

व्याख्यान

गोरखपुर| निज संवाददाता

भारत के प्राचीन धर्मशास्त्रों एवं साहित्यों में ज्ञान विज्ञान, ज्योतिष-गणित, चिकित्सा-रसायन आदि के अथाह भंडार संचित हैं। भारतीय मनीषियों ने अपने इन संचित ज्ञान भण्डारों का उपयोग समस्त मानव जाति के लिए बिना किसी भेद-भाव के किया। यदि हमें आज विश्व सिरमौर और विश्वगुरु बनना है, तो निश्चित रुप से हमें अपने प्राचीन ज्ञान की जड़ों को खोजना ही होगा।

यह बातें आईआईटी बीएचयू के रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. वी रामानाथन ने सोमवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ द्वारा आयोजित ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यानमाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता कही। उन्होंने कहा कि इन्ही ऋषि महर्षियों के ज्ञान को आधार बना पश्चात्य जगत आज अपनी भौतिक उपलब्धियों पर इतराता है। उन उपलब्धियों को अपनी स्वयं की खोज बताता है। छन्दशास्त्र, ग्रन्थरत्नाकर, पिंगलछन्दशास्त्र, सुश्रुत संहिता, काशिकावृत्ति आदि ऐसे वैदिक साहित्य हैं, जिन्हें आधार बनाकर पाश्चात्य संस्कृतियों ने अपनी हनक स्थापित की। भारत लम्बे समय तक विदेशी आधिपत्य में रहा, इसलिए भारतीय ज्ञान स्रोतों को बड़े पैमाने पर नष्ट किया गया। अध्यक्षता करते हुए गुरुश्री गोरखनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. अजीथा डीएस ने कहा कि हमें भौतिक विकास की दौड़ में अपनी संस्कृति एवं परम्परा की डोर को पकड़कर दौड़ना होगा, तभी हम संस्कार युक्त विकसित सौर सभ्य भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। संचालन एवं संयोजन प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

गोरखपुर, 12 दिसंबर, 2021 दैनिक जागरण 9

नारी सशक्तीकरण प्रगतिशील समाज की जरूरत : अंजू चौधरी

जासं, गोरखपुर : राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अंजू चौधरी ने कहा है कि नारी सशक्तीकरण आज के प्रगतिशील समाज की जरूरत है। महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन निश्चित रूप से सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत को स्थापित करने का मजबूत आधार बनेगा। इस दिशा में किए गए कार्य की जितनी भी सराहना की जाए, कम है। यह सिलसिला जारी रहना चाहिए। अंजू चौधरी शनिवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज में आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा आयोजित एलईडी ग्रामलाइट विषय पर आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

संबोधित करतीं मुख्य अतिथि अंजू चौधरी।

उन्होंने कहा कि कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने वाली महिलाएं न केवल खुद आत्मनिर्भर होंगी बल्कि औरों को आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित भी करेंगी। विशिष्ट अतिथि शीलम बाजपेयी ने कहा कि स्वावलंबी नारी ही आत्मनिर्भर और सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी प्रमोद कुमार ने की। प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

इन गांवों की इन महिलाओं ने लिया प्रशिक्षण : बड़ी रेतवहियां : शांति देवी विश्वकर्मा, नीतू चौहान, शीला, कुमकुम देवी, संतोला देवी।

छोटी रेतवहियां : सरस्वती देवी, विद्यावती देवी, खुशबू निशाद, रुक्मिणी, रीता देवी, कुंती देवी, राजमती, करिश्मा गुप्ता, गुड्डी देवी।

मंझरिया : गंगोत्री देवी, शांति देवी, गीता देवी, इशरावती देवी, गुजराती, उर्मिला देवी, आरती देवी, शीला देवी, प्रियंका देवी, सरोज देवी।

ककरहियां: ललिता देवी, चंदा देवी, सुचिता साहनी, लीलावती, मंजू।

अमर उजाला

गोरखपुर | बृहस्पतिवार, 2 सितंबर 2021 8

कार्यशाला में पोषण संबंधी तथ्यों की दी जानकारी

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के गृहविज्ञान विभाग की ओर से सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का उपयोग उन लोगों को जागरूक करने के लिए किया जाता है, जो पोषण संबंधी तथ्यों से अवगत नहीं हैं। उद्घाटन अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता स्मिता दुबे ने साप्ताहिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। गृह विज्ञान विभाग प्रभारी शिप्रा सिंह ने छात्राओं को पोषण के महत्व की जानकारी देकर जागरूक किया। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की प्राध्यापिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। ब्यूरो

03 हिन्दुस्तान गोरखपुर • शुक्रवार • 27 अगस्त 2021

ने पहली 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' जारी की

गोरखपुर

युवा पीढ़ी होती है किसी भी देश की वास्तविक पूंजी

गोरखपुर। पुनरुत्थान विद्यापीठ, गुजरात की कुलपति डॉ. इन्दुमति काटदरे ने कहा कि किसी भी देश अथवा समाज की वास्तविक पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा पीढ़ी व देश के भविष्य भविष्य में अन्योन्याश्रित सम्बन्ध होता है।

वे महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में चल रहे ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यानमाला के चौथे दिन बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यदि किसी देश अथवा समाज में युवाओं की आनुपातिक संख्या अधिक है, तो वह देश या समाज प्रगति एवं विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है। उसके अंदर असीमित ऊर्जा एवं रचनात्मकता का भंडार होता है। युवावस्था में ही व्यक्ति के पास वह जोश और जुनून होता है जिसका सकारात्मक पक्ष राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका सुनिश्चित करा सकता है। अध्यक्षता करते हुए बीएड विभाग की प्रभारी शिप्रा सिंह ने कहा कि युवावस्था में अपनी सृजनात्मक क्षमता के बल पर युवा कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। संचालन पुरातन छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी ने किया।

05 • गोरखपुर • बुधवार • 14 अप्रैल 2021 हिन्दुस्तान

क्रूरता को छिपाने का ओछा कृत्य था जलियांवाला बाग

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में मंगलवार को 'जलियांवाला बाग नरसंहारः एक ऐतिहासिक विश्लेषण' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सीएमजी कॉलेज, प्रयागराज के प्राचीन इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. भावना चौहान ने कहा कि अमृतसर के जलियांवाला बाग की क्रूर वास्तविकता को छिपाने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश सत्ता ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। अपनी व्यापक क्रूरता को छिपाने के लिए अंग्रेजों द्वारा किया गया यह ओछा कृत्य था।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 2 दिसंबर, 2021

रैली निकाल दिया एड्स से बचाव का संदेश

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः विश्व एड्स दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना समेत विभिन्न संस्थाओं ने बुधवार को रैली निकालकर लोगों को बचाव का संदेश दिया। रैली में संस्थाओं के पदाधिकारियों व स्कूली छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में जन जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें रासेयो द्वारा लोगों को एड्स महामारी के प्रति जागरूक करने के लिए पोस्टर, बैनर, फ्लैक्श आदि का प्रयोग किया गया। नेतृत्व रासेयो के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि एचआइवी संक्रमण के प्रसार का प्रथम व अंतिम उपाय सिर्फ और सिर्फ बचाव है। लोगों द्वारा संयमित व सुरक्षित जीवनशैली अपनाकर एड्स का समूल नाश किया जा सकता है। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बृजभूषण लाल समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

सरस्वती विद्या मंदिर महाविद्यालय आर्य नगर में आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए मधुलिका मिश्रा ने कहा कि विश्व एड्स दिवस मनाने का उद्देश्य एचआइवी संक्रमण के बारे में हर उम्र के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। अंत में कार्यक्रम अधिकारी पूजा जायसवाल ने आभार ज्ञापित किया। डा.गीता, डा. वैभव पांडेय तथा डा. ऋचा श्रीवास्तव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

2 दैनिक जागरण गोरखपुर, 21 नवंबर, 2021

योगाभ्यास किया और जाना उसका महत्व

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित कार्यक्रम में योगाभ्यास करती छात्राएं। • सौ. विद्यालय प्रशासन

जासं, गोरखपुरः महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में शनिवार को प्रार्थना सभा हुई और योगाभ्यास कार्यक्रम किया गया। इस दौरान शरीरिक शिक्षा विषय के प्रभारी डा. सत्येंद्र नारायण शुक्ल ने विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। साथ ही योग के महत्व की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि प्राणायाम वह माध्यम एवं क्रिया है, जो हमारी काया को निरोग एवं मन को प्रसन्न रखती है। आज के आपा-धापी भरे जीवन में योगाभ्यास ही मनुष्य को सुखमय जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने योगाभ्यास के तहत पद्मासन,

आयोजन

कपालभांति, अनुलोम-विलोम भ्रस्तिका, भ्रामरी, मण्डूकासन वज्रासन आदि का अभ्यास कराया। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखपुर, 7 दिसंबर, 2021 दैनिक जागरण 7

परंपराओं का संरक्षण शिक्षण संस्थाओं का धर्म

महाराणा प्रताप कालेज, जंगल धूसड़ में 'एलईडी ग्राम लाइट' विषय पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते सदर सांसद रवि किशन शुक्ल।

जासं, गोरखपुरः अपने - अपने क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण एवं समृद्धि शिक्षण संस्थाओं का धर्म है। साथ ही आर्थिक स्वावलंबी जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक, सांस्कृतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है। गोरक्षपीठ की संस्थाएं इस उत्तरदायित्व का संवेदनशीलता एवं सहजता के साथ निर्वहन कर रही हैं।

यह बातें सोमवार को महाराणा प्रताप कालेज जंगल धूसड़ में 'एलईडी ग्राम लाइट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन ने कही। सांसद ने कहा कि कालेज ने मंझरिया गांव को गोद लेकर कार्य करना शुरू किया है। निर्धारित पांच गांवों की सभी महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में कालेज को जिस दिन सफलता मिल जाएगी, यह अभिनव प्रयोग संपूर्ण देश के लिए नजीर बनेगा। विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता शीलम बाजपेयी ने कहा कि नारी को शिक्षित और प्रशिक्षित करना आज के समाज की अपरिहार्यता है। स्त्री को स्वावलंबी बनाने का अर्थ है, समाज को स्वावलंबी और सशक्त बनाना। प्रशिक्षण शिविर महाविद्यालय प्रशासन, आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की ओर से आयोजित किया गया है। अतिथियों का स्वागत कालेज के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने किया। इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक विवेक सिंह, विनोद सिंह, कुमार अभय चन्द के अलावा शिक्षक, कर्मचारी और एनएसएस के स्वयंसेवक मौजूद रहे।

32 महिलाओं ने सीखा एलईडी बल्ब बनाना

महाविद्यालय के छात्रावास बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम में मुख्य प्रशिक्षक विवेक सिंह ने ककरहिया, मझरिया, हसनगंज, छोटी रेतवहिया एवं बडी रेतवहिया की 32 महिलाओं को एलईडी बल्ब एवं लडी बनाने का प्रशिक्षण दिया।

• 27 अगस्त 2021 हिन्दुस्तान

अप्रतिम व स्वाभिमानी थीं रानी पद्मावती

गोरखपुर। एमपी डिग्री कॉलेज, जंगल धूसड़ में जौहर दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में चित्तौड़ गौरव महारानी पद्मावती को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ. सुधा शुक्ला ने महारानी पद्मावती के स्वाभिमानी जीवन चरित्र पर का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन स्वदेश, स्वजाति, स्वधर्म एवं पातिव्रत-सतित्व का ज्वलन्त उदाहरण है। नारी-धर्म की रक्षा के लिए रानी पद्मावती सहित उन सोलह हजार राजपूत स्त्रियों द्वारा जौहर के लिए उठाया गया कदम गौरवपूर्ण है।

दैनिक जागरण
गोरखपुर, 15 मार्च 2022
www.jagran.com

समाज सेवा की भावना विकसित करती है एनएसएस

जासं, गोरखपुर : राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा की भावना और राष्ट्रनिर्माण में महती भूमिका निभाती है। स्वच्छता राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है, जो आज संपूर्ण भारत का अभियान बन गया है। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के जीवनव्रती कार्यकर्ता अश्वनी कुमार ने कही।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडगवासला के सेवानिवृत्त आचार्य डा.राजेंद्र भारती ने कहा कि गोरक्षपीठ का सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता का साध्य ही राष्ट्रीय सेवा योजना की दृष्टि है। सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदना और उनके सकारात्मक हल जानने का प्रयास ही स्वयंसेवकों के आत्मसम्मान को बढ़ायेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से हम सभी में सामुदायिक रूप से कार्य करने तथा समूह में रहन-सहन के साथ-साथ मिलकर कार्य करने की प्रवृत्ति विकसित होती है। आयोजन को कार्यक्रम अधिकारी बृजभूषण लाल, तारकेश्वर पांडेय, डा.विजय कुमार चौधरी आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान सुधीर चौहान, दुर्गेश पाल, नेहा सिंह, अनुपम पांडेय, सुहानी, निशा मौर्या आदि स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

पुर • गुरुवार • 02 दिसंबर 2021 • हिन्दुस्ता

कॉलेजों में आयोजित हुए कार्यक्रम

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

बाबू पुरूषोत्तम दास राधा रमण दास महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जागरूकता रैली, पोस्टर प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

09 • गोरखपुर • मंगलवार • 07 दिसंबर 2021 • हिन्दुस्तान

अभिनव प्रयोग की नजीर पेश करेगा एमपीपीजी

गोरखपुर | निज संवाददाता

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ द्वारा चलाया जा रहा 'मिशन मझरिया' पांच गावों की सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक उन्नति का अहर्निश प्रयत्न है। यह 'नारी स्वावलम्बन' अभियान महाविद्यालय के गोद लिए गांवों के विकासात्मक अभियान में मील का पत्थर साबित होगा। जिस दिन पांच गांव की सभी महिलाओं को आर्थिक स्वावलम्बी बनाने में यह कालेज पूर्णतः अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा, यह देश में एक अभिनव प्रयोग का उदाहरण होगा।

यह बातें सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहीं। वे सोमवार को महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, अनुनाद शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु विकास बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एलईडी ग्राम लाइट विषयक 6 दिवसीय

एमपीपीजी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते सांसद रवि किशन।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं यह देखकर अचम्भित हूं कि कोई कालेज धीरे-धीरे अपने आस-पास के गांवों की उन्नति के लिए पूर्ण नियोजन के साथ अनवरत प्रयत्नशील है। श्री गोरक्षपीठ की संस्थाएं अपने इस उत्तरदायित्व का अत्यन्त संवेदनशीलता एवं सहजता के साथ निर्वहन करती हैं।

विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्त्री शीलम बाजपेयी ने कहा कि नारी को शिक्षित और प्रशिक्षित करना आज के समाज की अपरिहार्यता है। स्त्री को स्वावलम्बी बनाने का अर्थ है, समाज को स्वावलम्बी और सशक्त बनाया। प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक विवेक सिंह ने कहा कि भारत प्रतिवर्ष लगभग 12 हजार करोड़ रुपये सिर्फ दिवाली की लाइट, लड़ी और झालर आदि खरीदने में चीन को दे देता है। यदि यह धनराशि भारत से बाहर न जाए तो इससे 6 लाख से ज्यादा रोजगार का सृजन प्रतिवर्ष हो सकता है।

सीबीसीएस पैटर्न पर कार्यशाला

गोरखपुर। डीडीयू द्वारा निर्धारित सीबीसीएस पाठ्यक्रम को समझने एवं क्रियान्वित करने के लिए कॉलेज में शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईक्यूएसी के प्रभारी अभिषेक वर्मा ने सीबीसीएस प्रणाली के अन्तर्गत प्रोग्राम, कोर्स, क्रेडिट, सेमेस्टर, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन पद्धति एसजीपीए एवं सीजीपीए आदि के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर डॉ. विजय चौधरी, डॉ. अभय श्रीवास्तव, डॉ. अमित त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • गुरुवार • 02 सितंबर 2021 • 06

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का शुभारंभ

गोरखपुर। एमपी पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान के अन्तर्गत कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। गृह विज्ञान की प्रवक्ता स्मिता दूबे ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के इतिहास प्रकाश डाला।

9 • गोरखपुर • मंगलवार • 21 दिसंबर 2021 • हिन्दुस्ता

सेवाभाव विकसित करने का अकादमिक मंच है रासेयो

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में रासेयो द्वारा सोमवार को प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। रासेयो के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में आत्मविश्वास, सामूहिकता, सामुदायिकता एवं सेवा भावना जैसे गुणों को विकसित करने का एक अकादमिक मंच है। इसके माध्यम से देश का युवा देश की प्रगति, विकास एवं सशक्तिकरण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करता है। रासेयो वह मंच है जहां विद्यार्थी का समग्र विकास निश्चित होता है। कार्यक्रम अधिकारी बृजभूषण लाल ने नवप्रवेशित स्वंयसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, कार्यों एवं कार्यप्रणालियों से परिचित कराया।

हिन्दुस्तान
गोरखपुर, रविवार, 13 मार्च 2022 04

मानव व समाज का होता है अपना धर्म

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में रासेयो के विशेष शिविर के पांचवें दिन व्याख्यान का आयोजन किया गया। डीडीयू के प्राचीन इतिहास के आचार्य प्रो. राजवंत राव ने कहा कि मानव और समाज का अपना धर्म होता है जिसे खो देने पर उसकी पहचान और अस्तित्व समाप्त हो जाता है। डीडीयू के प्रो. रामप्यारे मिश्र मुख्य वक्ता रहे। संचालन डॉ. बृजभूषण लाल ने किया।

अमर उजाला
गोरखपुर | बुधवार, 9 मार्च 2022 7

संस्कार शिक्षण-प्रशिक्षण के मूल में : डॉ शैलेंद्र

गोरखपुर। डीवीएनपीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा जब समाज, राष्ट्र और प्रकृति तक विस्तृत हो जाती है तो उसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। भावी भारत की तस्वीर बनाने वाला नौजवान राष्ट्रीय सेवा योजना की पाठशाला में सुसंस्कृत एवं अनुशासित होकर नए भारत की रचना में आगे बढ़ रहा है। डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह एमपीपीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। विशिष्ट अतिथि महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज के प्रवक्ता सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि भारत की ताकत उसकी युवा शक्ति है। अध्यक्षता उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। ब्यूरो

amarujala.com
गोरखपुर | बुधवार, 15 दिसंबर 2021 8

एमपीपीजी कॉलेज में मनाया गया ऊर्जा संरक्षण दिवस

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में मंगलवार को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसमें भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेंद्र ठाकुर ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग कम करके प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करना है।

इस अवसर पर योग्यता छात्रवृत्ति विवरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन करने वाले प्रथम दो विद्यार्थियों को एमपी शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथनाथ मिश्र ने नकद छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने आभार व्यक्त किया। ब्यूरो

अमर उजाला
गोरखपुर | रविवार, 13 मार्च 2022 5

संस्कृति और समाज की पहचान है वेद : प्रो. राजवंत

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। वेद, हमारी संस्कृति और समाज की एक पहचान है। जिसकी झलक पूरे भारत में हमें विभिन्न रूपों में दिखाई देती है।

ये बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के आचार्य डॉ. राजवंत राव ने कहीं। वह शनिवार को एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर को संबोधित कर रहे थे। गोविवि के

एमपी पीजी कॉलेज में रासेयो का सात दिवसीय शिविर

प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र ने कहा कि हमारे वेदों में ज्ञान, कर्म, उपासना एवं विज्ञान की व्यापक व्याख्या एवं उसके उपदेश दिए गए हैं, जो भारतीय समाज में स्पष्ट देखे जा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक विशाल प्रसाद ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बृजभूषण लाल ने आभार ज्ञापित किया।

8 दैनिक जागरण गोरखपुर, 15 जनवरी, 2022

शिविर में विद्यार्थियों को लगा कोरोनारोधी टीका

गोरखपुर : महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शुक्रवार को कोविड-19 टीकाकरण शिविर लगा। इसमें महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। महाविद्यालय के निकट के गांवों मंझरियां, तिनकोनिया, हसनगंज, जंगल धूसड़, रेतवहिया, ककरहियां के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए टीकाकरण ही एक मात्र उपाय है। टीकाकरण से व्यक्ति पर महामारी का प्रभाव न्यूनतम होता है। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चरगांवा के स्वास्थ्य पर्यवेक्षक राकेश पाठक, एएनएम श्वेता सिंह एवं आशा कार्यकर्ता समेत अन्य लोग मौजूद रहे। (जासं)

हिन्दुस्तान
गोरखपुर, बुधवार, 09 मार्च 2022 06

श्रम युवा की शोभा व सेवा ताकत

गोरखपुर। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन मंगलवार को हुआ।

मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा अन्ततः सेवा है। यह सेवा समाज, राष्ट्र और प्रकृति तक विस्तृत हो जाती है तो उसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। एमपी कृषक इंटर कॉलेज के प्रवक्ता सुधीर सिंह विशिष्ट अतिथि रहे, उप प्राचार्य डॉ. विजय चौधरी ने अध्यक्षता की। संचालन ज्ञानेन्द्र पाण्डेय तथा प्रस्ताविकी बृजभूषण लाल ने प्रस्तुत की।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • रविवार • 12 दिसंबर 2021 • 06

नारी सशक्तीकरण प्रगतिशील समाज की अनिवार्यता

गोरखपुर। नारी सशक्तीकरण आज के प्रगतिशील समाज की अनिवार्यता भी है और अपरिहार्यता भी। आर्थिक स्वालम्बन निश्चित रूप से सामाजिक, सांस्कृतिक विरासत को स्थापित करने का मजबूत आधार है।

यह बातें राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अंजू चौधरी ने कहीं। वे शनिवार को महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एलईडी ग्रामलाइट विषयक 6 दिवसीय कार्यशाला के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि देश एवं समाज को ज्ञान एवं शिक्षा के माध्यम से उजले भविष्य की ओर अग्रेसित करना प्रत्येक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान का नैसर्गिक उत्तरदायित्व होता है।

अमर उजाला
गोरखपुर | मंगलवार, 15 मार्च 2022 7

'एनएसएस की राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका'

गोरखपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा की भावना और राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका निभाती है। अनुशासन और सहनशीलता के माध्यम से आनंद और ऊर्जा की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करने का यह बड़ा माध्यम है।

ये बातें स्वामी विवेकानंद केंद्र कन्या कुमारी के जीवनव्रती कार्यकर्ता अश्वनी कुमार ने कही। वे महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मौके पर डॉ. राजेंद्र भारती, सुधीर चौहान, दुर्गेश पाल, नेहा सिंह, अनुपम पांडेय आदि रहे। संवाद

संस्कृति व समाज की पहचान हैं वेद

जासं. गोरखपुर : वेद हमारी संस्कृति और समाज की एक पहचान हैं, जिसकी झलक पूरे भारत में हमें विभिन्न रूपों में दिखाई देती है।

यह बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के आचार्य डा. राजवंत राव ने कही। वह शनिवार को एमपी पीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन विशेष शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संसार में जो भी वस्तु है उन सभी वस्तुओं का अपना एक धर्म होता है। यह धर्म सजीव एवं निर्जीव दोनों वस्तुओं का होता है। उसी धर्म से उसकी पहचान होती है और वह अन्य सभी वस्तुओं से भिन्न होता है। जब वह वस्तु अपना धर्म खोने लगती है तो वह अपनी पहचान और अपना अस्तित्व दोनों खो देती है। इसी प्रकार मानव और समाज का भी अपना धर्म होता है जिसे खो देने पर उसकी पहचान और अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

गोविवि के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डा. रामप्यारे मिश्र ने कहा कि हमारे वेदों में ज्ञान, कर्म, उपासना एवं विज्ञान की व्यापक व्याख्या एवं उसके उपदेश दिए गए हैं जो भारतीय समाज में स्पष्ट देखे जा सकते हैं।

धर्म के बिना भारतीय जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक विशाल प्रसाद ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डा.बृजभूषण लाल ने अतिथियों एवं स्वयंसेवकों को आभार ज्ञापित किया।

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • सोमवार • 30 अगस्त 2021 06

शिक्षक होता है समर्थ राष्ट्र का निर्माता

गोरखपुर। आईआईटी, कानपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. एचसी वर्मा ने कहा कि समर्थ शिक्षक ही समर्थ राष्ट्र का निर्माता होता है। किसी भी देश का सर्वांगीण विकास समर्थ शिक्षक एवं परिष्कृत शिक्षण व्यवस्था के बिना असंभव है।

प्रो. वर्मा महाराणा प्रताप महाविद्यालय में ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान माला के समापन अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत अपनी सभ्यता के आरम्भिक काल से ही शिक्षा एवं शिक्षक को लेकर चिंतनशील रहा है। भारतीय मनीषियों ने भारत को विज्ञान और तकनीक की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित किया।

amarujala.com
गोरखपुर | मंगलवार, 21 दिसंबर 2021 9

एनएसएस से होता है विद्यार्थियों का समग्र विकास

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में आत्मविश्वास, सामूहिकता, सामुदायिकता एवं सेवा भावना जैसे गुणों को विकसित करने का अकादमिक मंच है। इसके माध्यम से युवा देश की प्रगति, विकास एवं सशक्तीकरण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करता है। एनएसएस से विद्यार्थी का समग्र विकास होता है। ब्यूरो

चयनित अभ्यर्थियों की सूची

गुरु श्री गोरखनाथ इकाई
एवं
हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई